{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 13 जुलाई 2026
आषाढ कृष्ण 12 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 289
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

17 को लॉन्च होगी पहली हाइड्रोजन ट्रेन

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे 17 जुलाई को एक नई उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा में देश की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन जींद और सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर लंबे रूट पर चलेगी। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित यह ट्रेन भारतीय रेलवे के लिए ग्रीन ट्रांसपोर्ट की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। उद्घाटन तो 17 जुलाई को होगा, लेकिन आम यात्रियों के लिए इसकी नियमित सेवा कब शुरू होगी, इसका फैसला अभी उत्तर रेलवे को करना है। रेलवे बोर्ड की ओर से जारी ऑपरेशन शेड्यूल के मुताबिक, नियमित संचालन के दौरान हाइड्रोजन ट्रेन नंबर 74010 सुबह 7:40 बजे जींद से रवाना होगी और करीब दो घंटे बाद सुबह 9:40 बजे सोनीपत पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 74009 सुबह 10:40 बजे सोनीपत से चलेगी और दोपहर 1:00 बजे जींद पहुंचेगी।

55 करोड़ की पाकिस्तानी हेरोइन पकड़ी

तरनतारन। तरनतारन पुलिस ने ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से भारतीय इलाके में गिराई गई 10 किलो 900 ग्राम हेरोइन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 55 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वल्टोहा थाने की पुलिस को देर रात सूचना मिली थी कि गांव लखना के बहकान के पास जसविंदर सिंह पुत्र बाली सिंह के खेत में ड्रोन के जरिए कुछ पैकेट गिराए गए हैं। सूचना मिलते ही वल्टोहा थाने के हेड सब-इंस्पेक्टर विपिन कुमार पुलिस टीम के साथ गांव लखना पहुंचे। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ मिलकर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान खेतों से एक प्लास्टिक बैग और कुछ खुले पैकेट मिले। इनका वजन करने पर कुल 10 किलो 900 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

ट्रेन के डिब्बों पर खालिस्तान जिंदाबाद के नारे

जालंधर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने जारी किया है। वीडियो में दिल्ली जाने वाली एक ट्रेन के डिब्बों पर खालिस्तान जिंदाबाद और मोदी मुर्दाबाद जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं। आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर पंजाब में आतंकवाद के दौर के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की विरासत का जिक्र करते हुए कथित एनकाउंटर मामलों को उठाया।

वियतनाम हादसे में 15 भारतीयों की मौत

तमिलनाडु के 10, आंध्र प्रदेश के 03 और केरल के 02 लोगों ने जान गंवाई

नई दिल्ली। वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां 32 भारतीय नागरिकों को ले जा रही एक नाव अचानक समंदर में पलट गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में 15 भारतीयों की डूबने से मौत हो गई।

हादसे का शिकार हुए लोग भारत के तीन अलग-अलग राज्यों के थे। वियतनाम में स्थित भारतीय दूतावास ने सभी मृतकों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है, जिसके अनुसार इस हादसे में सबसे अधिक नुकसान तमिलनाडु को हुआ है। मृतकों में तमिलनाडु के 10, आंध्र प्रदेश के 3 और केरल के 2 नागरिक शामिल हैं।

तमिलनाडु
1. सेंथिल कुमार जयवेल
2. मुरुगा प्रभु अरुमुगम
3. श्रीधर सुंदरराजन
4. शेख अब्दुल्ला अब्दुल मजीद
5. बालाजी नातेसन
6. विनय कुमार चित्तपुरम भास्करा
7. रविसंकर सुगुमारन
8. संतोष कुमार शांतिलालजैन
9. बाबू कुप्पुस्वामी
10. अळगुराजन सिवासामी

आंध्र प्रदेश
1. नल्लापेटा रवितेजा आदिशेषैया
2. श्रीधर मुडियम
3. जया लक्ष्मी गेल्ली

केरल
1. एविकोट चेरियन थॉमस
2. लोवेनी थॉमस

वियतनाम नाव हादसे पर पीएम मोदी और राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने जताया दुख

वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के निकट शनिवार को भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक स्पीड बोट के समुद्र में पलट जाने से 15 भारतीयों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे देश में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन सहित कई अन्य नेताओं ने मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर फिर बढ़ा अमेरिका-ईरान तनाव

दोनों ओर से हो रहे हमलों से मध्य-पूर्व में संकट गहराया

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में एक व्यापारिक जहाज पर हमले के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई तेज हो गई है। अमेरिका ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हमले किए, जबकि ईरान ने भी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों और सहयोगी देशों की ओर जवाबी कार्रवाई का दावा किया है। घटनाक्रम के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को अगले आदेश तक बंद रखने की घोषणा की है। इससे पहले एक व्यापारिक जहाज पर हुए हमले को लेकर अमेरिका ने ईरान को जिम्मेदार ठहराते हुए व्यापक सैन्य अभियान चलाया। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों का दावा है कि हाल के दिनों में ईरान के अनेक सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया, ताकि व्यापारिक जहाजों पर हमले की उसकी क्षमता को कमजोर किया जा सके।

दूसरी ओर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कतर, ओमान तथा खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों का दावा किया है। हालांकि इन दावों के संबंध में दोनों पक्षों के बयान अलग-अलग हैं और कई दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में इस मार्ग पर बढ़ते सैन्य तनाव का असर अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

विश्लेषकों का मानना है कि हालिया घटनाक्रम ने पहले से जारी संघर्षविराम और कूटनीतिक प्रयासों को गंभीर झटका पहुंचाया है। दोनों देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा को लेकर मतभेद पहले से ही बने हुए थे। अब नए सैन्य टकराव ने क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की आशंकाओं को और बढ़ा दिया है। फिलहाल अंतर्राष्ट्रीय समुदाय स्थिति पर नजर बनाए हुए है और तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं।

पंजाब कांग्रेस में बगावत : बागियों को नहीं मना पाए बघेल

12 विधायकों और तीन सांसदों के साथ चन्नी ने दिखाई ताकत

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में बगावत के सुर और तेज हो गए हैं। आलाकमान की कोशिशें नाकाम हो गई हैं। मोरिंडा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी गुट के नाराज नेताओं ने चंडीगढ़ में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल के सामने शक्ति प्रदर्शन किया। बघेल इन नेताओं को मनाने विधायक राणा गुरजीत सिंह के आवास पहुंचे थे, लेकिन वहां उन्हें नाराज नेताओं की ताकत का सामना करना पड़ा। बैठक के बाद भी बगावत के सुर शांत नहीं हुए। बघेल ने नेताओं को भरोसा दिया कि उनकी भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराया जाएगा। ऐसे में पंजाब कांग्रेस की इस अंदरूनी खींचतान को खत्म करने की जिम्मेदारी अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पाले में पहुंच गई है। नाराज नेताओं ने एक सुर में कहा कि उन्हें मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग का नेतृत्व कतई स्वीकार नहीं है।

नेताओं ने कहा कि उन्हें पंजाब में कॉम्प्रोमाइज्ड (समझौतावादी) नेता नहीं चाहिए। विधानसभा चुनाव जीतना है तो प्रदेश संगठन का नेतृत्व ऐसे नेता के हाथ में होना चाहिए, जो सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ सके। नेताओं ने बघेल से साफ कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब में बड़ा और सर्वस्वीकार्य चेहरा हैं।

कई बार फैसले वापस लेने पड़ते हैं: रंधावा

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि उनकी प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, लेकिन प्रदेश नेतृत्व राज्य सरकार के खिलाफ अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखा रहा। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं ने अपनी बात प्रभारी भूपेश बघेल के सामने रख दी है और उनसे आग्रह किया है कि वह नेताओं की भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराएं। कई बार परिस्थितियों के अनुसार हाईकमान को अपने फैसले वापस लेने पड़ते हैं। यदि पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनानी है तो इस फैसले पर भी पुनर्विचार करना होगा। हम कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकते।

तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे: चन्नी

पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि प्रभारी भूपेश बघेल के साथ बातचीत हो गई है। सभी नेताओं ने अपने मन की बात उनके सामने रख दी है। अब फैसला हाईकमान को करना है। उन्होंने कहा कि अब तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे, यानी आगे पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रिया का इंतजार करेंगे।

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने उनका नाम नहीं लिया। वह और रंधावा पिछले साढ़े चार वर्षों से साथ काम कर रहे हैं। यदि दोनों में से कोई कॉम्प्रोमाइज्ड होता तो इतनी लंबी राजनीतिक साझेदारी संभव नहीं होती।

फिल्म सतलुज में किए गए दावों के समर्थन में प्रमाण सार्वजनिक करें मेकर्स

केंद्रीय राज्यमंत्री बिट्टू ने कहा-प्रमाण सही पाए गए तो माफी मांगने को तैयार

चंडीगढ़। केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म सतलुज को लेकर फिल्म निर्माताओं पर सवाल उठाते हुए उनसे फिल्म में किए गए कुछ दावों के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि फिल्म में दिखाए गए तथ्यों के पर्याप्त सबूत नहीं हैं, तो दर्शकों के सामने उन्हें ऐतिहासिक सत्य के रूप में पेश करना उचित नहीं है। बिट्टू ने विशेष तौर पर फिल्म में कथित तौर पर दर्शाए गए 25 हजार लापता या अवैध रूप से दाह-संस्कार किए गए शवों के दावे पर आपत्ति जताई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिट्टू का कहना है कि यदि इस आंकड़े के समर्थन में आधिकारिक रिकॉर्ड या ठोस दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ऐसे प्रमाण सामने आते हैं तो वह सार्वजनिक रूप से अपनी बात वापस लेने और माफी मांगने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास से जुड़े विवादित मामलों को बिना ठोस सबूत के दिखाना सही नहीं है। उनके मुताबिक पंजाब के आतंकवाद के दौर की कहानी दिखाते समय सभी पक्षों को बराबर जगह मिलनी चाहिए।

बिट्टू ने कहा कि फिल्म में आतंकवाद का सिर्फ एक पक्ष दिखाया गया है, जबकि निर्दोष लोगों, बस यात्रियों, दुकानदारों, सरकारी कर्मचारियों और मजदूरों की हत्याओं को उतनी अहमियत नहीं दी गई, जितनी दी जानी चाहिए थी। बिट्टू ने यह भी सवाल उठाया कि फिल्म में आतंकवाद के दौरान मारे गए निर्दोष लोगों और पुलिस व सुरक्षा बलों के जवानों के बलिदान को कितना दिखाया गया है। उन्होंने फिल्म मेकर्स से कहा कि अगर उनके पास 25 हजार शवों के दावे के सबूत हैं तो उन्हें सामने लाएं। अगर सबूत नहीं हैं, तो इस दावे पर पंजाब के लोगों से माफी मांगे।

सुप्रीम कोर्ट की महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी

चार साल मे चार्जशीट नही

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक आपराधिक मामले में महाराष्ट्र सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। न्यायालय ने कहा, घटना के चार वर्ष बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकी है। जो आपराधिक न्याय व्यवस्था की गंभीर खामी को दर्शाता है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है,जांच में इतनी असामान्य देरी क्यों हुई। कौन इसके लिए जिम्मेदार है, अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है। न्यायालय ने टिप्पणी की, समयबद्ध जांच और शीघ्र चार्जशीट न्याय व्यवस्था की मूल आवश्यकता है। अनावश्यक विलंब से पीड़ित और आरोपी दोनों के अधिकार प्रभावित होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को मामले की प्रगति संबंधी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए जांच में तेजी लाने और लंबित प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जज इतने नाराज थे कि उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर स्थिति जल्द ही नहीं बदली तो वह सरकार को बेनकाब कर देंगे।

एनआईए ने अंबाला पुलिस स्टेशन धमाके में 8 लोगों के खिलाफ की चार्जशीट दाखिल

आरोपियों में पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी भी शामिल जिसने किया नेटवर्क तैयार

पंचकूला। एनआईए ने अंबाला के बलदेव नगर पुलिस स्टेशन परिसर में जनवरी 2026 में हुए आईईडी कार बम धमाका मामले में पंचकूला स्थित विशेष एनआईए कोर्ट में आठ आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। आरोपियों में पाकिस्तान का गैंगस्टर शहजाद भट्टी भी शामिल है, जिसे इस साजिश का मुख्य हैंडलर बताया गया है। चार्जशीट में शहजाद के अलावा करमजीत सिंह उर्फ टोनी, आकाश, सौरभ उर्फ सोबी, रमन कुमार, सत्यम, सुखदेव सिंह उर्फ सुखा और अमरजीत सिंह उर्फ अंबी को आरोपी बनाया है।

मीडिया रिपोर्ट में एनआईए के मुताबिक शहजाद भट्टी ने भारत में अपना आतंकी नेटवर्क तैयार कर सहयोगियों को पुलिस प्रतिष्ठानों पर हमले करने के लिए विस्फोटक सामग्री और अन्य संसाधन जुटाने का जिम्मा सौंपा था। एजेंसी का कहना है कि अंबाला के बलदेव नगर पुलिस स्टेशन को लोगों में दहशत फैलाने के उद्देश्य से निशाना बनाया गया। जांच में सामने आया कि आकाश भारत में भट्टी का मुख्य सहयोगी था, जिसने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर हमले की पूरी योजना का समन्वय किया। आरोपियों ने पहले संभावित ठिकानों की रेकी की और फिर गैस सिलेंडरों और विस्फोटक पदार्थों से भरी कार को पुलिस स्टेशन की पार्किंग में खड़ा कर दिया। घटना का वीडियो भी बनाया, ताकि उसका प्रचार-प्रसार किया जा सके। एनआईए की जांच में यह भी सामने आया कि शहजाद भट्टी ने सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म के जरिए आरोपियों की भर्ती कर उनका कट्टरपंथीकरण किया। हमले की योजना के दौरान सभी आरोपी लगातार अपने पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में थे। जांच में भर्ती, फंडिंग, लॉजिस्टिक सपोर्ट, विस्फोटक सामग्री की खरीद, हमले की योजना और उसके क्रियान्वयन तक की पूरी साजिश का खुलासा हुआ है।

अंबाला आईईडी ब्लास्ट : पाक आतंकी हैंडलर समेत 8 पर चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हरियाणा के अंबाला में हुए आईईडी कार बम विस्फोट मामले में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी आतंकी हैंडलर शहजाद भट्टी सहित आठ आरोपियों के खिलाफ पंचकूला की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। जनवरी में बलदेव नगर पुलिस थाने की पार्किंग में हुए इस हमले का मुख्य उद्देश्य पुलिस प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर देश में आतंक फैलाना था। एनआईए की जांच में सामने आया है कि पाकिस्तानी नागरिक और आतंकी हैंडलर शहजाद भट्टी ने भारत में पुलिस प्रतिष्ठानों पर हमले कर आतंक फैलाने के उद्देश्य से एक बड़ा नेटवर्क तैयार किया था। उसने सोशल मीडिया और गुप्त मैसेजिंग ऐप्स का इस्तेमाल कर भारतीय युवाओं को ब्रेनवॉश किया और उन्हें अपने मॉड्यूल में शामिल किया। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपियों ने कई संभावित ठिकानों की रेकी करने के बाद अंबाला के बलदेव नगर पुलिस थाने को निशाना बनाया। आरोपी करमजीत सिंह और उसके साथियों ने गैस सिलेंडरों और विस्फोटक पदार्थों से लदी एक कार को थाने के पार्किंग एरिया में खड़ा किया था। घटना के बाद, प्रचार और भय फैलाने के लिए घटना का वीडियो भी बनाया गया। शहजाद भट्टी के अलावा, आरोप पत्र में करमजीत सिंह उर्फ टोनी, आकाश, सौरब उर्फ सोबी उर्फ सौरभ, रमन कुमार, सत्यम, सुखदेव सिंह उर्फ सुखा और अमरजीत सिंह उर्फ अंबी के नाम शामिल हैं।

कुछ ना कहना

कतर के पूर्व अमीर शेख हमद का निधन, आधुनिक कतर के निर्माता से जाने जाते थे

कतर। कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी का रविवार सुबह निधन हो गया वह 74 साल के थे। कतर के अमीरी दीवान ने आधिकारिक बयान जारी कर उनके निधन की पुष्टि की। बयान में कहा गया कि अल्लाह के फैसले को स्वीकार करते हुए हम गहरे दुख के साथ पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन की जानकारी देते हैं। अल्लाह उन्हें जन्नत नसीब करे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेख हमद बिन खलीफा अल थानी को आधुनिक कतर का निर्माता माना जाता है। साल 1995 में उन्होंने बिना किसी खून-खराबे के सत्ता संभाली थी। उन्होंने अपने पिता शेख खलीफा बिन हमद अल थानी की जगह देश की कमान संभाली। करीब 18 साल तक कतर का नेतृत्व करने के बाद साल 2013 में उन्होंने अपनी इच्छा से सत्ता अपने बेटे और मौजूदा अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी को सौंप दी। शेख हमद ने इंग्लैंड की मशहूर रॉयल मिलिट्री अकादमी सैंडहर्स्ट से सैन्य शिक्षा हासिल की थी उनके नेतृत्व में कतर ने आर्थिक और रणनीतिक दोनों मोर्चों पर तेजी से तरक्की की। उनके कार्यकाल में नॉर्थ फील्ड गैस भंडार का बड़े पैमाने पर विकास हुआ। इसी वजह से कतर दुनिया के सबसे बड़े एलएनजी निर्यातकों में शामिल है इसके बाद देश की प्रति व्यक्ति आय भी दुनिया में सबसे ऊंची आय वाले देशों में गिनी जाने लगी। मीडिया के क्षेत्र में भी उनका बड़ा योगदान रहा।

राम मंदिर चढ़ावा केस में बड़ा खुलासा

40 दिन में 70 बार हुई चोरी...

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में जांच के दौरान चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि 40 दिनों के भीतर कथित तौर पर 70 बार चढ़ावे से रकम निकाली गई। जांच के बाद अब मंदिर प्रशासन ने चढ़ावे की गिनती की व्यवस्था भी बदल दी है। पहले दो शिफ्ट में होने वाली गणना अब सिर्फ एक ही शिफ्ट में की जाएगी। पुलिस की पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पता चला है कि कथित चोरी की घटनाएं केवल शाम की शिफ्ट के दौरान हुई थीं। इसी वजह से अब मंदिर प्रशासन ने चढ़ावे की काउंटिंग की पूरी व्यवस्था बदल दी है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपी अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडे से कई अहम जानकारियां मिलीं। जांच में सामने आया कि करीब 40 दिनों के भीतर 70 बार चढ़ावे से कथित तौर पर रकम निकाली गई। पुलिस के अनुसार, इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा भूमिका अविनाश शुक्ला की सामने आई है। पूछताछ में मिले इनपुट के मुताबिक, उसने अकेले 50 से ज्यादा बार चढ़ावे से चोरी की। इतना ही नहीं, कई दिनों में आरोपियों ने एक ही दिन दो-दो बार चढ़ावे से रकम निकालने की कोशिश की। जांच में यह भी सामने आया कि 40 दिनों के दौरान पांच ऐसे दिन भी थे, जब कथित तौर पर एक ही दिन तीन-तीन बार चोरी की गई। जांच का एक बड़ा निष्कर्ष यह भी रहा कि पहली शिफ्ट में गिनती के दौरान ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई।

अविनाश और अनुकल्प मिश्रा एक-दूसरे की करते थे मदद

जांच एजेंसियों का कहना है कि पूछताछ में यह भी सामने आया कि अविनाश शुक्ला और अनुकल्प मिश्रा हर बार एक-दूसरे की मदद करते थे। दोनों की भूमिका और बाकी आरोपियों के साथ उनके तालमेल की जांच अभी भी जारी है। अब तक की जांच में यह भी सामने आया है कि कथित चोरी की सभी घटनाएं उस समय हुईं, जब चढ़ावे की गणना दोपहर 2 बजे से रात 9 बजे तक चलने वाली दूसरी शिफ्ट में होती थी। इसी के बाद मंदिर प्रशासन ने एहतियात के तौर पर चढ़ावे की गिनती की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब चढ़ावे की गिनती सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक सिर्फ एक ही शिफ्ट में की जा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और पूछताछ में सामने आए तथ्यों का अन्य सबूतों से मिलान किया जा रहा है।

तीन साल से टूटी पड़ी पुलिया, जान हथेली पर रखकर नाला पार कर रहे स्कूली बच्चे और ग्रामीण

गड़दा गांव में बारिश के दौरान हर दिन जोखिम भरा सफर, छात्राओं ने कलेक्टर से लगाई पुलिया निर्माण की गुहार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच ग्रामीण क्षेत्रों की बदहाल सड़क और पुल-पुलियों की स्थिति एक बार फिर सामने आने लगी है। परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम गड़दा में करीब तीन वर्ष पहले तेज बारिश और बाढ़ के दौरान बह गई दो पुलियाओं का निर्माण आज तक नहीं हो सका है। इसका खामियाजा आज भी गांव के हजारों ग्रामीणों, स्कूली छात्र-छात्राओं, किसानों, महिलाओं और श्रद्धालुओं को भुगतना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में उफनते नाले को पार करना यहां के लोगों की मजबूरी बन गया है। हालात ऐसे हैं कि हर दिन लोग अपनी जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे हैं, जबकि जिम्मेदार विभाग और जनप्रतिनिधियों के स्तर पर अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है। प्रतिदिन कई गांवों से छात्र-छात्राएं इसी मार्ग से होकर स्कूल पहुंचते हैं। बारिश के दौरान नाले में तेज बहाव होने के बावजूद बच्चों को मजबूरी में उसी रास्ते से गुजरना पड़ता है। छात्राओं का कहना है कि हर दिन उन्हें डर लगा रहता है कि कहीं पैर फिसल गया या पानी का बहाव बढ़ गया तो बड़ा हादसा हो सकता है। यदि वे इस रास्ते से नहीं जाएं तो उन्हें 6 से 7 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे वे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाते और उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होती है।

छात्राओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जिला कलेक्टर से भावुक अपील करते हुए कहा कि उन्हें सुरक्षित आवागमन का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने मांग की कि गांव की दोनों पुलियाओं का निर्माण जल्द कराया जाए ताकि उन्हें रोजाना जान जोखिम में डालकर स्कूल न जाना पड़े ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया टूटने के बाद से पूरे क्षेत्र का आवागमन प्रभावित है। दोपहिया वाहन चालक किसी तरह नाले को पार करते हैं, जबकि चारपहिया वाहनों का संचालन लगभग बंद हो चुका है। कई बार मोटरसाइकिल सवार पानी में फिसल चुके हैं और छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी हुई हैं। बारिश तेज होने पर नाले का जलस्तर इतना बढ़ जाता है कि लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है या फिर कई किलोमीटर लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ता है। ग्राम सरपंच भोजलाल गायेगहे ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में कई बार विधायक, सांसद, जिला कलेक्टर और जिला पंचायत सहित संबंधित विभागों को आवेदन और ज्ञापन सौंपे गए हैं। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण भी किया, लेकिन पुलिया निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हर बार केवल आश्वासन दिया जाता है, जबकि ग्रामीण आज भी उसी समस्या से जूझ रहे हैं। छात्राओं समीक्षा आमाडारे, शिवानी राउत और ग्रामीण जीवनलाल पांचे ने बताया कि पुलिया नहीं होने से केवल गांव ही नहीं बल्कि आसपास के कई गांवों के लोग भी प्रभावित हो रहे हैं। किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने, मरीजों को अस्पताल ले जाने और दैनिक आवश्यकताओं के लिए आने-जाने में भारी कठिनाई होती है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी विकट हो जाती है। इस मार्ग का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि इसी रास्ते से प्रसिद्ध अन्नपूर्णा धाम तक पहुंचा जाता है। यह धार्मिक स्थल पूरे जिले में आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जहां वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं। बरसात के मौसम में पुलिया नहीं होने के कारण श्रद्धालुओं को भी भारी परेशानी उठानी पड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिया का निर्माण हो जाए तो न केवल ग्रामीणों की समस्या दूर होगी, बल्कि धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि केवल निरीक्षण और आश्वासन तक सीमित हैं। तीन वर्षों से समस्या जस की तस बनी हुई है, लेकिन किसी ने इसे प्राथमिकता से हल करने का प्रयास नहीं किया। लोगों का कहना है कि ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा हो। गांव के लोगों ने मुख्यमंत्री, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि पुलिया निर्माण को प्राथमिकता में शामिल कर तत्काल स्वीकृति प्रदान की जाए। उनका कहना है कि विकास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्य होने से दिखाई देता है। यदि समय रहते पुलिया का निर्माण नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में कोई बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और प्रशासन की होगी। ग्रामीणों का कहना है कि अब उन्हें आश्वासन नहीं, बल्कि पुलिया निर्माण शुरू होने का इंतजार है, ताकि वर्षों पुरानी यह समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो सके।

विश्व आदिवासी दिवस की तैयारियां शुरू

विभिन्न संगठनों की संयुक्त बैठक में बनी कार्यक्रमों की रूपरेखा, 7 अगस्त को मैराथन, 8 को रक्तदान शिविर और 9 अगस्त को संवैधानिक अधिकार रैली सहित होंगे विभिन्न आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी 9 अगस्त को मनाए जाने वाले विश्व आदिवासी दिवस के सफल आयोजन को लेकर रविवार को शहर स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती भवन में जिले के विभिन्न आदिवासी सामाजिक संगठनों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर के सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं समाजजन शामिल हुए। इस दौरान विश्व आदिवासी दिवस को भव्य एवं व्यापक स्तर पर मनाने, समाज में जागरूकता बढ़ाने और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के जिला अध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने समाज के सभी संगठनों से एकजुट होकर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराओं, संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक पहचान को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने सभी समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों में शामिल होने की अपील की। बैठक में इस वर्ष के विश्व आदिवासी दिवस की थीम आदिवासी समुदाय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अधिकारों की रक्षा, भविष्य का निर्माण पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक तकनीक के दौर में आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराओं और अधिकारों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। समाज को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उसकी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखना समय की आवश्यकता है। बैठक के दौरान विश्व आदिवासी दिवस के इतिहास और महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1994 में विश्वभर के आदिवासी समुदायों के अधिकारों, संस्कृति और समस्याओं की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने का निर्णय लिया था। भारत सहित अनेक देशों में यह दिवस आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत, संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक जागरूकता के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। बैठक में तीन दिवसीय कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गई। 7 अगस्त को प्रातः 7 बजे मैराथन दौड़ आयोजित की जाएगी। 8 अगस्त को सुबह 9 बजे रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। वहीं 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर 50 भूमकाओं की उपस्थिति में पारंपरिक कार्यक्रमों के साथ गोंगो रानी दुर्गावती चौक से संवैधानिक अधिकार रैली निकाली जाएगी। इसके बाद महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण, अतिथियों का सम्मान तथा मंचीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें समाज के वरिष्ठजन और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि अपने विचार रखेंगे। बैठक में समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव रखे और आयोजन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान गोविंद उइके, प्रीतम उइके, संदेश सैयाम, विष्णु सिंह मरसकोले, आशीष धुर्वे, मनोज कोडापे, संजय धुर्वे, मोहन मरकाम, राजेंद्र उइके, मिथिलेश उइके, गोविंद सिंह उइके, पुष्पा कोकोड़े, अनीता कोकोड़े, विनीता उइके, ललित उइके, प्रतीक धुर्वे, शरद मड़ावी सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

शिक्षक कांग्रेस के प्रांतीय सम्मेलन में गूंजा ई-अटेंडेंस और पुरानी पेंशन का मुद्दा

बालाघाट में आयोजित सम्मेलन में प्रदेशभर से पहुंचे पदाधिकारी, वेतन प्रभावित होने पर जताई चिंता, ओल्ड पेंशन बहाली की मांग दोहराई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस का प्रांतीय सम्मेलन रविवार को बालाघाट शहर स्थित नीति संस्थान में आयोजित किया गया। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से शिक्षक कांग्रेस के पदाधिकारी, जिला प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए। बैठक में शिक्षकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें ई-अटेंडेंस प्रणाली, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, शिक्षकों की सेवा संबंधी समस्याएं और विभागीय व्यवस्थाओं में सुधार जैसे विषय प्रमुख रूप से शामिल रहे। सम्मेलन के दौरान संगठन के जिला अध्यक्ष राकेश वर्मा ने बताया कि वर्तमान समय में शिक्षकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती ई-अटेंडेंस प्रणाली बन गई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लागू की गई डिजिटल उपस्थिति व्यवस्था का उद्देश्य पारदर्शिता लाना है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसकी व्यावहारिक कठिनाइयों का खामियाजा शिक्षकों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिले सहित प्रदेश के अनेक ग्रामीण और दूरस्थ विद्यालयों में आज भी नेटवर्क की समस्या बनी हुई है। कई स्कूल ऐसे हैं, जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण शिक्षक समय पर ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं कर पा रहे हैं। इसके अलावा तकनीकी खराबी, सर्वर की समस्या और मोबाइल एप्लिकेशन में आने वाली दिक्कतों के कारण भी उपस्थिति दर्ज करने में परेशानी होती है। राकेश वर्मा ने कहा कि सबसे गंभीर विषय यह है कि अब शिक्षा विभाग ने ई-अटेंडेंस को सीधे वेतन से जोड़ दिया है। ऐसे में यदि कोई शिक्षक समय पर विद्यालय पहुंचने के बावजूद तकनीकी कारणों से अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कर पाता है तो उसे अनुपस्थित माना जा रहा है, जिसका सीधा असर उसके वेतन पर पड़ सकता है। उनका कहना है कि तकनीकी खामियों की सजा शिक्षकों को देना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि संगठन इस विषय को गंभीरता से उठा रहा है और शासन से मांग कर रहा है कि जब तक सभी विद्यालयों में पर्याप्त नेटवर्क और तकनीकी व्यवस्थाएं सुनिश्चित नहीं हो जातीं, तब तक ई-अटेंडेंस के आधार पर वेतन कटौती जैसी कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। सम्मेलन में पुरानी पेंशन योजना (ओल्ड पेंशन स्कीम) का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्ष 2005 के बाद नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य को लेकर असुरक्षा की भावना बनी हुई है। राकेश वर्मा ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना कर्मचारियों और शिक्षकों के सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा का आधार रही है। वर्तमान नई पेंशन व्यवस्था में सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली राशि पर्याप्त नहीं होती, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि वर्षों तक शिक्षा सेवा देने वाले शिक्षकों को सम्मानजनक पेंशन मिलना उनका अधिकार है। सम्मेलन में उपस्थित प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारियों ने शिक्षकों की अन्य समस्याओं पर भी चर्चा की। इसमें पदोन्नति, सेवा संबंधी विसंगतियां, रिक्त पदों की पूर्ति, विभागीय प्रक्रियाओं के सरलीकरण और शिक्षकों के हितों से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। संगठन ने इन सभी विषयों को शासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने का निर्णय लिया। शिक्षक कांग्रेस के पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन का उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि संवाद के माध्यम से शिक्षकों की व्यावहारिक समस्याओं का समाधान कराना है। यदि आवश्यक हुआ तो प्रदेश स्तर पर शासन से चर्चा कर शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए आगे भी आंदोलनात्मक रणनीति बनाई जाएगी। सम्मेलन में मौजूद शिक्षकों ने भी ई-अटेंडेंस व्यवस्था में व्यावहारिक सुधार, तकनीकी सुविधाओं को मजबूत करने और पुरानी पेंशन योजना बहाल किए जाने की मांग को एक स्वर में उठाया। उनका कहना था कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पहले शिक्षकों की समस्याओं का समाधान किया जाना आवश्यक है, ताकि वे बिना किसी मानसिक दबाव के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकें।

सोलहवीं पुण्यतिथी पर पुण्य स्मरण
स्व.श्री आशिष महिमेहरो (छोटू पटेल)

आपका स्नेहील सहज जीवन हमारे लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा एवं जीवन में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा।
आपकी सोलहवीं पुण्यतिथी पर पुण्य स्मरण करते हुये श्रद्धासुमन अर्पित करते है
स्व.श्री आशिष महिमेहरो (छोटू पटेल)
(जन्म- 14 जून 1986 महाप्रयाण - 13 जुलाई 2010)
श्रद्धानवत् -युवराज पटेल, श्रीमती विद्या पटेल, अनिल पटेल (राजा), श्रीमती किर्ती पटेल, श्रीमती अंजू-राजकुमार करहि, सायु, सोम करहि, कु.अनिता पटेल, ओम, चिया एवं पटेल परिवार, समस्त मित्रगण लांजी

वेदिका सोनेकर
आपको
जन्मदिवस की ढेर सारी
शुभकामनाएं
शुभेच्छु- पिता - श्री उमेश सोनेकर
माता - श्रीमती शीतल सोनेकर दादा - श्री छेदीलाल सोनेकर बड़े पापा - श्री तरुण सोनेकर
बड़ी मम्मी - श्रीमती मोनिका सोनेकर चाचा - श्री अनुराग सोनेकर चाची - श्रीमती यामिनी सोनेकर
एवं समस्त सोनेकर परिवार

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

घर में घुसकर बदमाशों ने महिला पर किया प्राण घातक हमला-महिला की हालत गम्भीर

बदमाश ने मौके पर छोड़ा मोबाइल

मोबाइल जप्त कर जांच पड़ताल में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाने की किन्ही पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम कलकत्ता में देर रात अज्ञात बदमाशों ने 48 वर्षीय महिला पर प्राणघातक हमला कर दिया। इस वारदात में महिला गंभीर रूप से से घायल हो गई। वहीं कोई अज्ञात बदमाश जल्दबाजी में अपना मोबाइल फोन घटनास्थल पर ही छोड़कर भाग गए। जिसे पुलिस ने जप्त कर जांच

शुरू कर दी है। घायल महिला लीलाबाई पति इंद्रपाल महेश्वरे45 वर्ष को गोंदिया के अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस मामले में किन्हीं पुलिस ने कुछ लोगों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ शुरू की है। मिली जानकारी के अनुसार कलकत्ता निवासी लीला बाई महिश्वरे खेती मजदूरी करती है। 15 साल पहले उसके पति की मौत हो चुकी है और बेटा जितेंद्र और बहू प्रीति दो माह पहले कमाने खाने बाहर गए हुए हैं और लीलाबाई अपने घर पर अकेली रहती थी। 11 जुलाई की रात 9:00 बजे लीलाबाई खाना खाकर घर की छपरी में तखत पर सोई थी। तभी रात 12:30 बजे करीब अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया। बदमाशों पहले घर के बाहर लगा बिजली का बल्ब तोड़ दिया। फिर अंधेरे का फायदा उठाकर अंदर घुसकर लीलाबाई का गला दबा दिया और धारदार हथियार से कनपट्टी सहित शरीर पर ताबड़तोड़ वार किए। हमले में लीला बाई गंभीर रूप से घायल हो गईं। लीलाबाई के बचाव बचाव की आवाज सुनकर पड़ोसी दौड़े तब तक अज्ञात बदमाश वहां से भागने लगे, भागते भागते उनका मोबाइल लीलाबाई के घर की तखत पर ही गिर गया। पड़ोसी दिलीप पन्द्रे ने डायल 112 को सूचना दी । सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल लीला बाई को किरनापुर के अस्पताल में भर्ती किये। जहां प्राथमिक उपचार के बाद लीलाबाई को उसकी गंभीर हालात को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया । जिसे तत्काल गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किरनापुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल के दौरान मोबाइल को जप्त कर लिया है। पुलिस का मानना है कि यह फोन मामले को सुलझाने में बड़ा सुराग साबित हो सकता है। पुलिस मोबाइल के कॉल डिटेल के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है आधा दर्जन लोगों से पूछताछ कर रही है। इस मामले में दिलीप पन्द्रे 21 वर्ष कोलकाता निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 115(2), 118(1),333 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया है। अज्ञात बदमाशों ने इस वारदात को लूट की नीयत से या फिर कोई आपसी रंजिश के चलते अंजाम दिया। अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

एक ही दिन में दो बड़े सड़क हादसे, फिर कटघरे में सड़क सुरक्षा व्यवस्था

जिले में फिर हादसों का सिलसिला, ब्लैक स्पॉट की अनदेखी, अधूरे सुरक्षा उपाय और कमजोर निगरानी पर उठे सवाल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में 12 जुलाई को अलग-अलग स्थानों पर हुई दो सड़क दुर्घटनाओं ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सुबह वारासिवनी क्षेत्र में महिलाओं से भरी एक पिकअप वाहन के पलटने से दर्जनों महिलाएं घायल हो गईं, वहीं शाम के समय मगरदर्रा के खतरनाक मोड़ पर एक यात्री बस पलट गई। हालांकि बस हादसे में बड़ा जनहानि नहीं हुई, लेकिन दोनों घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था अभी भी कई स्तरों पर कमजोर बनी हुई है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद सड़क सुरक्षा को लेकर जमीनी स्तर पर अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। सड़कों पर अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग, मुख्य मार्गों पर खड़े भारी वाहन, संकरे रास्ते और कई स्थानों पर पर्याप्त चेतावनी संकेतों का अभाव दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बन रहे हैं। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे मोड़ और सड़कें हैं जहां आए दिन हादसे होते हैं, लेकिन अब तक वहां स्थायी सुरक्षा उपाय नहीं किए गए हैं।

जिले में आज भी ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना संभावित स्थान) की वास्तविक संख्या स्पष्ट नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में नए पुल-पुलियों, सड़क चौड़ीकरण और नए मार्गों के निर्माण के बाद कई नए ब्लैक स्पॉट सामने आए हैं, लेकिन संबंधित विभागों द्वारा उनका वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर सूची तैयार नहीं की गई। वहीं पुराने ब्लैक स्पॉट की संख्या भी कागजों में कम कर दी गई, जबकि वास्तविक स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। सड़क सुरक्षा को लेकर समय-समय पर जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठकें आयोजित होती हैं, जिनमें विभिन्न विभागों के अधिकारी दुर्घटनाएं रोकने और यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं। लेकिन अधिकांश निर्णय बैठक की कार्यवाही तक ही सीमित रह जाते हैं और उनका धरातल पर प्रभाव दिखाई नहीं देता। कई स्थानों पर संकेतक बोर्ड, स्पीड ब्रेकर, रिफ्लेक्टर, चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा बैरियर लगाने जैसे निर्णय अब भी अधूरे पड़े हैं। इधर, यातायात थाना प्रभारी यीना राहांगडाले ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि यातायात पुलिस द्वारा लगातार वाहनों की जांच की जा रही है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई भी की जा रही है। उन्होंने दोनों दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बड़े वाहनों की फिटनेस, परमिट एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच परिवहन विभाग भी समय-समय पर करता है। उनका कहना है कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। हालांकि सवाल यह है कि यदि नियमित जांच और सड़क सुरक्षा संबंधी बैठकें लगातार हो रही हैं, तो फिर दुर्घटनाओं का सिलसिला क्यों नहीं थम रहा। आम लोगों का कहना है कि केवल चालानी कार्रवाई से सड़क सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होगी, बल्कि दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान, सड़कों का सुधार, अवैध अतिक्रमण हटाने, अव्यवस्थित पार्किंग पर नियंत्रण और यातायात नियमों का प्रभावी पालन कराना भी उतना ही आवश्यक है। लगातार सामने आ रहे हादसों के बाद अब आवश्यकता इस बात की है कि सड़क सुरक्षा को केवल अभियान और बैठकों तक सीमित न रखकर जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई की जाए। यदि समय रहते ब्लैक स्पॉट का सुधार, सड़क इंजीनियरिंग में आवश्यक बदलाव और यातायात व्यवस्था को मजबूत नहीं किया गया, तो भविष्य में ऐसे हादसे और भी गंभीर रूप ले सकते हैं। अब देखना होगा कि हालिया घटनाओं के बाद परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग, यातायात पुलिस और जिला प्रशासन मिलकर सड़क सुरक्षा को लेकर कौन से ठोस कदम उठाते हैं।

कम मानदेय, अतिरिक्त कार्य और अस्पष्ट आदेशों के खिलाफ रसोईया बहनों का आक्रोश, शासन से लगाई न्याय की गुहार

जिलेभर से पहुंचीं रसोईया कर्मियों की बैठक, 6 हजार मासिक मानदेय, समय पर भुगतान और स्पष्ट नीति बनाने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्याह्न भोजन योजना के तहत कार्यरत रसोईया बहनों ने अपनी विभिन्न लंबित समस्याओं को लेकर एक बार फिर आवाज बुलंद की है। जिले के विभिन्न विकासखंडों से बड़ी संख्या में पहुंचीं रसोईया कर्मियों ने शहर के एक निजी संस्थान में बैठक आयोजित कर शासन और शिक्षा विभाग के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। बैठक में कम मानदेय, भुगतान में देरी, अतिरिक्त कार्य कराए जाने, हाल ही में जारी विभागीय आदेशों की अस्पष्टता तथा भविष्य की सेवा सुरक्षा जैसे मुद्दों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। रसोईया बहनों ने कहा कि वे वर्षों से बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने का जिम्मेदारीपूर्ण कार्य कर रही हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें सम्मानजनक मानदेय और कर्मचारी के अनुरूप सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। बैठक में रसोईया कर्मी दीक्षा मेश्राम ने बताया कि कुछ समय पहले विभाग द्वारा बड़ी संख्या में रसोईया बहनों को कार्य से हटा दिया गया था। बाद में शासन स्तर से आदेश जारी होने के बाद उन्हें पुन: कार्य पर तो रख लिया गया, लेकिन आज भी उनकी समस्याएं समाप्त नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जो मानदेय दिया जा रहा है, वह महंगाई के इस दौर में परिवार का भरण-पोषण करने के लिए बिल्कुल पर्याप्त नहीं है। चार हजार रुपये प्रतिमाह में घर चलाना, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक खर्च पूरे करना संभव नहीं है। उन्होंने शासन से मांग की कि सभी रसोईया बहनों का मानदेय बढ़ाकर कम से कम 6,000 रूपये प्रतिमाह किया जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मानदेय का भुगतान भी नियमित रूप से नहीं किया जाता। कई बार महीनों तक भुगतान लंबित रहता है और जुलाई माह में भी उन्हें लगभग पंद्रह दिनों का वेतन प्राप्त नहीं हुआ है। इतना ही नहीं, कई मामलों में मानदेय में कटौती की भी शिकायत सामने आती है, जिससे आर्थिक संकट और अधिक गहरा जाता है। उनका कहना है कि अधिकांश रसोईया बहनें गरीब परिवारों से आती हैं और उनके परिवार की आजीविका का प्रमुख साधन यही मानदेय है। ऐसे में भुगतान में देरी उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा कर देती है। बैठक में शामिल महिलाओं ने शिक्षा विभाग और विद्यालय प्रबंधन पर निर्धारित कार्यों से अधिक काम कराने का आरोप भी लगाया। रसोईया बहनों का कहना है कि उनकी नियुक्ति केवल मध्याह्न भोजन तैयार करने और उससे संबंधित कार्यों के लिए हुई है, लेकिन वास्तविकता में उनसे स्कूल परिसर की साफ-सफाई, बर्तन धोने, कार्यालय से जुड़े छोटे-मोटे कार्य, विद्यालय परिसर में संचालित माँ की बगिया जैसी योजनाओं की देखरेख तथा अन्य कई कार्य भी कराए जाते हैं। उनका कहना है कि यदि वे इन कार्यों से मना करती हैं तो उन पर दबाव बनाया जाता है। इससे उनका कार्यभार लगातार बढ़ता जा रहा है, जबकि मानदेय में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की गई है। बैठक में संगठन के पदाधिकारी देवनाथ पंचेश्वर ने कहा कि हाल ही में शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए आदेशों ने रसोईया बहनों के बीच असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है। उनके अनुसार आदेश में कहीं भी स्पष्ट रूप से यह उल्लेख नहीं किया गया कि हाल ही में पुन: कार्य पर रखी गई रसोईया बहनों की सेवाएं स्थायी रहेंगी या नहीं। आदेश की भाषा इतनी अस्पष्ट है कि कर्मचारी यह समझ ही नहीं पा रहे हैं कि भविष्य में उनकी स्थिति क्या होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी शासकीय आदेश में स्पष्टता होना आवश्यक है, ताकि कर्मचारियों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो।

उन्होंने बताया कि विभाग अब रसोईया कर्मियों से आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज भी जमा कराने के निर्देश दे रहा है, लेकिन यह नहीं बताया जा रहा कि इन दस्तावेजों का उपयोग किस उद्देश्य से किया जाएगा। इससे महिलाओं में आशंका पैदा हो रही है कि कहीं भविष्य में फिर से उन्हें कार्य से अलग न कर दिया जाए। उन्होंने शासन से मांग की कि विभागीय आदेश स्पष्ट और सरल भाषा में जारी किए जाएं तथा सभी बिंदुओं का स्पष्ट उल्लेख किया जाए। बैठक में मौजूद रसोईया बहनों ने कहा कि वे वर्षों से विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार कर रही हैं। शासन की महत्वाकांक्षी मध्याह्न भोजन योजना को सफल बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन उनके योगदान के अनुरूप उन्हें सम्मान नहीं मिल रहा है। उनका कहना है कि यदि बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है, तो शासन को भी उनके भविष्य और जीवनयापन की चिंता करनी चाहिए। बैठक में यह भी मांग उठाई गई कि रसोईया कर्मियों को समय पर मानदेय भुगतान सुनिश्चित किया जाए, अतिरिक्त कार्य कराने पर रोक लगाई जाए, सेवा संबंधी स्पष्ट नीति बनाई जाए और भविष्य में किसी भी प्रकार की कार्रवाई से पहले कर्मचारियों को विश्वास में लिया जाए। साथ ही उन्हें सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सुविधाओं का भी लाभ दिया जाए।

भूमिगत केबल बिछाने के दौरान टूटी नपा. की पाइपलाइन, चार वार्डों की पेयजल व्यवस्था होगीं प्रभावित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक-5 स्थित बायपास रोड पर एक निजी कंपनी द्वारा भूमिगत केबल (अंडरग्राउंड वायरिंग) बिछाने का कार्य उस समय विवादों में घिर गया, जब खुदाई के दौरान नगर पालिका की मुख्य पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। पाइपलाइन टूटने के कारण बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ बह गया और अब शहर के चार से पांच वार्डों में जलापूर्ति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। मामले को लेकर नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। पूर्व पार्षद रामभाऊ पंचेश्वर ने आरोप लगाया कि निजी कंपनी द्वारा भूमिगत केबल डालने के दौरान बिना पर्याप्त सावधानी बरते खुदाई की गई, जिससे नगर पालिका की मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन टूटने के बाद काफी देर तक हजारों लीटर पानी लगातार बहता रहा, लेकिन समय रहते न तो इसे रोका गया और न ही किसी जिम्मेदार अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण वार्ड क्रमांक-4, 5, 30 और 31 सहित आसपास के क्षेत्रों की पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इन वार्डों में पहले से ही नियमित जलापूर्ति को लेकर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है और अब पाइपलाइन टूटने से स्थिति और गंभीर हो सकती है। खासकर रविवार होने के कारण तत्काल मरम्मत कार्य शुरू होने की संभावना भी कम बताई जा रही है, जिससे नागरिकों की परेशानी बढ़ सकती है। रामभाऊ पंचेश्वर ने सवाल उठाया कि शहर में भूमिगत केबल बिछाने का कार्य कर रही निजी कंपनी ने क्या नगर पालिका से विधिवत अनुमति प्राप्त की थी या नहीं। यदि अनुमति दी गई थी तो खुदाई के दौरान नगर पालिका के इंजीनियर या संबंधित कर्मचारी मौके पर क्यों मौजूद नहीं थे। उनका कहना है कि नगर पालिका की निगरानी में कार्य कराया जाता तो संभवत: इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी निजी एजेंसी की लापरवाही से नगर पालिका की सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा है तो संबंधित कंपनी से पाइपलाइन की मरम्मत कराई जानी चाहिए तथा हुए नुकसान की भरपाई भी उसी से कराई जानी चाहिए। यदि आवश्यक हो तो नगर पालिका को नियमों के तहत आर्थिक दंड (हरजाना) भी वसूल करना चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही दोबारा न हो। मामले की जानकारी लेने के लिए नगर पालिका के संबंधित शाखा के कर्मचारियों से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि उन्हें पाइपलाइन टूटने की जानकारी नहीं थी। वहीं निजी कंपनी को नगर पालिका द्वारा अनुमति दिए जाने संबंधी प्रश्न पर भी उन्होंने कोई स्पष्ट जानकारी होने से इनकार किया। इस पूरे मामले में नगर पालिका का आधिकारिक पक्ष जानने के लिए प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि नगर पालिका ने इस मामले में क्या कार्रवाई शुरू की है और पाइपलाइन की मरम्मत कब तक कराई जाएगी। फिलहाल वार्डवासियों की चिंता इस बात को लेकर है कि यदि पाइपलाइन का सुधार कार्य शीघ्र शुरू नहीं हुआ तो आगामी दिनों में उन्हें पेयजल संकट का सामना करना पड़ सकता है। अब सभी की निगाहें नगर पालिका प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और जिम्मेदार एजेंसी के खिलाफ क्या कदम उठाए जाते हैं।

दो मोटरसाइकिलों की आमने सामने भिड़ंत में शिक्षक की मौत, तीन युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना अंतर्गत मछुरदा पुलिस चौकी क्षेत्र में कोमो रोड पर दो मोटरसाइकिलों की आमने सामने हुई जोरदार भिड़ंत में एक शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक घायल हो गए। घायलों में एक युवक सहकू मेरावी पिता इतवारी लाल मेरावी, निवासी ग्राम कोमो निवासी की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। मृतक शिक्षक राजकुमार पिता जियालाल सोनवाने 38 वर्ष ग्राम देवल गांव थाना लांजी निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजकुमार सोनवाने ग्राम देवलगांव थाना लांजी निवासी वर्तमान में ग्राम कोमो स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में शिक्षक के पद पर पदस्थ थे और वहीं निवास भी करते थे। शनिवार 11 जुलाई को स्कूल की छुट्टी के बाद वे शाम करीब 4 बजे मछुरदा साप्ताहिक बाजार सामान खरीदने पहुंचे थे। बाजार से लौटते समय जब वे मोटरसाइकिल से कोमो जा रहे थे। तभी कोमो रोड पर सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से उनकी जोरदार टक्कर हो गई।दूसरी मोटरसाइकिल पर सहकू मेरावी, अपने भाई संतू मेरावी और सतीश मरकाम के साथ मछुरदा बाजार जा रहे थे। हादसे में शिक्षक राजकुमार सोनवाने की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।जबकि तीनों युवक घायल हो गए।घायलों को तत्काल बिरसा अस्पताल पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल सहकू मेरावी को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया।रविवार 12 जुलाई को बिरसा पुलिस ने मृतक शिक्षक राजकुमार सोनवाने के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने दुर्घटना का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आस-पास की खबरें

खबर प्रकाशन के बाद नालियों की सफाई कार्य शुरू

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी के अंतर्गत आने वाले वार्डों में स्थित नालियों एवं तहसील मार्ग की नाली की नियमित रूप से साफ-सफाई नही होने से नाली चोक हो चुकी थी। जिसके कारण पानी की निकासी नही होने से ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़

रहा था। साथ ही गंदगी होने के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहे थे जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर ग्रामीणजनों को सता रहा था। उक्त समस्या को लेकर विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद पंचायत के जिम्मेदार सरपंच-सचिव हरकत में आये और पंचायत क्षेत्र के वार्डों की नाली की साफ-सफाई करवाई जा रही है और तहसील पहुंच मार्ग की नालियों एवं झाड़ियों की सफाई का कार्य जारी है। नाली की सफाई होने से जो नाली चोक हो चुकी थी वह खुल जायेगी जिससे अब पानी की निकासी सुचारू रूप से होगी। वहीं जिस वार्ड की सफाई हो चुकी है उक्त वार्ड में पानी की निकासी सुचारू रूप से होगी। वहीं पूर्व में पानी की निकासी नही होने की जो समस्या बनी हुई थी वह दुर हो चुकी है। वहीं ग्रामीणजनों ने पंचायत से नालियों की समय-समय पर साफ-सफाई करवाने की मांग की है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि नाली की सफाई नही होने से हो रही परेशानियों की समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जिम्मेदार लोग हरकत में आये और नालियों की सफाई कार्य करवा रहे है। वहीं नाली की सफाई हो जाने से अब पानी की निकासी सुचारू रूप से होगी। हमारी मांग है कि समय-समय पर नालियों की साफ-सफाई होते रहना चाहिए।

देख-रेख के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रहा बबरिया का सेग्रिकेशन शेड

लाखों की लागत से बना शेड साबित हो रहा शो-पीस, जिम्मेदार मौन, ग्रामीणों में आक्रोश

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी दूर ग्राम पंचायत बबरिया में शासन की मंशा पर पानी फिरता नजर आ रहा है। ग्राम को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से लाखों रूपयों की लागत से बनाया गया सेग्रिकेशन शेड (कचरा पृथक्कीकरण केंद्र) आज देख-रेख के अभाव में खुद अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। बबरिया से पिपरिया मार्ग पर बना यह शेड उपयोग में न आने के कारण अब क्षतिग्रस्त होने लगा है, जिससे शासकीय राशि के दुरूपयोग का साफ मामला सामने आ रहा है। वहीं स्वच्छ भारत अभियान के तहत शासन की योजना थी कि घरों से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे को एकत्रित कर इस सेग्रिकेशन शेड में लाया जाये और वहां इसका उचित निपटारा (नष्ट) किया जाये। लेकिन धरातल पर स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। निर्माण के बाद से अब तक इस शेड में एक बार कचरा भी नहीं डाला गया है। रखरखाव न होने की वजह से अब इस शेड के टीन उखड़कर गिरने लगे हैं और धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त होने लगी है। वहीं सेग्रिकेशन शेड को ग्राम से काफी दूर बनाया गया है, जिसके कारण यह व्यावहारिक रूप से अनुपयोगी साबित हो रहा है। लाखों रूपये खर्च होने के बाद भी पंचायत या संबंधित अधिकारियों ने इसका उपयोग शुरू करवाने की जहमत नहीं उठाई। जिस कारण से शासन के द्वारा लाखों रूपयों की लागत से जिस मंशा से सेग्रिकेशन बनाया गया है उसका उपयोग नही हो रहा है । जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजनों ने क्षतिग्रस्त हो रहे सेग्रिकेशन शेड का मरम्मत कार्य करवाकर उसका उपयोग करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

ग्रामीणों ने की मरम्मत और उपयोग शुरू करने की मांग

आपकों बता दे कि गांव को स्वच्छ, सुंदर बनाने के लिए जिले के हर पंचायत में सेग्रिकेशन शेड निर्माण कार्य शासन के द्वारा करवाये गये है, लेकिन उसका उपयोग एवं लाभ ग्रामीणजनों को नही मिल रहा है। इसी तरह ग्राम पंचायत बबरिया में भी विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की लागत से ग्राम के बाहर सेग्रिकेशन शेड का निर्माण किया गया है, लेकिन उसका उपयोग नही किया जा रहा है एवं देख-रेख भी नही की जा रही है। जिसके कारण लाखों रूपयों की लागत से बना सेग्रिकेशन औचित्यहीन साबित होने के साथ ही देख-रेख के अभाव में क्षतिग्रस्त होने लगी है। जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए जिले की लगभग हर पंचायत में ऐसे सेग्रिकेशन शेड्स का निर्माण करवाया गया है। लेकिन उचित मॉनिटरिंग और इ'छाशक्ति की कमी के कारण अधिकांश जगहों पर ये शेड ग्रामीणों के लिए महज एक शो-पीस बनकर रह गये हैं। वहीं बबरिया पंचायत में भी स्वच्छ भारत अभियान के तहत सेग्रिकेशन शेड निर्माण विगत वर्ष पूर्व ग्राम में किया गया है। लेकिन उसमें कचरा नही डाला गया है एवं उपयोग भी नही किया गया है, न ही देख-रेख की जा रही है। जिसके कारण टीन शेड क्षतिग्रस्त होकर गिरने लगें हैं। वहीं लाखों रूपये खर्च करने के बाद भी ग्रामीणों को स्वच्छ, सुंदर गांव के ओर बढ़ते हुए नहीं दिख रहे हैं इसलिए प्रशासन से मांग है कि जिस मंशा से सेग्रिकेशन शेड बनाया गया है उसका उपयोग पंचायत के माध्यम से करवाये ताकि उसका लाभ गांव को मिल सके और बबरिया ग्राम स्वच्छ व सुंदर बन सके।

इनका कहना है-

पूर्व सरपंच के कार्यकाल में ग्राम से काफी दुर सेग्रिकेशन शेड का निर्माण किया गया है, लेकिन दुर होने के कारण उसका उपयोग नही हो पा रहा है, जिसके कारण खराब होने लगा है। जबकि उसका निर्माण गांव के समीप किया जाना था। तब जिस मंशा से सेग्रिकेशन शेड बनाया गया था उसका लाभ ग्रामीणजनों को मिलता। शासन को पत्र लिखकर उसके मरम्मत कार्य एवं अन्य उपकरण हेतु राशि की मांग की गई है, राशि स्वीकृत होने के बाद उसका मरम्मत सहित अन्य कार्य करवाये जायेगें।

मोहन गौतम
सरपंच
ग्राम पंचायत बबरिया।

आमाटोला ददिया में खराब हेंडपंप का हुआ सुधार कार्य, पेयजल की समस्या हुई दूर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी दूर ग्राम पंचायत ददिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम आमाटोला में पिछले कुछ दिनों से गहराया पेयजल संकट अब दूर हो गया है। ग्राम के आंगनवाड़ी केंद्र के समीप स्थित हैंडपंप खराब होने से वार्डवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को बालाघाट एक्सप्रेस समाचार पत्र ने प्रमुखता से 'आमाटोला ददिया में हैंडपंप खराब, बूंद-बूंद पानी को तरस रहे ग्रामीणजन' नामक शीर्षक के साथ प्रकाशित किया गया था। वहीं समाचार प्रकाशित होने के बाद पीएचई विभाग के अधिकारी तत्काल हरकत में आये और विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए लंबे समय से खराब हैंडपंप का सुधार कार्य (दुरूस्त) कर दिया है। जिसके बाद से पेयजल की समस्या दुर हो चुकी है यानि कि हेंडपंप खराब होने से आंगनवाड़ी एवं वार्ड में जो पानी की समस्या बनी हुई थी, हेंडपंप सुधर जाने से अब उन्हे पानी की समस्या से निजात मिल चुकी है। आपकों बता दे कि आमाटोला ददिया के आंगनवाड़ी केन्द्र के समीप स्थित हैंडपंप खराब होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी आंगनवाड़ी केंद्र के छोटे बच्चों, कार्यकर्ता और स्थानीय वार्डवासियों को हो रही थी। उन्हें पानी के लिए दूर स्थित हेंडपंप से लाना पड़ रहा था। अब हैंडपंप ठीक हो जाने से पानी की समस्या पूरी तरह समाप्त हो गई है। हैंडपंप सुधरने पर राहत की सांस लेते हुए आमाटोला के ग्रामीणों और आंगनवाड़ी स्टाफ ने त्वरित कार्यवाही के लिए पीएचई विभाग और जनहित की आवाज उठाने के लिए 'बालाघाट एक्सप्रेस अखबार' का सहृदय आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम के आंगनवाड़ी केन्द्र के समीप स्थित हेंडपंप खराब हो जाने से वार्ड में पानी की समस्या उत्पन्न हो गई थी। ऐसी स्थिति में दुर स्थित हेंडपंप से वार्डवासी एवं आंगनवाड़ी की कार्यकर्ता पानी लेकर आते थे जिससे सभी को परेशानी होती थी और सबसे अधिक परेशानी आंगनवाड़ी केन्द्र के नौनिहाल बच्चों को हो रही थी। उक्त समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित कर पीएचई विभाग का ध्यानाकर्षण करवाया गया था। जिसके बाद विभागीय अधिकारी हरकत में आये और लंबे समय से खराब हेंडपंप का सुधार कार्य (दुरूस्त) कर दिया गया है। जिसके बाद से हेंडपंप से पर्याप्त पानी निकल रहा है और जो पानी की समस्या बनी हुई थी वह दुर हो चुकी है।

रूठा मौसम, उमस भरी गर्मी से आमजन बेहाल, खेतों में लगा विराम

बारिश की राह तक रहे अन्नदाता, सूखने लगी जमीन, फसलों पर मंडराया संकट

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मौसम के बदले मिजाज और मानसून की बेरूखी ने आम जनमानस से लेकर खेतों में पसीना बहाने वाले अन्नदाता तक को भारी चिंता में डाल दिया है। आषाढ़ माह के इस मौसम में जहां झमाझम बारिश होनी चाहिए थी, वहीं आसमान से बरसती आग और उमस भरी गर्मी ने लोगों का हलाकान कर दिया है। रूठे मौसम के कारण दोपहर में तपिश इतनी बढ़ गई है कि लोग बाहर निकलने में कतरा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कृषि कार्यों पर विराम लगने लगा है। वहीं जिन किसानों के पास सिंचाई के साधन है ऐसे ही किसान धान की रोपाई कर रहे है और जो किसान बारिश के पानी के भरोसे कृषि कार्य करते है वे किसान बारिश का इंतजार कर रहे है।

अन्नदाता की नजरें आसमान पर टिकीं

आपकों बता दे कि कुछ दिनों पहले हुई शुरूआती बारिश को देखकर किसानों ने जोर-शोर से खेतों का रूख किये थे और कृषि कार्य में जुट गये थे। साथ ही खार बुवाई और रोपाई का काम शुरू भी हो चुका था, लेकिन अचानक मौसम के दगा दे जाने से जमीन में नमी खत्म होने लगी है। खेतों की मिट्टी अब सूखकर कड़क हो रही है और कई हिस्सों में हल्की दरारें भी दिखने लगी हैं। पानी के अभाव में अंकुरित हो चुकी फसलें और छोटे पौधे झुलसने की कगार पर पहुंचने लगे है। जिससे किसान चिंतित नजर आ रहे है। अगर दो-चार दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो किसान की खार में पीलापन भी आ सकता है। साथ ही जिन्होने पूर्व में हुई बारिश में धान का रोपा लगा दिये है उसे भी नुकसान होगा जिससे किसान चिंतित नजर आ रहे है। वहीं किसानों की नजर अब आसमान पर टिकीं है कि कब तेज बारिश होगी, ताकि कृषि कार्य सुचारू रूप से जारी रख सके। वहीं किसान सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही को उम्मीद भरी नजरों से देखते हैं, लेकिन शाम होते-हल्के बादल बिना बरसे ही गायब हो जाते हैं। बारिश न होने से किसानों को फसलों की लागत बढ़ने का डर सता रहा है क्योंकि किसानों को अब महंगे डीजल और ट्यूबवेल के भरोसे सिंचाई करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं केवल खेती ही नहीं, बल्कि आमजनों का जनजीवन भी इस उमस भरी गर्मी से बुरी तरह परेशान है। तापमान भले ही बहुत ज्यादा न दिख रहा हो, लेकिन हवा में नमी का स्तर बढ़ने से शरीर से पसीना बह रहा है। वहीं मौसम विभाग का अनुमान है कि 11 से 14 जुलाई तक मौसम शुष्क एवं मध्यम बारिश होगी, लेकिन इन तिथियों के दो दिन बीत जाने के बाद भी क्षेत्र में बारिश नही हुई है। साथ ही 15 जुलाई को आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। अब देखना है कि मौसम विभाग के अनुसार 15 जुलाई को बारिश होती है या नही। अगर बारिश नही हुई तो किसान फिर काफी चिंतित नजर आयेगें फसलों को लेकर। इसलिए किसानों के द्वारा इन्द्रदेव से प्रार्थना कर रहे है कि क्षेत्र में अ'छी बारिश करवाये ताकि किसान धान का रोपाई कार्य शुरू कर सके।

मिरेगांव सेवा सहकारी समिति में किया गया पौधारोपण

पर्यावरण संरक्षण और अच्छी बारिश के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव स्थित सेवा सहकारी समिति परिसर में रविवार को हरियाली महोत्सव के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान समिति के अधिकारी-कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के 15 फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। साथ ही सभी ने इन पौधों को जीवित रखने और उनकी सुरक्षा करने का सामूहिक संकल्प भी लिया है। साथ ही यह आयोजन लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की मंशा से किया गया था। पौधारोपण के बाद समिति के अधिकारी-कर्मचारियों ने क्षेत्रीय नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

समिति के अधिकारियों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार कम हो रही पेड़ों की संख्या के कारण हवा में शुध्द ऑक्सीजन की कमी हो रही है। पौधों की इसी कमी के चलते क्षेत्र में समय पर और पर्याप्त बारिश भी नहीं हो पा रही है। यदि हरियाली बनी रहेगी, तो अच्छी बारिश भी होगी। इसी मंशा से सोसायटी परिसर में यह पहल की गई है। साथ ही यह भी बताया कि क्षेत्रीयजनों से अपील है कि अधिक से अधिक पौधे लगाये और उनकी सुरक्षा भी करें ताकि क्षेत्र में हरियाली बनी रहे। साथ ही शुध्द ऑक्सीजन भी लोगों को मिलेगा जिससे पर्यावरण संरक्षण भी होगा। इस अवसर पर समिति के अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

क्षतिग्रस्त भवन में भविष्य गढ़ने को मजबूर नौनिहाल, जिम्मेदार बेपरवाह

एक साल से धूल खा रहा मरम्मत का प्रस्ताव,ग्रामीणों में भारी आक्रोश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

एक तरफ जहाँ सरकार सर्व शिक्षा अभियान और पढ़ेगा इंडिया तो बढ़ेगा इंडिया जैसे बड़े.बड़े नारों के साथ शिक्षा के स्तर को सुधारने का दावा करती है वहीं जमीनी हकीकत इन दावों को ठेंगा दिखा रही है। ऐसा ही मामला वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डोंगरगांव के आश्रित ग्राम महाराजपुर का है। जहाँ स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का भवन पिछले एक साल से भी अधिक समय से अत्यंत जर्जर स्थिति में है। स्कूल की मरम्मत को लेकर प्रशासन की अनदेखी से अब ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे रहा है और उनमें गहरा आक्रोश व्याप्त है।

एक ही कमरे में कक्षा १ से ५वीं तक के बच्चे कैसे होगी पढ़ाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराजपुर का यह शासकीय प्राथमिक शाला भवन वर्ष १९५२ का बना हुआ है। कभी कवेलू की छत वाले इस भवन कें बाद में सीमेंट की चादरें लगाई गई थीं। लेकिन बंदरों की उछाल कूद और आंधी.तूफान के कारण ये शीटें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। वर्तमान में मानसून की शुरुआत होते ही स्थिति और भयानक हो गई है। छत टूटी होने के कारण बारिश का पानी सीधे क्लासरूम के भीतर गिर रहा है। दीवारों में सीलन आ चुकी है जिससे प्लास्टर भरभरा कर गिर रहा है। हादसे की आशंका को देखते हुए स्कूल प्रबंधन ने इस मुख्य भवन में बच्चों को बैठाना बंद कर दिया है। मुख्य भवन जर्जर होने के कारण वर्तमान में स्कूल के पास उपलब्ध दो अतिरिक्त कक्षों के भरोसे व्यवस्था चलाई जा रही है। विडंबना देखिए कि इन दो कमरों में से एक कमरे में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है जबकि मात्र एक बचे हुए कमरे में कक्षा १ से लेकर ५वीं तक के सभी विद्यार्थियों को एक साथ बैठाकर पढ़ाया जा रहा है।

स्कुल की भूमि पर अवैध उत्खन्न करने वालो पर हो कार्यवाही

एक ही कमरे में पाँच अलग.अलग कक्षाओं के बच्चों के बैठने के कारण भारी अव्यवस्था हो रही है। शिक्षकों को अध्यापन कार्य कराने में और बच्चों को अध्ययन करने में भारी मानसिक व शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात इतने बदतर हैं कि अब बच्चे स्कूल आने में भी संकोच करने लगे हैं। स्कूल की माली हालत खराब होने के पीछे एक और बड़ा कारण सामने आया है। विद्यालय के पास कभी हरित क्रांति की भूमि हुआ करती थी जिससे स्कूल को सालाना २६००० रूपये की आय प्राप्त होती थी। इस राशि से स्कूल के छोटे.मोटे रखरखाव के कार्य आसानी से हो जाते थे। परंतु वर्ष २०१९ से यह राशि भी मिलना बंद हो गई है। आरोप है कि कुछ लोगो के द्वारा उक्त भूमि पर उत्खनन कर गहरे गड्ढे कर दिए गए हैं जिसके कारण अब वहाँ फसल पैदा नहीं हो पा रही है। भूमि बंजर होने से स्कूल की आय का यह एकमात्र जरिया

भी हमेशा के लिए खत्म हो गया।

कागजों में सिमटा प्रस्ताव अधिकारियों ने फेरा मुँह

ऐसा नहीं है कि इस समस्या से जिम्मेदार वाकिफ नहीं हैं। स्कूल प्रबंधन द्वारा ग्राम पंचायत, बीआरसी कार्यालय एवं स्कूल शाला विकास समिति के पदाधिकारियों को लिखित में आवेदन देकर ध्यान आकर्षित कराया गया था। इसके बाद पंचायत और बीआरसी कार्यालय के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण भी किया और बकायदा मरम्मत कार्य का प्रस्ताव भी तैयार किया गया। लेकिन एक साल से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी यह प्रस्ताव फाइलों से बाहर नहीं निकल सका है। स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है। नौनिहालों के भविष्य और जान माल के खतरे को देखते हुए महाराजपुर के ग्रामीणों में शासन प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से मांग की है कि स्कूली बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस जर्जर शाला भवन का त्वरित रूप से जीर्णोद्धार या मरम्मत कार्य कराया जाए।

स्कुल की भूमि पर सरपंच ने ही अवैध उत्खन्न करवाया जिससे परेशानी हो रही है-इन्द्रकुमार वडीचार

ग्रामीण इन्द्रकुमार वड़ीचार ने बताया कि हमारे यहां प्राथमिक शाला है जहां १ से ५ तक कक्षा है। यहां बैठने की व्यवस्था है पर छत टूट गई है तो एक हाल में सभी बैठ रहे हैं। शिक्षा विभाग एवं पंचायत भी इस पर ध्यान नहीं दे रही है अधिकारी आकर चले जाते हैं। परंतु बच्चे और शिक्षक दोनों को यहां समस्या हो रही है। पहले हरित क्रांति का ठेका होता था २६००० रूपये स्कूल को मिलते थे जिसमें वह अपना कार्य करते थे। परंतु २०१९ से बंद हो गया है क्योंकि खेत का गहरीकरण सरपंच के द्वारा ही कर दिए जिससे वहां फसल नहीं हो रही है और पूर्व की स्कूल में जो राशि जमा थी वह भी समझ नहीं आ रही है अभी शून्य हैं।

पंचायत की लापरवाही से परेशान है बच्चे और ग्रामीणजन-भूपसिंह एडे

ग्रामीण भूपसिंह एडे ने बताया कि स्कूल बहुत ज्यादा क्षतिग्रस्त हो गया है इसकी मरम्मत कर इसे बनाया अभी तक नहीं गया है। जहां पढ़ाई करने आ रहे बच्चों को परेशानी हो रही है उनके भविष्य पर असर पड़ रहा है। एक कमरे के अंदर पांच कक्षाओं की पढ़ाई होना बहुत कठिन हो गई है ,स्कूल के द्वारा सभी को पत्र लिखकर ध्यान दिलाया गया है परंतु अभी तक कुछ हुआ नहीं है। इसमें शिक्षा विभाग और पंचायत की लापरवाही देखने में आ रही है। हम तो यही चाहते हैं कि यह जो भवन की समस्या है उसे दुरुस्त कर व्यवस्था बनानी चाहिए ताकि पढ़ाई सुचारू हो सके।

खराब छत को लेकर सरपंच को शिकायत किये थे कुछ नही हुआ-माहेश्वरी बिसेन

प्राथमिक शिक्षक माहेश्वरी बिसेन में बताया कि स्कूल की छत पर सीमेंट शीट लगी है बंदर या अन्य कारण से यह टूट गई है। अंदर पूरा पानी आ रहा है दीवार का प्लास्टर भी झड़ रहा है एक कमरे में पांच कक्षाएं लगा रहे हैं पढ़ाई प्रभावित हो रही है। क्योंकि सभी शिक्षकों को एक साथ बैठकर पढ़ाना पड़ रहा है और हर किसी की पढ़ाई अलग है। इसकी शिकायत हमने सरपंच ,बीआरसी कार्यालय और इंजीनियर को किये है सभी ने प्रस्ताव बनाया है पर आज तक कुछ नहीं हुआ। शासन ऐसे कार्यों के लिए हमें राशि नहीं देता है वह पुताई एवं स्टेशनरी के लिए फंड देता है वह भी कम पड़ जाता है। एक अतिरिक्त कक्ष है तो उसमें आंगनवाड़ी चल रही है बहुत ज्यादा दिक्कत अभी बनी हुई है।

सोनझरा में पंचायत प्रशासन के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

4 साल से बुनियादी सुविधाओं को तरस रहे वार्ड नं.1 और 2 के लोग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सोनझरा

के वार्ड क्रमांक १ और २ में स्थानीय प्रशासन के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश चरम पर पहुंच गया है। पिछले चार वर्षों से मूलभूत सुविधाओं की घोर उपेक्षा से नाराज ग्रामीणों और स्थानीय पंचों ने अब पंचायत प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आरोप है कि बार बार गुहार लगाने के बावजूद भी जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि कुंभकर्णी नींद सोए हुए हैं।

चार साल से कागजों पर विकास, जमीन पर बदहाली

पिछले चार साल से गांव के मुख्य रास्तों पर जलभराव और गंदगी का अंबार लगा हुआ है लेकिन नाली निर्माण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसके अलावा स्ट्रीट लाइटें बंद होने से शाम ढलते ही पूरा वार्ड अंधेरे में डूब जाता है, जिससे राहगीरों और महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सबसे विकट स्थिति पेयजल को लेकर बनी हुई है। भीषण गर्मी हो या आम दिन साफ पानी के लिए लोगों को भटकना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना और वृद्धावस्था पेंशन जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं भी प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ चुकी हैं। कई पात्र हितग्राही आज भी पक्के मकान और अपनी लंबित पेंशन के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने मांग की है को जल्द नाली निर्माण, पेयजल व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट,पीएम आवास व पेंशन के पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो।

सरपंच की लापरवाही का दंश झेल रहे ग्रामवासी- हितेश डोंगरे

वार्ड क्रमांक १ के पंच हितेश डोंगरे ने बताया कि बरसात में जलभराव और नाली निर्माण को लेकर कई बार सरपंच रविन्द्र हनवत को अवगत कराया गया लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। उनका आरोप है कि १८१ पर शिकायत दर्ज कराने के बाद शिकायत वापस लेने का दबाव भी बनाया गया फिर भी आज तक नाली निर्माण शुरू नहीं हुआ। नाली नहीं होने से बारिश का पानी घर के आसपास भर जाता है। कच्चा मकान टपकने के कारण परिवार प्लास्टिक की पन्नियां लगाकर रहने को मजबूर है। उनका कहना है कि बार.बार आवेदन और मांग करने के बावजूद आज तक प्रधानमंत्री आवास योजना में उनके परिवार का नाम नहीं आया जिससे पक्के घर का सपना अधूरा है।

काम शुरू होने का आश्वासन देकर मामला टाल दिया जाता है-अनीता डोंगरे

वार्ड क्रमांक २ की पंच अनीता डोंगरे ने आरोप लगाते हुए बताया की नाली और पेयजल की समस्या को लेकर कई बार सरपंच और सचिव से शिकायत की गई। लेकिन हर बार जल्द काम शुरू होने का आश्वासन देकर मामला टाल दिया गया। वहीं ग्रामीण कला तुमन्ने ने बताया कि उन्हें पिछले चार महीनों से वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिली है और पंचायत कार्यालय के चक्कर लगाने के बाद भी केवल इंतजार करने की बात कही जा रही है।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि ग्राम में सूची के आधार पर आवास स्वीकृत हुए है। पानी बोर से वितरण होता है वह सुख गया तो रामपायली की योजना से तत्कालीन व्यवस्था की गयी है। मिट्टी गीली है सुखते ही गन्दगी की सफाई की जायेगी।

रविन्द्र हनवत
सरपंच ग्राम सोनझरा

अतिथि शिक्षकों ने वादे निभाने की मांग को लेकर विधायक विवेक पटेल को सौंपा ज्ञापन

पूर्व मुख्यमंत्री की घोषणाओं को लागू करने की उठाई मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। अतिथि शिक्षक संघ के द्वारा अपनी लंबित मांगों और विभागीय विसंगतियों को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। संघ के पदाधिकारियों ने वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के विधायक विवेक पटेल से मुलाकात कर उन्हें एक विस्तृत ज्ञापन और महत्वपूर्ण दस्तावेजों की फाइल सौंपी। इस दौरान अतिथि शिक्षकों ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा २ सितंबर २०२३ को आयोजित अतिथि शिक्षक महापंचायत में की गई ऐतिहासिक घोषणाओं को धरातल पर उतारने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई। सौंपे गए दस्तावेजों की फाइल के माध्यम से विधायक विवेक पटेल से अनुरोध किया गया है कि वे इस गंभीर विषय को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के समक्ष प्रमुखता से रखें । ताकि ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जा सके और मांगों को पूरा कराया जा सके। इस अवसर पर संजय राणा, मुनेंद्र बोरकर,रविन्द्र उरकुडे,श्रीमती दीपकला राहगंडाले,श्रीमती भुमिका लिल्हारे, स्वाती पटले, सचिन घोले,चुन्नीलाल बिसेन,कृष्णा अमूले,वासुदेव पंचेश्वर,श्यामलाल मानेश्वर,वर्षा घोडेश्वर,पवन जाम्बूरकर,श्याम लिल्हारे,शुभम रामपुरी,जितेन्द्र, रंजित वासनिक, उमाशंकर सोलंकी , जितेन्द्र वारके एवं समस्त अतिथि शिक्षक साथीगण मौजूद रहे।

ज्ञापन में उठाई गई मुख्य विसंगतियां एवं मांगें

ज्ञापन के माध्यम से अतिथि शिक्षक संघ के द्वारा मांग की गई है कि स्कोर कार्ड अंकों में कटौती व विभागीय विरोधाभास हैं। संघ ने आरोप लगाया कि स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के द्वारा विधानसभा सत्र के दौरान इस विषय पर भ्रामक जानकारी दी गई। अतिथि शिक्षकों के स्कोर कार्ड के अंक २५ से घटाकर २० कर दिए गए हैं जबकि प्रश्नकाल के दौरान उत्तर दिया गया कि २० अंक बोनस के रूप में दिए गए हैं। महापंचायत में २० अंक बोनस देने का वादा सीधी भर्ती के संदर्भ में था जिससे अब विभाग पीछे हट रहा है। पूर्ववर्ती २०१८ की सरकार के समय तत्कालीन शिक्षा मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी के द्वारा अतिथि शिक्षकों को २५ अंक स्कोर कार्ड में दिए गए थे। परंतु वर्तमान सरकार ने इसे घटाकर २० अंक कर दिया है जिससे अतिथि शिक्षकों में भारी असंतोष है। महापंचायत में वादा किया गया था कि विभागीय परीक्षा लेकर गुरुजी की तर्ज पर एक सुदृढ़ नीति बनाकर अतिथि शिक्षकों का नियमितीकरण किया जाएगा जो घोषणा आज तक अधूरी है। घोषणाओं में शामिल १२ महीने के सेवा काल अनुबंध को भी अब तक पूर्ण रूप से लागू नहीं किया गया है जिससे शिक्षकों का भविष्य असुरक्षित बना हुआ है। अतिथि शिक्षक संघ ने विधायक पटेल से मांग

की है कि वर्तमान में चल रही प्राथमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती चयन परीक्षा की नियम पुस्तिका में तत्काल आवश्यक संशोधन कर आधिकारिक आदेश जारी किए जाएं। ताकि सालों से सेवाएं दे रहे अनुभवी शिक्षकों को उनका अधिकार मिल सके।

नेता प्रतिपक्ष के माध्यम से ध्यानाकर्षण की तैयारी

विधायक विवेक पटेल को सौंपे गए दस्तावेजों में २ सितंबर २०२३ की महापंचायत के सरकारी आदेशों और घोषणाओं की पूरी फ इल संकलित की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के माध्यम से ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लगवाकर इन मांगों को सदन में गूंजने और सरकार को इन्हें पूरा करने के लिए बाध्य करने का प्रयास करना है।

सरकार अतिथि शिक्षकों के साथ वादा खिलाफी कर रही है-संजय राणा

संजय राणा ने बताया कि विधायक विवेक पटेल से मिलकर हमने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की महापंचायत की घोषणा को लेकर चर्चा की गई है। क्योंकि स्वयं के वादे पर सरकार ने खुलकर वादा खिलाफी की है इसके संबंध में हमने ज्ञापन भी दिया है। उन्होंने हमें अस्वस्थ किया है कि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के द्वारा इस विषय पर ध्यान आकर्षण लगाकर विधानसभा में रखा जाएगा। इसमें हमारी प्रमुख मांग है की सीधी भर्ती में बोनस अंक दिया जाए, गुरुजी के तहत विभागीय परीक्षा लेकर हमें नियमित किया जाए ताकि हमारा भविष्य सुरक्षित हो सके।

सरकार स्वंय अपने किये गये वादे से मुकर रही है-मुनेंद्र बोरकर

मुनेंद्र बोरकर ने बताया कि हम ज्ञापन देने के लिए विधायक कार्यालय आए थे २ सितंबर २०२३ को भाजपा सरकार ने घोषणा की थी उन्हें पूरा करवाने के लिए हम यहां आए थे। आगामी मानसून सत्र होने वाला है उसमें नेता प्रतिपक्ष के द्वारा यह बात मजबूती से रखी जाए। इस विषय पर हमने शिक्षा मंत्री से भी मुलाकात किए थे परंतु उन्होंने गोलमोल जवाब दिया संगठन को संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उनका सीधा कहना था कि शिवराज सिंह चौहान की वह घोषणा थी हमारी नहीं इसलिए हम कुछ नहीं करेंगे। उस घोषणा में से केवल मानदेय एवं आरक्षण को पूरा किया है गया है बाकी विभागीय परीक्षा और अन्य घोषणा छोड़ दी गई है।

अतिथि शिक्षको की मांगे नेता प्रतिपक्ष के माध्यम से उठाकर पूरा करने का प्रयास करेंगे-विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने बताया कि यह हमारे अतिथि शिक्षक है जो वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। मेहनत से बच्चो को शिक्षा अध्ययन करवाते हैं इनकी कुछ जायज मांगे है जिसे लेकर यहां आए हुए हैं। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अतिथि शिक्षको से कुछ वादे किये थे जो वह आज तक पूरे नहीं हुए हैं उनकी मांगों को हमारा पूरा समर्थन है। हम यह विषय अपने नेता प्रतिपक्ष के माध्यम से उठाकर पूरा करने का प्रयास करेंगे।

सांदीपनि विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने विश्व पेपर बैग दिवस पर चलाया जागरूकता अभियान, बांटे पेपर बैग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सांदीपनि टिहलीबाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी के नंबर २७८ के एनसीसी कैडेट्स के द्वारा रविवार १२ जुलाई को विश्व पेपर बैग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। यह कार्यक्रम ६ एम पी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन संस्था के प्राचार्य हुमराज पटले के निर्देश विद्यालय की एनसीसी अधिकारी श्रीमती अन्नू राहंगडाले के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर कैडेट्स ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए आमजन और व्यापारियों को प्लास्टिक का उपयोग नही करने के लिए जागरूक किया। अधिकारियों ने कैडेट्स के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए एक अनुकरणीय पहल बताया। सिंगल यूज़ प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के प्रति समाज को सचेत करने के लिए एनसीसी कैडेट्स ने एक अनूठी मुहिम चलाई। कैडेट्स ने शहर के विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में मेडिकल स्टोर्स, किराना दुकानों और जनरल स्टोर्स में जा जाकर दुकानदारों और ग्राहकों को स्वयं निर्मित व एकत्रित किए गए पेपर बैग भेंट किए। अभियान के दौरान कैडेट्स ने नागरिकों से अपील की कि वे दैनिक जीवन में प्लास्टिक बैग का पूरी तरह से बहिष्कार करें और पर्यावरण के अनुकूल पेपर बैग या कपडे के थैलों का उपयोग शुरू करें। इस प्रयास को नगरवासियों और व्यापारियों का भरपूर समर्थन मिला तथा कई दुकानदारों ने भविष्य में प्लास्टिक का उपयोग बेहद सीमित करने या नही करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स मौजूद है।

सामाजिक कार्य, धर्म परिवर्तन और एनजीओ

इन दिनों विभिन्न वजहों से स्वयंसेवी संस्थाएं (एनजीओ) खबरों में हैं। लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री और आरएसएस प्रचारक नरेन्द्र मोदी ने दावा किया था कि आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ है। यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि यह एनजीओ अपंजीकृत है जो सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियां करता है। इस मुद्दे पर कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियंक खड़गे ने कहा कि आरएसएस को अपना पंजीकरण करवाना चाहिए। आरएसएस ने इससे इंकार करते हुए दावा किया कि वह केवल व्यक्तियों का एक समूह है। यह दावा मान भी लिया जाए तो उसे मिलने वाले भारी-भरकम चंदे के बारे में उसकी क्या सफाई है? एक अलग घटनाक्रम संसद में हुआ। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने नए एफसीआरए अर्थात विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम को लागू करने की घोषणा की है जिसमें विदेशों से धन प्राप्त करने वाले एनजीओ की गतिविधियों पर रोक लगाए जाने का प्रावधान है। सत्ताधारी दल का मानना यह है कि ईसाई एनजीओ द्वारा धर्मपरिवर्तन करवाया जा रहा है। उनका मानना यह है कि इन एनजीओ द्वारा शिक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधाएं उपलब्ध करवाना धर्मपरिवर्तन के लिए लोगों को लालच देना है। उनकी नजर में ईसाई एनजीओ द्वारा जबरिया धर्मपरिवर्तन भी करवाया जाता है। यह दावा किस हद तक सच है? वैसे हमारे संविधान का अनुच्छेद 25 नागरिकों को अपने धर्म को अबाध रूप से मानने, पालन करने व उसका प्रचार करने का मूलभूत अधिकार देता है। सत्ताधारी यह दावा करते हैं कि यह अनुच्छेद हमें अपने धर्म को मानने, उसका पालन करने और प्रचार करने का अधिकार तो देता है, लेकिन वह किसी व्यक्ति का धर्मपरिवर्तन करवाने का अधिकार नहीं देता। हिंदू राष्ट्रवादियों की समझ यह है कि मिशनरियां लालच और जबरदस्ती का सहारा लेती हैं। वे यह मानते हैं कि जो लोग धर्मपरिवर्तन करते हैं उसमें उनकी कोई भूमिका होती ही नहीं है। ऐसा कोई अध्ययन नहीं किया गया है जिससे हमें पता लग सके कि ईसाई मिशनरी स्कूलों में प? कितने लोग ईसाई बन गए। यह जानकारी देने वाले आंकड़ें भी उपलब्ध नहीं हैं कि कितने दलित और आदिवासी लालच का बलप्रयोग की वजह से धर्मपरिवर्तन कर ईसाई बने। भारत में ईसाई धर्म बहुत लंबे समय से मौजूद है। भारत में इसका आगमन सन् 52 में सेंट थामस के साथ हुआ। उन्होंने गिरजाघरों का निर्माण करवाया और कई स्थानीय लोगों ने इस धर्म को अपनाया। यदि हम आंकड़ों को देखें तो हमें पता लगता है कि भारत में ईसाई धर्म का विस्तार काफी धीमी रफ्तार से हुआ है। पिछली जनगणना (2011) के आंकड़ों के अनुसार कुल जनसंख्या में ईसाईयों का प्रतिशत केवल 2.30 था। जिस दौर में जबरदस्ती धर्मपरिवर्तन करवाए जाने के आरोप बार-बार लगाए गए, उस दौर के जनगणना के आंकड़े कुछ और कहानी कहते हैं। जनसंख्या में ईसाईयों का प्रतिशत 1971 में 2.60 था जो लगातार घटता गया और 1981 में 2.44 प्रतिशत, 1991 में 2.34 प्रतिशत, 2001 में 2.30 प्रतिशत और 2011 में भी 2.30 प्रतिशत ही रहा। इन आंक?ों के बावजूद बलपूर्वक या लालच देकर धर्मपरिवर्तन करवाने का प्रोपेगेंडा जमकर चलता रहा। इसके कारण भयावह हिंसा हुई। सबसे खौफनाक हिंसा क्योंझर, मनोहरपुर, ओडिशा में 1999 में हुई जब पास्टर ग्राहम स्टेन्स को उनके दो मासूम लड़कों के साथ जिंदा जला दिया गया। लोगों को भड़काने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका बजरंग दल के दारा सिंह उर्फ राजेन्द्र सिंह पाल की थी, जो आजीवन कारावास की सजा भुगत रहा है।

ऊर्जा संकट की नई चुनौती- भारत को तात्कालिक समाधान नहीं, दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों पर भी निरंतर कार्य करना होगा

वैश्विक स्तर पर इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक विश्व अर्थव्यवस्था के लिए जितना अवसरों का युग सिद्ध हो रहा है,उतना ही अनिश्चितताओं औरबहुआयामी चुनौतियों का भी। कोविड-19 महामारी के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था ने पुनरुद्धार की दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ाए,लेकिन रूस-यूक्रेन संघर्ष, ईरान अमेरिका युद्ध पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, समुद्री व्यापार मार्गों पर सुरक्षा संबंधी जोखिम,ऊर्जा बाज़ार में अस्थिरता तथा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों की सख्त मौद्रिक नीतियों ने विश्व आर्थिक व्यवस्था को फिर से कठिन मोड़ पर ला खड़ा किया है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज महंगाई केवल किसी एक देश की घरेलू समस्या नहीं रह गई है,बल्कि यह एक वैश्विक आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौती बन चुकी है, जिसका प्रभाव विकसित और विकासशील दोनों प्रकार की अर्थव्यवस्थाओं पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ईरान अमेरिका समझौता टूटने से आज 9 जुलाई 2026 को दोनों ने एक दूसरे के ऊपर भयंकर हमले किए हैं,स्पष्ट है कि अमेरिका-ईरान तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है,बल्कि उसका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई, वित्तीय बाजारों और भारत जैसे उभरते देशों की विकास यात्रा पर पड़ता है। इसलिए भारत के लिए समय की मांग केवल तात्कालिक संकट प्रबंधन नहीं, बल्कि ऐसी दीर्घकालिक आर्थिक और कूटनीतिक रणनीति तैयार करना है जो बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भी देश की विकास गति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को बनाए रख सके। भारत इस वैश्विक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण इन घटनाक्रमों से अछूता नहीं रह सकता।भारत विश्व के सबसे बड़े कच्चा तेल आयात करने वाले देशों में शामिल है। देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में थोड़ी-सी वृद्धि भी भारत के आयात बिल, व्यापार घाटे और राजकोषीय संतुलन को प्रभावित कर सकती है।यदि तेल महंगा होता है तो परिवहन लागत बढ़ती है, उद्योगों का उत्पादन महंगा होता है, कृषि क्षेत्र में डीजल और उर्वरकों का खर्च बढ़ता है तथा अंतत: खाद्य वस्तुओं और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम बढ़ने लगते हैं। यही वह श्रृंखला है, जो महंगाई को केवल आर्थिक शब्द नहीं रहने देती, बल्कि प्रत्येक परिवार के मासिक बजट और जीवन स्तर से सीधे जोड़ देती है।

साथियों, कृषि क्षेत्र भी इन वैश्विक परिस्थितियों से पूरी तरह अछूता नहीं है। भारत कृषि प्रधान देश है, लेकिन खेती में डीजल, उर्वरक, सिंचाई, परिवहन और भंडारण की लागत लगातार बढ़ने पर किसानों की उत्पादन लागत बढ़ जाती है। यदि मौसम की अनिश्चितता भी साथ जुड़ जाए, तो खाद्यान्न उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हो सकते हैं। इससे खाद्य महंगाई बढ़ने की संभावना रहती है, जिसका सीधा प्रभाव आम नागरिकों की रसोई पर पड़ता है। यही कारण है कि खाद्य सुरक्षा,कृषि सुधार आधुनिक भंडारण व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाना आज केवल कृषि नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक नीति का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

साथियों, महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव निश्चित आय वाले वर्ग पर पड़ता है। मध्यम वर्ग, वेतनभोगी कर्मचारी, पेंशनभोगी, छोटे व्यापारी और निम्न आय वर्ग के परिवार तब सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, जब उनकी आय की तुलना में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं।भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, बिजली, गैस और आवास जैसी बुनियादी आवश्यकताओं पर होने वाला खर्च परिवारों के मासिक बजट को असंतुलित कर देता है। यदि ब्याज दरें भी ऊँची बनी रहती हैं तो गृह ऋण, वाहन ऋण और व्यापारिक ऋण की मासिक किस्तें बढ़ सकती हैं। इस प्रकार महंगाई केवल आर्थि सूचकांक नहीं रहती,बल्कि प्रत्येकपरिवार के जीवन स्तर और भविष्य की योजनाओं को प्रभावित करने वाला वास्तविक सामाजिक प्रश्न बन जाती है।

साथियों, आज विश्व व्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ आर्थिक शक्ति, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी श्रेष्ठता और भू-राजनीतिक प्रभाव एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। अमेरिका अपनी मौद्रिक नीति, तकनीकी नवाचार और डॉलर की वैश्विक भूमिका के माध्यम से आर्थिक नेतृत्व बनाए रखने का प्रयास कर रहा है।चीन विनिर्माण, निर्यात, दुर्लभ खनिजों, हरित प्रौद्योगिकी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर कार्य कर रहा है।यूरोपीय संघ ऊर्जा विविधीकरण हरित अर्थव्यवस्था और डिजिटल परिवर्तन पर बल दे रहा है,जबकि जापान तकनीकी नवाचार, उच्च उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता के माध्यम से अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। इन परिस्थितियों में भारत केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है।

साथियों, भारत के पास आज विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी,तेजी से बढ़ता डिजिटल बुनियादी ढाँचा, विशाल घरेलू बाजार, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, मजबूत बैंकिंग प्रणाली,व्यापक भुगतान नेटवर्क, तेजी से विकसित हो रहा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और आधारभूत संरचना में निरंतर निवेश जैसी अनेक शक्तियाँ हैं। यही कारण है कि वैश्विक कंपनियाँ आज चीन पर अत्यधिक निर्भरता कम करते हुए भारत को दीर्घकालिक विनिर्माण, अनुसंधान, डिजिटल सेवाओं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखने लगी हैं। यदि भारत इन अवसरों का सही उपयोग करता है तो वर्तमान वैश्विक संकट भी उसके लिए दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन का आधार बन सकता है।हालाँकि अवसरों के साथ चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। यदि वैश्विक महंगाई लंबे समय तक बनी रहती है, पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है, कच्चे तेल की कीमतें ऊँचे स्तर पर बनी रहती हैं या समुद्री व्यापार मार्गों में व्यवधान आता है, तो भारत के आयात बिल, चालू खाते के घाटे, राजकोषीय प्रबंधन और महंगाई नियंत्रण पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन, असामान्य मानसून, खाद्य सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और वैश्विक व्यापार में बढ़ती संरक्षणवादी नीतियाँ भी भविष्य की आर्थिक रणनीति को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए भारत को केवल तात्कालिक समाधान नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों पर भी निरंतर कार्य करना होगा।

साथियों, ऐसी परिस्थितियों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक होनी चाहिए। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन, परमाणु ऊर्जा और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का विस्तार देश को भविष्य के ऊर्जा संकटों से अपेक्षाकृत सुरक्षित बना सकता है। इसके साथ-साथ रेलवे, जलमार्ग, बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स, कोल्ड स्टोरेज, डिजिटल अवसंरचना और स्मार्ट विनिर्माण में निवेश उत्पादन लागत कम करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।यदि भारत अनुसंधान एवं विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा विनिर्माण और उच्च तकनीक उद्योगों में अपनी क्षमता को और मजबूत करता है,तो वह केवलउपभोक्ता बाजार नहीं बल्कि वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में भी स्थापित हो सकता है।

साथियों, वर्तमान वैश्विक परिस्थितियाँ यह भी स्पष्ट कर रही हैं कि आधुनिक अर्थव्यवस्था केवल घरेलू नीतियों से संचालित नहीं होती। किसी भी देश में होने वाला युद्ध, प्रतिबंध, समुद्री मार्गों में व्यवधान, ऊर्जा संकट या मुद्रा बाजार में अस्थिरता कुछ ही दिनों में पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। वैश्वीकरण के इस युग में देशों की आर्थिक नियति पहले की तुलना में कहीं अधिक परस्पर जुड़ चुकी है। इसलिए भारत जैसे तेजी से उभरते राष्ट्र के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वह केवल घरेलू मांग और उत्पादन पर ही ध्यान न दे, बल्कि वैश्विक घटनाक्रमों का सूक्ष्म विश्लेषण करते हुए अपनी आर्थिक, व्यापारिक और ऊर्जा रणनीतियों को समयानुकूल बनाता रहे।ऊर्जा संकट का महत्वपूर्ण प्रभाव भारतीय रुपये पर पड़ सकता है। जब आयात बिल बढ़ता है तो विदेशी मुद्रा की मांग भी बढ़ती है। यदि निर्यात उसी अनुपात में नहीं बढ़ते, तो रुपये पर दबाव आ सकता है। कमजोर रुपया एक ओर निर्यातकों के लिए कुछ अवसर पैदा करता है, लेकिन दूसरी ओर पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और अन्य आयातित वस्तुओं को महंगा बना देता है। इससे महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है। इसलिए भारतीय रिज़र्व बैंक को विदेशी मुद्रा भंडार, विनिमय दर और मौद्रिक नीति के बीच अत्यंत संतुलित दृष्टिकोण सटिका से अपनाना पड़ता है।

साथियों, विश्व राजनीति के इतिहास में कुछ घटनाएँ ऐसी होती हैं जिनका प्रभाव केवल संबंधित देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा बदल देती हैं। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौता (जेसीपीओए) भी ऐसी ही एक ऐतिहासिक व्यवस्था थी। इस समझौते का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना और बदले में उस पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों में राहत देना था। किंतु समझौते के प्रभावी ढंग से लागू न रह पाने, उसके बाद बढ़ते प्रतिबंधों, अविश्वास, सैन्य तनाव और समय-समय पर दोनों देशों के बीच टकराव ने पश्चिम एशिया को फिर से वैश्विक अस्थिरता के केंद्र में ला खड़ा किया। परिणामस्वरूप ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ी, तेल आपूर्ति को लेकर आशंकाएँ गहराईं और पूरी दुनिया के नीति-निर्माताओं के सामने आर्थिक जोखिम बढ़ने लगे।

साथियों, विश्व अर्थव्यवस्था में बढ़ती अनिश्चितताओं का सबसे त्वरित प्रभाव वित्तीय बाजारों पर दिखाई देता है। निवेशकों का विश्वास, पूंजी का प्रवाह, विदेशी संस्थागत निवेश, मुद्रा विनिमय दर और ब्याज दरों की दिशा ये सभी एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव बढ़ता है, कच्चे तेल की कीमतों में तेज़ उतार-चढ़ाव आता है या महंगाई नियंत्रण से बाहर जाने की आशंका पैदा होती है, तब सबसे पहले शेयर बाजार इसकी प्रतिक्रिया देता है। भारत का शेयर बाजार भी आज वैश्विक पूंजी प्रवाह का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसलिए न्यूयॉर्क, लंदन, टोक्यो, दुबई या सिंगापुर में होने वाली आर्थिक हलचल का प्रभाव कुछ ही घंटों में मुंबई के दलाल स्ट्रीट पर दिखाई देने लगता है। यही वैश्वीकरण की वास्तविकता है, जहाँ पूंजी सीमाओं से अधिक गति से चलती है और निवेशक जोखिम के अनुसार अपनी रणनीति सटीकता से बदलते रहते हैं।

साथियों, यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊँची बनी रहती हैं और महंगाई का दबाव बढ़ता है, तो भारतीय शेयर बाजार में क्षेत्रवार अलग-अलग प्रभाव देखने को मिल सकता है। तेल एवं गैस, ऊर्जा, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा तथा कुछ निर्यात आधारित कंपनियों को अपेक्षाकृत लाभ मिल सकता है,जबकि विमानन, परिवहन,रसायन, प्लास्टिक, ऑटोमोबाइल, सीमेंट तथा ऊर्जा-निर्भर उद्योगों की लागत बढ़ने से उनके लाभांश पर दबाव आ सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर भी वैश्विक आर्थिक मंदी का प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि भारतीय आईटी उद्योग का बड़ा हिस्सा अमेरिका और यूरोप से आने वाली परियोजनाओं पर आधारित है। यदि विकसित देशों में निवेश और कॉरपोरेट खर्च धीमा पड़ता है, तो भारतीय आईटी कंपनियों की वृद्धि की गति भी प्रभावित हो सकती है।

-किशन सनमुखदास भावनानीं

कैमरे में दर्ज एक दौर की जीवंत गाथा

-कुमार कृष्णन

इतिहास केवल सरकारी अभिलेखों, पुस्तकों और संस्मरणों में ही सुरक्षित नहीं रहता; वह कैमरे की आँख में भी दर्ज होता है। कई बार एक सशक्त छायाचित्र वह सच कह देता है, जिसे हजारों शब्द भी पूरी तरह व्यक्त नहीं कर पाते। यही कारण है कि फोटो पत्रकारिता को इतिहास की सबसे विश्वसनीय दृश्य-साक्ष्य परंपरा माना जाता है। विशेषकर उस दौर में, जब न डिजिटल कैमरे थे, न मोबाइल फोन और न ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित त्वरित छवि-निर्माण की सुविधा। उस समय कैमरे का हर क्लिक सोच-समझकर किया जाता था। हर फ्रेम के पीछे धैर्य, तकनीकी दक्षता, सामाजिक संवेदनशीलता और जोखिम उठाने का साहस छिपा होता था। इसलिए उस युग के छायाचित्र केवल समाचार नहीं, बल्कि समय के जीवंत दस्तावेज़ हैं।

इसी दृष्टि से रोहित कांत द्वारा संपादित दो महत्त्वपूर्ण कृतियाँ—द फोटो जर्नलिस्ट- अ मेमॉयर ऑफ लेट राजीव कांत तथा बिहार के छायाकार - स्व. राजीव कांत की छाया स्मृति—सिर्फ स्मरण-ग्रंथ नहीं हैं, बल्कि बिहार की दृश्य-संस्कृति और पत्रकारिता के इतिहास को संरक्षित करने का गंभीर और दीर्घकालिक प्रयास हैं। ये दोनों पुस्तकें मिलकर एक ऐसे फोटो पत्रकार के जीवन और कृतित्व को सामने लाती हैं, जिसने अपने कैमरे से बिहार के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास के अनेक निर्णायक क्षणों को सहेजा।

दोनों पुस्तकों की प्रकृति अलग होते हुए भी वे एक-दूसरे की पूरक हैं। द फोटो जर्नलिस्ट- अ मेमॉयर ऑफ लेट राजीव कांत अंग्रेज़ी में प्रकाशित संस्मरणात्मक पुस्तक है, जिसमें राजीव कांत के जीवन, उनके पेशेवर संघर्ष, कार्यशैली और पत्रकारिता के अनुभवों को क्रमबद्ध ढंग से प्रस्तुत किया गया है। दूसरी ओर बिहार के छायाकार - स्व. राजीव कांत की छाया स्मृति हिंदी पाठकों के लिए तैयार किया गया एक आत्मीय स्मृति-ग्रंथ है, जिसमें संस्मरणों, टिप्पणियों, दुर्लभ छायाचित्रों और समकालीन पत्रकारों तथा साहित्यकारों के विचारों के माध्यम से राजीव कांत के व्यक्तित्व और योगदान का बहुआयामी चित्र उभरता है। इन दोनों पुस्तकों को साथ पढ़ने पर पाठक केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि बिहार की पत्रकारिता के एक पूरे दौर को समझने लगता है।

राजीव कांत उन विरल फोटो पत्रकारों में थे जिन्होंने कैमरे को केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का माध्यम माना। लगभग तीन दशकों तक उन्होंने बिहार की बदलती राजनीति, समाज और संस्कृति को अत्यंत संवेदनशील दृष्टि से दर्ज किया। यह वह समय था जब बिहार अनेक बड़े राजनीतिक परिवर्तनों, जनआंदोलनों और सामाजिक उथल-पुथल का साक्षी बन रहा था। संपूर्ण क्रांति आंदोलन की गूँज, लोकतांत्रिक संघर्षों का विस्तार, सामाजिक न्याय की राजनीति का उदय, किसानों और मजदूरों के आंदोलन, सांस्कृतिक आयोजनों की जीवंतता और आम जनजीवन की विविधता—इन सबको राजीव कांत ने अपने कैमरे में अत्यंत ईमानदारी से सुरक्षित किया।

उनके कैमरे के सामने केवल सत्ता के शिखर पर बैठे लोग नहीं थे। निस्संदेह जयप्रकाश नारायण, कर्पूरी ठाकुर, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, चंद्रशेखर, जॉर्ज फर्नांडिस, रामविलास पासवान तथा अनेक राष्ट्रीय नेताओं के दुर्लभ छायाचित्र इन पुस्तकों को ऐतिहासिक महत्त्व प्रदान करते हैं, किंतु उनकी वास्तविक शक्ति इन प्रसिद्ध चेहरों से कहीं आगे दिखाई देती है। राजीव कांत की दृष्टि का केंद्र आम आदमी था। खेतों में श्रम करता किसान, कारखानों में काम करता मजदूर, लोक कलाकारों की जीवंत प्रस्तुतियाँ, विद्यालयों के छात्र, ग्रामीण जीवन की सहजता, गंगा घाटों का आध्यात्मिक वातावरण, मेलों की रंगीन दुनिया, पर्व-त्योहारों की सांस्कृतिक ऊर्जा और बिहार की लोक परंपराएँ—ये सब उनके कैमरे में समान सम्मान और संवेदना के साथ स्थान पाते हैं। यही दृष्टि उन्हें मात्र समाचार छायाकार नहीं, बल्कि समाज का दृश्य इतिहासकार सिद्ध करती है।

इन पुस्तकों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे छायाचित्रों का यांत्रिक संग्रह भर नहीं हैं। प्रत्येक तस्वीर अपने भीतर एक कहानी, एक सामाजिक संदर्भ और एक ऐतिहासिक संकेत समेटे हुए है। अनेक चित्रों को देखते हुए ऐसा अनुभव होता है मानो पाठक किसी पुराने समाचार को नहीं, बल्कि अपने समय को पुन: जी रहा हो। यही किसी भी उत्कृष्ट फोटो पत्रकारिता की पहचान होती है कि वह घटना के क्षणिक महत्व से आगे बढ़कर इतिहास का स्थायी दस्तावेज़ बन जाए।

पुस्तकों का एक और उल्लेखनीय पक्ष उनका संपादकीय विन्यास है। रोहित कांत ने केवल अपने पिता के कार्य का संकलन नहीं किया, बल्कि उसे व्यवस्थित ऐतिहासिक रूप देने का कठिन दायित्व निभाया है। वर्षों से सुरक्षित हजारों नेगेटिवों का डिजिटलीकरण, उनका वर्गीकरण, उपयुक्त छायाचित्रों का चयन, उनके साथ आवश्यक संदर्भ जोड़ना और उन्हें पुस्तकाकार स्वरूप देना अत्यंत श्रमसाध्य कार्य था। विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के कठिन समय में इस परियोजना को पूरा करना उनके समर्पण और धैर्य का प्रमाण है। इस प्रयास ने निजी संग्रह को सार्वजनिक सांस्कृतिक धरोहर में बदल दिया है। बिहार के छायाकार - स्व. राजीव कांत की छाया स्मृति का एक महत्त्वपूर्ण आयाम यह भी है कि इसमें अनेक पत्रकारों, साहित्यकारों, कलाकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सहयोगियों के संस्मरण शामिल हैं। इन संस्मरणों के माध्यम से राजीव कांत केवल एक कुशल फोटो पत्रकार नहीं, बल्कि संवेदनशील, विनम्र और मानवीय व्यक्तित्व के रूप में सामने आते हैं। वहीं द फोटो जर्नलिस्ट- अ मेमॉयर ऑफ लेट राजीव कांत उनके कार्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पाठक वर्ग तक पहुँचाने का सेतु बनती है। इस प्रकार दोनों पुस्तकें मिलकर दृश्य और शब्द—दोनों माध्यमों से एक संपूर्ण व्यक्तित्व की रचना करती हैं। यद्यपि दोनों कृतियाँ अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं, फिर भी एक समीक्षक की दृष्टि से यह कहा जा सकता है कि यदि प्रत्येक छायाचित्र के साथ थोड़ा और विस्तृत ऐतिहासिक विवरण, तिथि, स्थान तथा घटना की पृष्ठभूमि दी जाती, तो इन पुस्तकों का शोध-मूल्य और भी अधिक बढ़ जाता। कुछ चित्र ऐसे हैं जिनकी ऐतिहासिक महत्ता इतनी गहरी है कि उनके साथ विस्तृत टिप्पणी पाठकों और शोधार्थियों के लिए अतिरिक्त उपयोगी सिद्ध होती। भविष्य के संस्करणों में इस दिशा में विस्तार की पर्याप्त संभावना दिखाई देती है।

आज का समय छवियों की अत्यधिक उपलब्धता का समय है। स्मार्टफोन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने छवि-निर्माण को अत्यंत सरल बना दिया है। प्रतिदिन करोड़ों तस्वीरें बनती और कुछ ही क्षणों में भुला दी जाती हैं। ऐसे समय में राजीव कांत का संपूर्ण कार्य यह याद दिलाता है कि उत्कृष्ट फोटो पत्रकारिता केवल आधुनिक उपकरणों का परिणाम नहीं होती। उसका वास्तविक आधार संवेदनशील दृष्टि, धैर्य, सत्य के प्रति प्रतिबद्धता, सामाजिक सरोकार और सही क्षण को पहचानने की क्षमता है। उन्होंने सनसनी पैदा करने के लिए कैमरा नहीं उठाया; उन्होंने अपने समय का सत्य दर्ज करने के लिए कैमरा उठाया। यही कारण है कि उनके छायाचित्र आज भी जीवंत लगते हैं। इन दोनों पुस्तकों का महत्व केवल पत्रकारिता तक सीमित नहीं है। इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, मीडिया अध्ययन, दृश्य-संस्कृति, लोकजीवन और सांस्कृतिक अध्ययन के विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों के लिए भी ये समान रूप से उपयोगी संदर्भ-ग्रंथ हैं।

चेन्नई में बजेगा बिग बैश का बिगुल भारत ऑस्ट्रेलिया खेल साझेदारी का नया अध्याय

भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों में खेल कूटनीति का एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित टी-20 प्रतियोगिता बिग बैश लीग (बीबीएल) का उद्घाटन मुकाबला इस वर्ष 12 दिसंबर को चेन्नई के एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब किसी विदेशी फ्रेंचाइजी क्रिकेट लीग का आधिकारिक मैच भारत की धरती पर आयोजित किया जाएगा। यह फैसला केवल क्रिकेट आयोजन भर नहीं बल्कि दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास आर्थिक सहयोग और खेल आधारित साझेदारी का प्रतीक माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंतिम दिन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पहुंचे। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ और पूर्व महिला क्रिकेटर लिसा स्थालेकर भी मौजूद रहे। इसी मंच से दोनों नेताओं ने भारत ऑस्ट्रेलिया स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन रोडमैप भी लॉन्च किया जिसके माध्यम से खेल विज्ञान खेल अवसंरचना खेल व्यापार पर्यटन निवेश और बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

बिग बैश लीग पिछले डेढ़ दशक से ऑस्ट्रेलिया की सबसे लोकप्रिय टी-20 प्रतियोगिता रही है। अब तक इसके सभी मुकाबले केवल ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होते रहे हैं। ऐसे में चेन्नई में उद्घाटन मैच का आयोजन इस लीग के इतिहास का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय विस्तार माना जा रहा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का मानना है कि दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में कदम रखने से लीग को नई पहचान और व्यापक दर्शक वर्ग मिलेगा। भारतीय दर्शकों की क्रिकेट के प्रति दीवानगी और विशाल प्रसारण बाजार को देखते हुए यह फैसला व्यावसायिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चेन्नई को इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए चुनना भी अपने आप में विशेष महत्व रखता है। चेपॉक स्टेडियम भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित मैदानों में गिना जाता है। यहां के दर्शक खेल भावना और क्रिकेट की गहरी समझ के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। ऐसे वातावरण में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच उद्घाटन मुकाबला दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक यादगार अवसर बनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रिकेट केवल खेल नहीं बल्कि साझा जुनून है। उन्होंने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड हर भारतीय के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि इस मैदान से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कई ऐतिहासिक मुकाबलों की यादें जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जब भी उनकी और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की मुलाकात होती है तब क्रिकेट दोनों नेताओं के बीच संवाद और मित्रता का माध्यम बन जाता है।

मोदी ने यह भी कहा कि भारत में किसी भी खेल लीग का आयोजन उसे करोड़ों दर्शकों तक पहुंचा देता है। यही कारण है कि दुनिया की कई खेल संस्थाएं भारत के विशाल खेल बाजार की ओर आकर्षित हो रही हैं। बिग बैश लीग का भारत आना इसी बदलते वैश्विक खेल परिदृश्य का प्रमाण है। इससे भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को विश्व स्तरीय विदेशी लीग का अनुभव अपने देश में मिलेगा जबकि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को भी नए व्यावसायिक अवसर प्राप्त होंगे।

दोनों देशों ने खेलों को आर्थिक विकास और सांस्कृतिक सहयोग का महत्वपूर्ण माध्यम भी माना है। भारत जहां वर्ष 2030 में कॉमनवेल्थ खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है वहीं वर्ष 2036 के ओलंपिक आयोजन की मेजबानी के लिए भी प्रयासरत है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया वर्ष 2032 के ब्रिस्बेन ओलंपिक की मेजबानी करेगा। ऐसे में खेल अवसंरचना प्रशिक्षण तकनीक और आयोजन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की भी खुलकर सराहना की। उन्होंने स्टीव वॉ की मानसिक दृढ़ता और लिसा स्थालेकर के हरफनमौला प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि महान खिलाड़ी केवल प्रतिभा से नहीं बल्कि अनुशासन सही सोच और लगातार मेहनत से बनते हैं। उन्होंने युवा खिलाडियों से इन दिग्गजों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी इस घोषणा को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि पहली बार बिग बैश लीग ऑस्ट्रेलिया से बाहर आयोजित होगी और भारत इसका सबसे उपयुक्त स्थान है। उन्होंने कहा कि चेन्नई में होने वाला मुकाबला केवल क्रिकेट मैच नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया महोत्सव की शुरुआत भी होगा जिसमें खेल संस्कृति व्यापार और पर्यटन से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क और भी मजबूत होगा।

खेल सहयोग के साथ दोनों देशों ने आर्थिक और सामरिक संबंधों को भी नई गति दी है। प्रधानमंत्री मोदी और एंथनी अल्बनीज की बैठक में रक्षा व्यापार शिक्षा ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों सहित अनेक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। भारत को ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम आपूर्ति संबंधी समझौते को भी आगे बढ़ाया गया। इसके अलावा कृषि और व्यापार से जुड़े मुद्दों पर भी सकारात्मक बातचीत हुई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच कृषि उत्पादों पर शुल्क और व्यापार नियमों में संभावित बदलाव पर भी चर्चा की संभावना जताई जा रही है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी न्यूजीलैंड रवाना हो गए हैं।

न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री वहां की सरकार के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे और लगभग चालीस हजार भारतीय मूल के लोगों को संबोधित भी करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार निवेश शिक्षा कृषि और हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देना है। इससे पहले इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया की यात्राओं के दौरान भी भारत ने रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण समझौते किए हैं।

भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका का प्रभाव अब खेल जगत में भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। पहले जहां विदेशी खिलाड़ी केवल भारतीय प्रीमियर लीग में भाग लेने भारत आते थे वहीं अब विदेशी लीग भी भारत में अपने मुकाबले आयोजित करने के लिए उत्सुक हैं। यह भारत की खेल अर्थव्यवस्था मीडिया बाजार और दर्शकों की अपार शक्ति का परिणाम है। आने वाले वर्षों में यदि अन्य अंतरराष्ट्रीय लीग भी भारत में अपने मुकाबले आयोजित करती हैं तो इससे भारतीय खेल उद्योग को नई ऊंचाइयां मिल सकती हैं।

चेन्नई में बिग बैश लीग का उद्घाटन मुकाबला केवल एक क्रिकेट मैच नहीं बल्कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्वास साझेदारी और साझा भविष्य की नई शुरुआत का प्रतीक है। यह आयोजन दोनों देशों के खेल संबंधों को नई दिशा देगा और यह संदेश भी देगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं बल्कि देशों को जोड़ने वाली सबसे प्रभावशाली कड़ी भी है। आने वाले समय में यह साझेदारी खेल संस्कृति व्यापार और जनसंपर्क के अनेक नए अवसरों का द्वार खोल सकती है।

-कांतिलाल मांडोत

खाद्य तेलों में आया उछाल-विदेशी बाजारों की तेजी और घरेलू आवक में कमी बनी वजह

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी प्रमुख तेल-तिलहनों के दामों में मजबूती दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों में तेजी का रुख, घरेलू मंडियों में आवक में कमी, रुपये की कमजोरी और बढ़ती औद्योगिक मांग जैसे कई कारकों ने मिलकर सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन तथा बिनौला तेल की कीमतों को ऊपर धकेला। बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख का असर सीधे घरेलू कीमतों पर दिखा। इसके साथ ही, भारतीय रुपये के कमजोर होने से आयातित खाद्य तेलों की लागत बढ़ी। महत्वपूर्ण बात यह है कि आयातकों को होने वाला घाटा पहले के 3-4 प्रतिशत से घटकर अब 1-1.5 प्रतिशत रह गया है, जिससे आयातित तेलों के दाम में सुधार आया। घरेलू मोर्चे पर किसानों ने बेहतर मूल्य की उम्मीद में बाजार में अपनी उपज की आवक कम कर दी है। महाराष्ट्र के लातूर में सोयाबीन प्लांटों ने तो किसानों को आकर्षित करने के लिए खरीद मूल्य बढ़ाकर 7,750 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है, जिससे स्टॉक की होल्डिंग बढ़ रही है। सोयाबीन रिफाइंड, पाम-पामोलीन और मूंगफली जैसे तेलों की औद्योगिक मांग में भी वृद्धि देखी गई। सूरजमुखी तेल के महंगा होने और बिनौला तेल की कम उपलब्धता के कारण मूंगफली तेल की मांग में विशेष उछाल आया, जिससे इसके दाम भी मजबूत हुए। कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल की कीमतों में भी तेजी रही। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये के सुधार के साथ 7,725-7,750 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 15,900 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-55 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,615-2,715 रुपये और 2,615-2,765 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 175-175 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,175-7,225 रुपये और 7,025-7,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,300 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग रहने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 200 रुपये के सुधार के साथ 6,950-7,525 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 375 रुपये के सुधार के साथ 16,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 60 रुपये के सुधार के साथ 2,560-2,860 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। लागत से नीचे दाम पर बिकवाली का अंतर पहले के मुकाबले घटने के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये के सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 125 रुपये के सुधार के साथ 15,525 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 14,325 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग के बीच बिनौला तेल का दाम भी 150 रुपये के सुधार के साथ 16,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

बदल रहा एफएमसीजी सेक्टर का वर्कफोर्स- कहीं छंटनी, कहीं विस्तार

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते वित्त वर्ष 2025-26 में देश की प्रमुख रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियों में कर्मचारियों की संख्या और वेतन वृद्धि को लेकर मिला-जुला रुख रहा। वार्षिक रिपोर्टों से पता चला है कि जहां कुछ कंपनियों ने अपने कार्यबल में कटौती की, वहीं कुछ ने विस्तार किया, साथ ही कर्मचारियों के औसत वेतन में वृद्धि भी कंपनी-दर-कंपनी उल्लेखनीय रूप से भिन्न रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और डाबर इंडिया ने अपने स्थायी कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की। एचयूएल ने 700 से अधिक कर्मचारी घटाकर इसे 5,898 कर दिया, जबकि डाबर के स्थायी कर्मचारी 5,343 से घटकर 4,770 रह गए। वेतन वृद्धि की बात करें तो, एचयूएल में औसतन 6.08 प्रतिशत की सबसे कम वृद्धि हुई, वहीं डाबर ने 7.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की। इसके विपरीत, नेस्ले इंडिया, मैरिको और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने अपने कार्यबल का विस्तार किया। टीसीपीएल ने कर्मचारियों की संख्या 4,079 से बढ़ाकर 4,558 की और 12.1 प्रतिशत की सर्वाधिक वेतन वृद्धि दी। मैरिको ने भी स्थायी कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई, जबकि नेस्ले इंडिया में कुल कर्मचारी मामूली बढ़े और वेतन में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, कर्मचारियों की संख्या में कटौती का मुख्य कारण विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला और बैक-ऑफिस संचालन में बढ़ते स्वचालन (ऑटोमेशन) और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित उपकरणों का उपयोग है, जिससे कंपनियां कम कर्मचारियों के साथ अधिक दक्षता से कार्य कर पा रही हैं।

एनआरआई को सेबी की बड़ी सौगात, घर बैठे होगा केवाईसी

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए निवेश प्रक्रिया को और सुगम बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। सूत्रों के अनुसार सेबी एनआरआई के लिए अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) से जुड़ी प्रक्रियाओं को व्यापक रूप से सरल बनाने पर विचार कर रहा है, जिससे उन्हें भारत स्थित बैंक शाखाओं में व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने की अनिवार्यता समाप्त हो जाएगी। यह पहल देश में विदेशी निवेश को आकर्षित करने और पूंजी बाजार की पहुंच को वैश्विक स्तर पर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह कदम दिसंबर 2023 में प्रवासी भारतीय ग्राहकों के लिए दोबारा-केवाईसी हेतु जियो-लोकेशन टैगिंग और वीडियो के जरिये डिजिटल माध्यम से जांच-परख की मंजूरी के बाद उठाया जा रहा है। अब नियामक पहली बार केवाईसी के लिए भी इसी तरह के डिजिटल और दूरस्थ उपायों को लागू करने पर विचार कर रहा है। इसका अर्थ है कि एनआरआई अब अपनी भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना, पासपोर्ट आधारित सत्यापन और वीडियो-केवाईसी के माध्यम से भारत में निवेश कर सकेंगे। यह व्यवस्था उन्हें कहीं से भी पूंजी बाजार में सक्रिय भागीदारी करने में सक्षम बनाएगी। हालांकि, इस क्रांतिकारी बदलाव के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सहयोग की आवश्यकता होगी, खासकर बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े पहलुओं के लिए। सेबी पते से केवाईसी की अनुमति देने पर भी विचार कर रहा है।

कंपनियों के नतीजे, भू-राजनीति और क्रुड की चाल पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को लगातार दूसरे सत्र में जोरदार तेजी दिखाते हुए निवेशकों में उत्साह भरा। सेंसेक्स 828 अंक उछलकर 77,569 और निफ्टी 244 अंक बढ़कर 24,206 पर बंद हुआ। हालांकि, आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए कई अहम चुनौतियों और अवसरों से भरा होगा, जहां घरेलू और वैश्विक दोनों तरह के फैक्टर बाजार की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की चाल कई महत्वपूर्ण कारकों से प्रभावित होगी। सबसे पहले, जून तिमाही के नतीजों का सिलसिला जोर पकड़ेगा। लगभग 100 कंपनियां अपने वित्तीय नतीजे पेश करेंगी। टीसीएस के बेहतर प्रदर्शन के बाद आईटी सेक्टर पर खास नजर रहेगी। एचसीएल टेक और ?विप्रो के नतीजों के साथ उनकी भविष्य की गाइडेंस भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी, जो सेक्टर के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। उम्मीद से बेहतर नतीजे बाजार को मजबूती दे सकते हैं, वहीं कमजोर गाइडेंस मुनाफावसूली को

ट्रिगर कर सकती है। घरेलू कारकों के साथ-साथ भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार पर असर डालेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। हालांकि, बातचीत जारी रहने की खबरों ने कुछ राहत दी है। तनाव में कमी आने से वैश्विक बाजारों का माहौल सुधरेगा, जबकि स्थिति बिगड़ने पर उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें भी अहम भूमिका निभाएंगी। कच्चे तेल की नरमी महंगाई पर दबाव कम करती है। हालांकि, यदि अगले सप्ताह कीमतों में फिर से तेजी आती है, तो यह बाजार के लिए चिंता का विषय बन सकता है। निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देंगी। पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 4,670 करोड़ रुपये और घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 8,275 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह खरीदारी का रुख जारी रहता है, तो बाजार को अच्छा समर्थन मिलेगा। अंत में रुपये की चाल भी महत्वपूर्ण रहेगी। शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 9 पैसे मजबूत होकर 95.38 पर बंद हुआ, लेकिन पूरे सप्ताह दबाव में रहा था।

अंबाला आईईडी ब्लास्ट- पाक आतंकी हैंडलर समेत 8 पर चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हरियाणा के अंबाला में हुए आईईडी कार बम विस्फोट मामले में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी आतंकी हैंडलर शहजाद भट्टी सहित आठ आरोपियों के खिलाफ पंचकूला की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। जनवरी में बलदेव नगर पुलिस थाने की पार्किंग में हुए इस हमले का मुख्य उद्देश्य पुलिस प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर देश में आतंक फैलाना था। एनआईए की जांच में सामने आया है कि पाकिस्तानी नागरिक और आतंकी हैंडलर शहजाद भट्टी ने भारत में पुलिस प्रतिष्ठानों पर हमले कर आतंक फैलाने के उद्देश्य से एक बड़ा नेटवर्क तैयार किया था। उसने सोशल मीडिया और गुप्त मैसेजिंग ऐप्स का इस्तेमाल कर भारतीय युवाओं को ब्रेनवॉश किया और उन्हें अपने मॉड्यूल में शामिल किया। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपियों ने कई संभावित ठिकानों की रेकी करने के बाद अंबाला के बलदेव नगर पुलिस थाने को निशाना बनाया। आरोपी करमजीत सिंह और उसके साथियों ने गैस सिलेंडरों और विस्फोटक पदार्थों से लदी एक कार को थाने के पार्किंग एरिया में खड़ा किया था। घटना के बाद, प्रचार और भय फैलाने के लिए घटना का वीडियो भी बनाया गया।

अमेरिकी आयात शुल्क प्रस्ताव पर भारत सख्त, जबरन श्रम के आरोपों को बताया निराधार

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत ने अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 12.5 प्रतिशत के अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ) पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। अमेरिका ने कुछ देशों पर बंधुआ या जबरन श्रम से जुड़े उत्पादों के आयात पर रोक न लगाने का आरोप लगाया है, जिस पर भारत ने अपनी आपत्ति जताई। वाणिज्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि व्यापार से जुड़े किसी भी विवाद को एकतरफा कार्रवाई के बजाय आपसी बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की जनसुनवाई में हिस्सा लेते हुए वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव बृज मोहन मिश्रा ने इस प्रस्ताव पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अमेरिका से धारा 301 के तहत की गई अपनी जांच और अतिरिक्त टैक्स लगाने के फैसले पर दोबारा विचार करने का आग्रह किया। भारत ने अमेरिकी दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जबरन श्रम को खत्म करना भारत का एक संवैधानिक कर्तव्य है और देश अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह पालन करता है। भारत ने यूएसटीआर की जांच रिपोर्ट के तौर-तरीकों पर भी सवाल उठाए। संयुक्त सचिव मिश्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट व्यापार अधिनियम की धारा 301(डी) के तहत आवश्यक कानूनी मानकों को पूरा नहीं करती। केवल कुछ चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं के केस स्टडीज और सामान्य व्यापारिक आंकड़ों के आधार पर यह मान लेना कि भारत में जबरन श्रम से जुड़ी चीजों के आयात पर प्रतिबंध नहीं है, पूरी तरह गलत है।

मेष- आज का दिन आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में चार चांद लगाने वाला साबित हो सकता है। मेहनत का पूरा फल मिलने से आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। यदि प्रॉपर्टी, सोना-चांदी या किसी कीमती वस्तु की खरीदारी का विचार है, तो समय अनुकूल है, लेकिन किसी बड़े फैसले से पहले घर के वरिष्ठों की राय जरूर लें। वाहन से जुड़ा अचानक खर्च सामने आ सकता है।

वृषभ- आज आपके व्यक्तित्व और काम की सराहना होगी, जिससे सम्मान में बढ़ोतरी होगी। व्यापार करने वालों को किसी नए व्यक्ति पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचना चाहिए। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर भागदौड़ करनी पड़ सकती है। वहीं मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी भी मिलेगी।

मिथुन- आज थोड़ा धैर्य और समझदारी से काम लेने की जरूरत है। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें, क्योंकि छोटी-सी बात भी बड़ा रूप ले सकती है। परिवार में चल रही किसी उलझन को बातचीत से सुलझाने का प्रयास सफल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके सुझाव अधिकारियों को प्रभावित करेंगे और आपकी प्रशंसा हो सकती है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

कर्क- आज सहयोग और अवसर दोनों आपके साथ रहेंगे। परिवार के बड़े-बुजुर्गों का मार्गदर्शन हर कदम पर काम आएगा। आय बढ़ाने के नए रास्ते खुल सकते हैं, इसलिए अच्छे अवसरों को हाथ से न जाने दें। हालांकि किसी कानूनी मामले में उम्मीद के मुताबिक परिणाम न मिलने से थोड़ी निराशा हो सकती है। अधूरा काम मन को बेचैन कर सकता है और कुछ जरूरी खर्च भी सामने आ सकते हैं।

सिंह- आज जल्दबाजी और जोखिम उठाने से बचना ही समझदारी होगी। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा और आप अपने काम समय पर पूरे करने में सफल रहेंगे। यदि कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो पिताजी की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। संतान किसी बात को लेकर नाराज हो सकती है, इसलिए प्यार और धैर्य से बात करें।

कन्या- आज का दिन संतोष और खुशियों से भरा रहेगा। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की खुशखबरी मिल सकती है, जिससे घर में रौनक बढ़ेगी। व्यापार में आय बढ़ाने के नए अवसर तलाशेंगे। हालांकि पिताजी के साथ किसी बात पर हल्की नोकझोंक हो सकती है। आज किसी से उधार लेने से बचें और अफवाहों या सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करने की गलती न करें।

तुला- आज निवेश से जुड़े मामलों में किस्मत आपका साथ दे सकती है। शेयर बाजार या निवेश से जुड़े लोगों को अच्छे लाभ के संकेत हैं। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी और घर के लिए कोई नया सामान खरीद सकते हैं। ससुराल पक्ष से किसी प्रिय व्यक्ति का आगमन घर का माहौल खुशनुमा बना देगा। मन की कोई इच्छा पूरी होने से खुशी दोगुनी होगी। यात्रा का योग भी बन रहा है, लेकिन निजी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा न करें।

वृश्चिक- आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा। माताजी से हुई कोई महत्वपूर्ण बातचीत आपकी कई परेशानियों का समाधान निकाल सकती है। यात्रा के दौरान कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित हो। घर में रिश्तेदारों का आना-जाना लगा रहेगा और किसी धार्मिक आयोजन का माहौल भी बन सकता है।

धनु- आज का दिन खुशियों और उत्साह से भरा रहेगा। संतान की उपलब्धियां आपको गर्व का अनुभव कराएंगी। हालांकि दूसरों के मामलों में बिना वजह दखल देने या बहस करने से बचें। किसी भी बड़े फैसले में जल्दबाजी न करें। वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें। नौकरी से जुड़े किसी महत्वपूर्ण काम के लिए यात्रा करनी पड़ सकती है।

मकर- आज परिवार का सहयोग आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। कई जिम्मेदारियां एक साथ आने के बावजूद आप उन्हें अच्छी तरह निभा पाएंगे। वाहन चलाते समय लापरवाही बिल्कुल न करें। भाग्य का साथ मिलने से रुके हुए काम पूरे होंगे और अटका हुआ धन भी वापस मिल सकता है। व्यापार में लाभ के अच्छे संकेत हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ- आज प्रगति के नए दरवाजे खुल सकते हैं। आपकी समझदारी और निर्णय लेने की क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। एक के बाद एक अच्छी खबर मिलने से उत्साह बना रहेगा। खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखना जरूरी होगा और किसी के बहकावे में आकर कोई फैसला न लें। रहन-सहन में सुधार के प्रयास सफल होंगे। नया वाहन खरीदने का विचार भी साकार हो सकता है।

मीन- आज का दिन लाभ और सफलता की नई उम्मीदें लेकर आया है। आपकी मेहनत आपको मंजिल के और करीब ले जाएगी। परिवार की ओर से कोई उपहार या सुखद सरप्राइज मिल सकता है। जरूरतमंदों की मदद करने की आपकी भावना लोगों का दिल जीत लेगी। कार्यक्षेत्र में मनपसंद जिम्मेदारी मिलने से काम में उत्साह रहेगा। बेवजह की चिंताओं को छोड़कर जीवनसाथी के साथ खरीदारी या घूमने-फिरने का आनंद लें

शब्दजाल - 8318

क	र्म	मे	रि	दु	ला	रा	ल	क	लं	क
बू	खु	क	दू	इं	जी	क	शि	या	ड़	नी
त	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	ल	ह	प	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	यु	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	क	ला	कि	यो	ग	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	ला	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	ई	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	क	र	ह	त्या	ल	वि	क
र	क	ल	श	रा	न	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	मा	व	शि	का	री	टि	जो
बां	क	र	तू	त	च	ले	स	क	म	र

शब्दजाल में 'क' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

कबूतर,कमजोर,कलयुग,कलंक,कलश, कलाई,करामात,करतूत,कर्म,कमर

शब्दजाल - 8317 का हल

स	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	स
ल्त	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स
स	ड़	क	फ्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा
श	एं	वा	स	र	फ	रो	श	ज	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

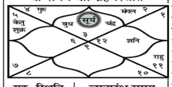

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.43 बजे से
चंद्र	मिथुन में	सिंह	07.59 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.11 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	12.21 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.36 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.52 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.57 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.44 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.16 बजे से
राहुकाल		मेष	23.47 बजे से
7.30 से 9.00		वृष	01.27 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.25 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 194 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 18.50 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 05.42 बजे तदनन्तर आर्द्रा 02.52 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ध्रुव 16.01 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 08.40 बजे, शकुनि 18.50 बजे तदनन्तर चतुष्पद 05.01 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 51'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872769
जूलियन दिन 2461234.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम **तारीख** 27

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः धर्मों की एकता

एक बार हकीम अजमल खां, डॉ. अंसारी तथा उनके कुछ मुस्लिम मित्र स्वामी श्रद्धानंद से मिलने गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार पहुंचे। उस समय गुरुकुल की विशाल यज्ञशाला में हवन हो रहा था। स्वामी श्रद्धानंद के सभी मुस्लिम मित्र उस आयोजन को कौतूहल से देखने लगे। जब हवन समाप्त हो गया तो स्वामी जी ने स्नेहपूर्वक सभी साथियों का स्वागत किया। फिर सब बैठकर बातें करने लगे। कुछ देर बातें करने के बाद स्वामी जी ने अपने मित्रों से कहा, 'खाने का समय हो रहा है। चलिए भोजन कर लें। बाकी बातें हम खाना खाने के बाद करेंगे।' यह सुनकर उन अतिथियों में से एक बोला, 'स्वामी जी, यह समय हमारी नमाज का है, कृपया आप हमें कोई ऐसा स्थान बताइए जहां पर हम नमाज पढ़ सकें। भोजन हम नमाज पढ़ने के बाद ही करेंगे।' यह सुनकर स्वामी जी बोले, 'हवन समाप्त हो चुका है, यज्ञशाला खाली पड़ी है। आप सब यहां नमाज पढ़ सकते हैं।' यह सुनकर उनके मुस्लिम साथियों में से एक बोला, 'स्वामी जी, पर यह तो आपके हवन और पूजापाठ की जगह है। यहां पर हम कैसे....।' स्वामी जी उस व्यक्ति की बात बीच में काटते हुए बोले, ' भाई, यह यज्ञशाला वंदना के लिए है, वह चाहे पूजा के रूप में हो या नमाज के रूप में। बात तो एक ही है। सभी धर्मों का एक ही उद्देश्य है- एकता, प्रेम एवं शांति बनाए रखना। मेरे विचार में तो आप सब यहां बिना किसी संकोच के नमाज पढ़ सकते हैं। यदि आप ऐसा करेंगे तो इससे सभी धर्मों की एकता बढ़ेगी और हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी एक-दूसरे के भाई-भाई बनकर रहेंगे।' यह सुनकर सभी मुसलमान मित्रों ने उस यज्ञशाला में नमाज पढ़ी और स्वामी जी के विचारों की मन ही मन सराहना की। विभिन्न धर्मों में एकता बनाए रखने के लिए ही मुसलमान बंधुओं ने उन्हें बड़े आदर व प्रेम के साथ दिल्ली की जामा मस्जिद में बुलाकर उनका प्रवचन कराया।

फिल्म वर्ग पहेली- 7262

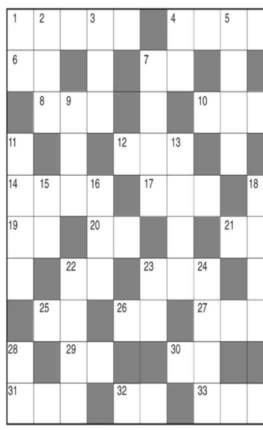

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7261

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7571

★★★✫☆ मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7570 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 8786

बाएँ से दाएँ

1.इच्छा,मन्नत-2
3.आश्रय,शरण-3
6.ठाठ-बाट-2
8.प्रकार-3
10.आवरण-3
12.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
14.ख्वाब,स्वप्न-3
17.घर,आवास-3
19.लोच-3
21.भस्म,खाक-2
23.निगाह,दृष्टि-3
25.संबोधन-2
26.देवर्षि-3
28.तिजोरी-3
30.तरंग,हिलोर-3
32.गुंडा,बदमाश-3
35.अनुकृति-3
37.नाप करना-3
39.थोड़ा-2
40.उल्टी,कै-3
41.मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1.सप्तम,सातवां-2
2.पृथ्वी,वसुंधरा-3
4.घ्राणेंद्रिय-2
5.वासना,लालसा-3
7.खुमार,सरुर-2
9.रनिवास (उर्दू-3)
11.चतुर,तेज-3
13.थकावट-3
15.नृत्य करना-3
16.कुल,खानदान,वंश-3
18.पुराना जुकाम-3
20.कटि,शरीर का मध्यांग-3
22.ईमामदस्ता-3
24.नकद राशि,रोकड़-3
27.जलने की क्रिया-3
29.रवानगी,विदा होना-3
31.राशि,धन-3
33.आलेप करना, पोतना-3
34.रहस्य-2
36.बुरी आदत-2
38.अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली -8785 का हल

श	ब		ता		य		लों	क
रा		ला	ल		श	ह		हा
ब	से	रा		सा		क	स	र
	ना		आ	स	रा		र	
अ	ना	मि	का		श	रा	फ	त
	य		र	ह	न		रो	
म	क	र		र		प्रे	श	र
लि		ज	मा		आ	स		स
न	र		न		म		आ	ना

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

किसानों की समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस की हुई अहम बैठक

किसानों की समस्याओं को लेकर बनी आंदोलन की रणनीति

पद्मेश न्यूज। लांजी। किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष भुरू पटेल के नेतृत्व में लाँजी में किसान कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लाँजी, बहेला, किरनापुर एवं नगर कांग्रेस लाँजी के अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में किसान, सरपंच, जनपद सदस्य, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता एवं कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में किसानों की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि किसान आज सरकार की नीतियों और मौसम की दोहरी मार झेलने को मजबूर है। खाद एवं बीज के बढ़ते दाम, धान के समर्थन मूल्य में मामूली वृद्धि तथा लगातार हो रही बारिश से धान की बोवाई प्रभावित होने के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति गंभीर हो गई है। कई स्थानों पर धान का बीज सड़ जाने से किसानों को दोबारा बोवाई करनी पड़ रही है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उपस्थित किसानों ने इन मुद्दों पर आंदोलन का समर्थन करते हुए सरकार से शीघ्र राहत एवं उचित मुआवजे की मांग की। बैठक में किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष भुरू पटेल ने कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं किया गया तो किसान सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य ज्योति उमरे, चेतना कुराहे, मीना सिंघनंदूपे, जनपद पंचायत लाँजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे, जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट के जिला सचिव अनिल गिरिया, अनुशासन समिति सदस्य प्रमोद अग्रवाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी किरनापुर अध्यक्ष युसूफ पटेल, बहेला अध्यक्ष ऋषि पटेल, लाँजी अध्यक्ष रेवाजी करहाटकर, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ पशिने, युवक कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष मनीष जुझार, सरपंच संघ अध्यक्ष ललित कबीरे, बुधराम देवगड़े, मानिक पांचे पूर्व सरपंच, टुमन घोरमारे सभापति कृषि समिति जनपद लाँजी, खेमराज मछीरके सरपंच बापड़ी, लीलाराम मानकर सरपंच कंसूली, पोषण मस्करे सरपंच चिचोली, लालम लिल्हारे सरपंच घंसा, धना बोम्बर्डे सरपंच प्रतिनिधि मिरिया, शेषराम पंचाले सरपंच भुआ, संतोष आवरे पूर्व सरपंच बेनेगांव, राजू बापूरे पूर्व सरपंच बोलेगाँव, शमीम पटेल पूर्व सरपंच अमेडा ब,नशीम खान पूर्व सरपंच प्रतिनिधि सहेकी, मुकेश दशरिया पुलिस पटेल वारी, बेदरे जी पुलिस पटेल नंदोरा, गणेश खोगल पूर्व अध्यक्ष जल उपभोक्ता संस्था बम्हंवाडा, छत्रपाल कबीरे, लिखेंन्द्र उपराड़े, सफीक खान, आसिफ खान, इरशाद खान, सिद्दीकी अंसारी, दिनेश पंचाले, अशोक मानकर, सोनू श्रीवास्तव, अमन श्रीवास्तव, नरेन्द्र गजभीये पूर्व जनपद सदस्य, श्यामलाल बेदरे जनपद सदस्य, महेश चौधरी जनपद सदस्य प्रतिनिधि टेमनी, धनीराम इन्वाती पूर्व जनपद सदस्य, चुड़ामन दशरिया, शेषराम चौके सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सरपंच, पूर्व सरपंच, जनपद सदस्य एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन जनपद पंचायत लाँजी के सभापति दिनेश लाडे ने किया।

किसान कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों को जिला अध्यक्ष भूरू पटेल ने सौंपे नियुक्ति पत्र

पद्मेश न्यूज। लांजी। किसान कांग्रेस की जिला इकाई ने 12 जुलाई को लांजी में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की। बैठक में किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भूरू पटेल की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में नया जोश और उत्साह भर दिया। बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष भूरू पटेल ने लांजी क्षेत्र के योग्य, समर्पित और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को संगठन में शामिल कर उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर उन्होंने किसानों के हितों की रक्षा और संगठन को मजबूत बनाने के संकल्प को दोहराया। लांजी क्षेत्र के नवनियुक्त पदाधिकारीयों में बुधराम देवगडे जिला उपाध्यक्ष एवं लांजी प्रभारी किसान कांग्रेस, सोनू श्रीवास्तव जिला महासचिव, मानिक पाचे अध्यक्ष किसान कांग्रेस लांजी को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। भूरू पटेल के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी निर्णय की सराहना करते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि अब लांजी क्षेत्र और पूरे बालाघाट जिले में किसान कांग्रेस को अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। सभी ने संकल्प लिया कि वे किसानों (अन्नदाताओं) की हर

समस्या को मजबूती से उठाएंगे और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। जिला अध्यक्ष भूरू पटेल के मार्गदर्शन में यह संगठनात्मक विस्तार किसान कांग्रेस के लिए एक नया अध्याय साबित होगा। कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और सबका मानना है कि अब किसानों के हक की लड़ाई को नई धार मिलेगी।

छोटू पटेल की पुण्यतिथि पर आज सिविल अस्पताल में किया जाएगा फल वितरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के भिलाई मार्ग स्थित पटेल परिवार के होनहार एवं अत्यंत मिलनसार व्यक्तित्व के धनी आशिष पटेल (छोटू पटेल) की आज सोलहवीं पुण्यतिथि मनाई जा रही है। 13 जुलाई 2010 को एक दुखद दुर्घटना में इनकी असामयिक मृत्यु हो गई थी एवं अपने परिवार और समाज को अलविदा कह गये थे। छोटू पटेल की सादगी, सौम्य स्वभाव और हर किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार आज भी स्थानीय लोगों की स्मृति में ताजा है। वे अपने व्यवहार से सभी उम्र के लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय थे। उनकी अचानक चली गई जिंदगी आज भी परिजनों और परिचितों के लिए एक अपूर्ण शून्य बना हुआ है। इस सोलहवीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज 13 जुलाई को परिजन भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। सुबह शांति पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके उपरांत स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को फलों का वितरण तथा छोटे बच्चों को नए कपड़े प्रदान किए जाएंगे। परिवार की ओर से यह पुण्य कार्य समाज सेवा की भावना से किया जा रहा है, ताकि स्व. छोटू पटेल की स्मृति को चिरस्थायी बनाया जा सके और जरूरतमंदों की सेवा के माध्यम से उनकी आत्मा को शांति मिल सके। परिजनों एवं इष्टमित्रों से अपील की गई है कि वे इस पुण्य कार्यक्रम में शामिल होकर स्वर्गीय आशिष पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

सावन मास के 30 दिनों में 30 गाँवों में होगा अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ

आयोजन को लेकर गांव-गांव में उत्साह का माहौल

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्रावण मास के पावन अवसर पर लांजी-किरनापुर क्षेत्र के 30 गांवों में 29 जुलाई 2026 से 28 अगस्त 2026 तक 30 दिवसीय अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ एवं भारतीय संस्कृति के आधारभूत मूल्यों पर आधारित विविध धार्मिक, सामाजिक और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। आयोजकों के अनुसार प्रत्येक गांव में दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होगा। प्रथम दिवस की शुरुआत प्रात: योग, प्राणायाम एवं ध्यान से होगी। इसके पश्चात नगर कीर्तन, कलश यात्रा, मंदिरों में भजन-कीर्तन, ध्वज स्थापना तथा अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही परिवार संपर्क अभियान, बच्चों की शिक्षा, धर्म-अध्यात्म तथा सेना एवं पुलिस भर्ती संबंधी मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। द्वितीय दिवस पर महिला मंडलों के सहयोग से वृक्षारोपण, नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, दवा वितरण, मोतियाबिंद जांच एवं चयनित मरीजों के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम हाथ-पैर चयन शिविर भी आयोजित होगा। मानस पाठ की पूर्णाहुति के उपरांत हवन, गुरु पूजन, गौमाता पूजन तथा सायंकाल मानस प्रसाद भोजन का आयोजन किया जाएगा। इस 30 दिवसीय धार्मिक अभियान के संयोजक झनकार किरनापुरे अध्यक्ष एकल अभियान संच लांजी अंचल बालाघाट तथा सभी पदाधिकारियों ने आयोजन में क्षेत्र के समस्त ग्रामवासी एवं जनसहयोग से कार्यक्रमों को सफल बनाने की अपील की गई है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भारतीय संस्कृति, सामाजिक सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना के इस महाअभियान का हिस्सा बनने का आग्रह किया है।

लाड़ली बहना योजना की 38वीं किश्त जारी-बालाघाट की 3.44 लाख बहनों के खातों में पहुंचे 50.13 करोड़ रुपये

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार 12 जुलाई को भिंड जिले के लहार में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 38वीं किश्त सिंगल क्लिक के माध्यम से जारी कर प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में 1835 करोड़ रुपये अंतरित किए। इस अवसर पर बालाघाट जिले की 3 लाख 44 हजार 591 लाड़ली बहनों के खातों में 50 करोड़ 13 लाख 43 हजार 100 रुपये की राशि पहुंची। योजना के तहत प्रत्येक पात्र महिला के खाते में 1500-1500 रुपये जमा किए गए। जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया, जहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने कार्यक्रम देखा और योजना की राशि प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

विकासखंडवार लाभार्थी एवं अंतरित राशि

ग्रामीण क्षेत्रों में बैहर की 19,459 बहनों के खातों में 2 करोड़ 92 लाख 88 हजार 500 रुपये, बालाघाट की 37,380 बहनों को 5 करोड़ 60 लाख 70 हजार रुपये, बिरसा की 26,971 बहनों को 4 करोड़ 04 लाख 56 हजार 500 रुपये, कटंगी की 34,711 बहनों को 5 करोड़ 20 लाख 66 हजार 500 रुपये, खैरलांजी की 31,300 बहनों को 4 करोड़ 69 लाख 50 हजार रुपये, किरनापुर की 38,387 बहनों को 5 करोड़ 75 लाख 80 हजार 500 रुपये, लालबर्रा की 37,255 बहनों को 5 करोड़ 58 लाख 82 हजार 500 रुपये, लांजी की 38,207 बहनों को 5 करोड़ 73 लाख 10 हजार 500 रुपये, परसवाड़ा की 22,139 बहनों को 3 करोड़ 32 लाख 08 हजार 500 रुपये तथा वारासिवनी की 32,930 बहनों के खातों में 4 करोड़ 93 लाख 95 हजार रुपये अंतरित किए गए।

नगरीय क्षेत्रों में भी पहुंची योजना की राशि

नगरीय निकायों में नगर पालिका बालाघाट की 8,817 बहनों को 1 करोड़ 32 लाख 25 हजार 500 रुपये, नगर पालिका मलाजखंड की 5,828 बहनों को 87 लाख 42 हजार रुपये, नगर पालिका वारासिवनी की 3,756 बहनों को 56 लाख 34 हजार रुपये, नगर परिषद बैहर की 2,654 बहनों को 39 लाख 81 हजार रुपये, नगर परिषद कटंगी की 2,413 बहनों को 36 लाख 19 हजार 500 रुपये तथा नगर परिषद लांजी की 2,384 बहनों को 35 लाख 76 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई।

जून 2023 से अब तक 1688 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता

जून 2023 में योजना प्रारंभ होने से लेकर 12 जुलाई 2026 तक बालाघाट जिले की 3 लाख 44 हजार 591 से अधिक लाड़ली बहनों को 1688 करोड़ 38 लाख रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता प्राप्त हो चुकी है। इस योजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ जिले की अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान की है। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम के लाइव प्रसारण में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेन्द्र सुंदरियाल, बाल विकास परियोजना अधिकारी शैलेन्द्र चौकसे, आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें उपस्थित रहीं।

आयोग की सख्ती से तिलमिलाए निजी विश्वविद्यालय, बंद पोर्टल खुलवाने शासन पर बढ़ा दबाव

31 दिसंबर तक मिला था मौका, नया सत्र शुरू होने के बाद अब पुराने प्रवेश दर्ज कराने की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग की सख्ती के बाद प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों में हलचल तेज हो गई है। आयोग ने सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश पोर्टल दोबारा खोलने से स्पष्ट इनकार कर दिया है। इसके बाद निजी विश्वविद्यालय संघ शासन पर पोर्टल फिर से खुलवाने के लिए लगातार दबाव बना रहा है। आयोग के अनुसार सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों का विवरण एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने के लिए 31 दिसंबर 2025 तक पर्याप्त समय दिया गया था। इसके बावजूद कई निजी विश्वविद्यालय निर्धारित समय-सीमा के भीतर विद्यार्थियों का डेटा दर्ज नहीं कर सके। अब जबकि सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, आयोग का कहना है कि पिछले शैक्षणिक सत्र के लिए पोर्टल दोबारा खोलना नियमों और प्रवेश प्रक्रिया की पारदर्शिता के विपरीत होगा। आयोग का मानना है कि समय-सीमा समाप्त होने के बाद पोर्टल खोलने की परंपरा शुरू हुई तो भविष्य में विश्वविद्यालयों से समयबद्ध पालन कराना कठिन हो जाएगा और पूरी प्रवेश प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित होगी। प्रदेश में वर्तमान में लगभग 53 निजी विश्वविद्यालय संचालित हैं, ऐसे में एक बार दी गई छूट भविष्य के लिए मिसाल बन सकती है। उच्च शिक्षा विभाग के सूत्रों का कहना है कि आयोग की सख्ती का एक प्रमुख उद्देश्य प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखना भी है। सूत्रों के मुताबिक, समय-सीमा समाप्त होने के बाद पोर्टल खुलने पर कुछ संस्थानों द्वारा विद्यार्थियों से अतिरिक्त शुल्क लेकर बैक-डेट में प्रवेश दर्ज कराने की आशंका रहती है। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और आयोग ने भी अपने आदेश में इस संबंध में कोई प्रत्यक्ष टिप्पणी नहीं की है। आयोग का केवल इतना कहना है कि निर्धारित समय-सीमा के बाद किसी भी प्रकार की छूट प्रवेश प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती है। दूसरी ओर, निजी विश्वविद्यालय संघ का दावा है कि तकनीकी कारणों से कई विद्यार्थियों का डेटा पोर्टल पर अपलोड नहीं हो सका। संघ ने उच्च शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर सात दिनों के लिए पोर्टल दोबारा खोलने की मांग की है, ताकि छूटे हुए विद्यार्थियों का विवरण अपलोड किया जा सके। फिलहाल आयोग अपने निर्णय पर अडिग है। अब निगाहें राज्य शासन पर टिकी हैं कि वह आयोग के निर्णय को यथावत रखता है या निजी विश्वविद्यालयों की मांग पर कोई अलग फैसला लेता है। आयोग का संदेश स्पष्ट है कि प्रवेश प्रक्रिया में नियमों और समय-सीमा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

शासकीय विश्वविद्यालय समय पर, फिर निजी विश्वविद्यालय क्यों पीछे ?

इस पूरे विवाद के बीच एक महत्वपूर्ण सवाल भी सामने आ रहा है। प्रदेश के शासकीय विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र जून-जुलाई से शुरू होकर अक्टूबर तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो जाती है और निर्धारित समय-सीमा का पालन भी सुनिश्चित किया जाता है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब सरकारी विश्वविद्यालय तय समय में प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं, तो निजी विश्वविद्यालयों में बार-बार समय-सीमा बढ़ाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है? आयोग की सख्ती के बाद यह सवाल उच्च शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही और समयबद्धता को लेकर नई बहस छेड़ रहा है।

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश का मामला

निजी विश्वविद्यालयों में बीटेक, एमटेक, बीएससी, एमएससी, बीबीए, एमबीए, एलएलबी और एलएलएम सहित विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 के प्रवेश का मामला विवाद का कारण बना हुआ है। आयोग का कहना है कि इन पाठ्यक्रमों में जिन विद्यार्थियों के प्रवेश का विवरण 31 दिसंबर 2025 तक पोर्टल पर दर्ज नहीं किया गया, उन्हें अब नए शैक्षणिक सत्र शुरू होने के बाद अपलोड करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

संघ ने मांगा था सात दिन का समय

इंजीनियर संजीव अग्रवाल की अध्यक्षता वाले निजी विश्वविद्यालय संघ ने 4 जून 2026 को उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार को पत्र लिखकर एमपी ऑनलाइन पोर्टल को सात दिनों के लिए पुन: खोलने का अनुरोध किया था। पत्र में संघ ने बताया था कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले अनेक विद्यार्थियों का विवरण एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज नहीं हो सका है।संघ के अनुसार, पोर्टल पर एक छात्र की जानकारी कई चरणों में दर्ज करनी पड़ती है, जिससे प्रक्रिया में अधिक समय लगता है। इसी कारण कुछ विद्यार्थियों का डेटा निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपलोड नहीं हो पाया।संघ ने मंत्री से अनुरोध किया था कि आयोग को एमपी ऑनलाइन पोर्टल सात दिनों के लिए पुन: खोलने के निर्देश दिए जाएं, ताकि जिन विद्यार्थियों का विवरण अपलोड होने से रह गया है, उसे दर्ज किया जा सके। संघ का कहना था कि ऐसा नहीं होने पर संबंधित विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित हो सकते हैं। मंत्री की ओर से इस संबंध में यथोचित कार्यवाही के लिए निर्देश भी जारी किए गए थे।

आयोग सभा ने किया अमान्य

दिनांक 2 जून को आयोजित आयोग सभा में विस्तृत चर्चा के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि विद्यार्थियों के डेटा अपलोड करने हेतु एमपी ऑनलाइन पोर्टल दिनांक 31 दिसंबर 2025 तक खुला रखा गया था। वर्तमान में शैक्षणिक सत्र 2025-26 समाप्त हो चुका है और शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालयों से पोर्टल पुन: खोलने हेतु प्राप्त सभी आवेदन अमान्य किए जाते हैं। अत: आयोग सभा के निर्णय के अनुसार एमपी ऑनलाइन पोर्टल पुन: खोलने का निजी विश्व विद्यालय संघ द्वारा किया गया अनुरोध अमान्य किया जाता है।

छात्राओं को नहीं पता, सरकार हर साल दे रही 300 रुपये

ग्रामीण स्कूलों में शिक्षक भी अनजान

भोपाल। मध्य प्रदेश में कक्षा 7 से 12वीं तक की छात्राओं को मासिक स्वच्छता और सैनिटरी पैड खरीदने के लिए सरकार हर वर्ष 300 रुपये की सहायता राशि देती है। यह राशि सीधे छात्राओं के बैंक खाते में भेजी जाती है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि बड़ी संख्या में छात्राओं को इसकी जानकारी ही नहीं है। कई ग्रामीण स्कूलों में तो शिक्षक भी इस योजना से अनभिज्ञ हैं, जिससे इसका उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है। सरकारी और निजी दोनों प्रकार के स्कूलों में पढ़ने वाली पात्र छात्राओं को यह राशि प्रतिवर्ष दी जाती है ताकि वे अपनी सुविधा के अनुसार स्कूल या बाजार से सैनिटरी पैड खरीद सकें। लेकिन जागरूकता के अभाव में अधिकांश छात्राओं को यह भी पता नहीं चल पाता कि उनके खाते में आए 300 रुपये किस उद्देश्य से भेजे गए हैं। पहले स्कूलों को इस उद्देश्य के लिए अलग से राशि उपलब्ध कराई जाती थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद सरकार ने व्यवस्था में बदलाव करते हुए राशि सीधे छात्राओं के बैंक खातों में भेजने का निर्णय लिया। अब स्कूल में प्रवेश के समय छात्रा का आधार नंबर और बैंक खाते की जानकारी दर्ज होने के कारण सहायता राशि सीधे उसके खाते में पहुंच जाती है। शहरी क्षेत्रों के कई स्कूलों में शिक्षिकाएं और स्वयंसेवी संस्थाएं मासिक स्वच्छता को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाती हैं। वे छात्राओं और उनके अभिभावकों को यह भी बताती हैं कि सरकार की ओर से मिलने वाले 300 रुपये सैनिटरी पैड और स्वच्छता संबंधी जरूरतों के लिए हैं। भोपाल सहित कई बड़े कन्या विद्यालयों में छात्राएं स्कूल परिसर में लगी सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन से पांच रुपये का सिक्का डालकर पैड भी प्राप्त कर रही हैं। इसके विपरीत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति अलग है। यहां न केवल अधिकांश छात्राओं को योजना की जानकारी नहीं है, बल्कि कई शिक्षकों को भी यह मालूम नहीं कि सरकार इस उद्देश्य से अलग से राशि उपलब्ध कराती है। स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रियता भी गांवों में काफी कम है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आज भाजपा से आशुतोष तिवारी और कांग्रेस से घनश्याम सिंह भरेंगे नामांकन

-कांग्रेस का समर्थन करेगी सपा; बसपा के न लड़ने से आजाद समाज पार्टी को फायदा

भोपाल। दतिया उपचुनाव के लिए नामांकन भरने के अंतिम दिन सोमवार को भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी भी अपना फार्म भरेंगे। भाजपा की ओर से अधिकृत घोषित प्रत्याशी के तौर पर आशुतोष तिवारी अपना नामांकन दाखिल करेंगे। वहीं कांग्रेस की तरफ से घनश्याम सिंह नामांकन करेंगे। नामांकन के दौरान ही दोनों पार्टियों के दिग्गजों का शक्ति प्रदर्शन होगा। भाजपा सूत्रों के मुताबिक आशुतोष तिवारी के नामांकन के दौरान सीएम डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा उपस्थित रहेंगे। इधर कांग्रेस की ओर से घनश्याम सिंह के नामांकन भरवाने के लिए प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी दतिया पहुंच गए हैं।

दतिया विधानसभा सीट पर होने जा रहा उपचुनाव इस बार त्रिकोणीय समीकरणों में उलझ गया है। भाजपा के आशुतोष तिवारी, कांग्रेस के घनश्याम सिंह और आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दामोदर यादव में से किसका पलड़ा भारी है, ये कहना तक मुश्किल है। नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद चंबल अंचल के इतिहास में यह पहली बार हुआ, जब भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुलकर विरोध-प्रदर्शन किए। इस बगावत के पीछे की वजह दतिया के सांगठनिक ढांचे को माना जा रहा है। जिला हो या मंडल स्तर, बहुतायत नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों और करीबियों की है। बूथ समितियों में भी उन्हीं की पसंद के कार्यकर्ता हैं।

नितिन नवीन से मिले नरोत्तम मिश्रा

नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटने के बाद सियासत गर्म है। दतिया में बवाल के बाद नरोत्तम मिश्रा ने रविवार को नरोत्तम मिश्रा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि टिकट को लेकर उन्होंने अपनी बात रखी है। दरअसल, भाजपा डैमेज कंट्रोल में जुट गई है। नाराजगी कम करने के लिए नरोत्तम मिश्रा के प्रति पूरी हमदर्दी दिखाई जा रही है। टिकट काटने के फैसले को दिल्ली आलाकमान के सर्वे और इंटरनल रिपोर्ट का हवाला देकर बचाव किया जा रहा है। सूबे में भाजपा की सरकार है, इसलिए सत्ता और संगठन पूरी ताकत आशुतोष को जिताने में झोंकेंगे। खुद नरोत्तम मिश्रा भी आशुतोष का नामांकन दाखिल कराने जा रहे हैं। वे प्रचार की कमान भी संभालेंगे लेकिन बड़ा सवाल यही है कि जमीनी कार्यकर्ता कितने मन से चुनावी मैदान में पसीना बहाएगा।

सपा कांग्रेस के साथ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने दतिया उपचुनाव से दूरी बनाते हुए मध्य प्रदेश इकाई को साल 2028 के विधानसभा चुनाव पर फोकस करने के निर्देश दिए हैं। पार्टी के एमपी प्रभारी राजाराम, प्रदेश अध्यक्ष रमाकांत पिप्पल के साथ मिलकर कैडर मैनेजमेंट को मजबूत कर रहे हैं। दतिया में बसपा के चुनाव न लड़ने का बड़ा फायदा आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दामोदर यादव को मिल सकता है, जो दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के वोटों के बिखराव को रोककर अपने पाले में करने की स्थिति में आ गए हैं। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे इस अंचल में समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के धर्म का पालन कर रही है। पार्टी इस उपचुनाव में अपना प्रत्याशी उतारने के बजाय कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह का खुला समर्थन करेगी।

100 सीए और छात्रों ने निकाली साइकिल रैली

फिट इंडिया, हेल्दी इंडिया का संदेश जन-जन तक पहुंचाने

भोपाल। भोपाल में फिट इंडिया मूवमेंट के तहत रविवार सुबह चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने साइक्लिंग रैली निकालकर स्वास्थ्य और फिटनेस का संदेश दिया। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की भोपाल शाखा ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से इस अभियान का आयोजन किया। इसमें करीब 100 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, सीए विद्यार्थी और उनके परिवार शामिल हुए। रैली की शुरुआत स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया परिसर से हुई। प्रतिभागी शूटिंग अकादमी तक साइक्लिंग करते हुए पहुंचे और वहां से वापस स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया परिसर लौटे। पूरे मार्ग में लोगों को नियमित व्यायाम, फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

फिटनेस से बनेगा स्वस्थ समाज

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया भोपाल शाखा के अध्यक्ष सीए आदित्य पी. श्रीवास्तव ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए नियमित व्यायाम और शारीरिक सक्रियता जरूरी है। ऐसे आयोजन लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक करने के साथ स्वस्थ समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शाखा के सचिव सीए अभिषेक जैन ने बताया कि संस्थान अपने सदस्यों और सीए विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर खेल और फिटनेस से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से फिट इंडिया अभियान को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलती है।

परिवारों ने भी निभाई भागीदारी

कार्यक्रम में शाखा के पदाधिकारी, प्रबंध समिति के सदस्य, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, सीए विद्यार्थी और उनके परिवारों ने उत्साह के साथ भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य लोगों को नियमित व्यायाम के लिए प्रेरित करना और फिट इंडिया, हेल्दी इंडिया का संदेश जन-जन तक पहुंचाना था।

2 साल में होंगी 2 लाख सरकारी भर्तियां

मुख्यमंत्री की घोषणा पर अमल करते हुए विभागों ने शुरू की तैयारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्ष 2027 युवाओं को समर्पित करने की घोषणा कर चुके हैं। इसके तहत आगामी दो वर्ष में दो लाख भर्तियों का लक्ष्य रखा गया है। युवाओं के लिए अलग से युवा बजट भी लाया जाएगा। राज्य सरकार ने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि जून 2028 तक विभागवार रिक्त पदों पर भर्ती के लिए चार्ट बना लिया जाए। इसके अनुरूप दो साल में शत-प्रतिशत भर्तियां पूरी कर ली जाएं।

इसी तरह निजी निवेश को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि सरकारी नौकरियों के अलावा निजी क्षेत्र में भी रोजगार सृजित हों। इसी संदर्भ में राज्य सरकार का दावा है कि डॉ. मोहन यादव के ढाई साल के कार्यकाल में 32.95 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं, इसमें से 8.63 लाख करोड़ यानी (28 प्रतिशत) निवेश धरातल पर आया है। इससे उक्त अवधि में निजी क्षेत्र में भी दो लाख रोजगार सृजित हुए हैं।

युवा बजट को लेकर युवाओं से करेंगे चर्चा

युवा बजट लाने से पहले युवाओं से सुझाव लिए जाएंगे और अलग-अलग स्तर पर चर्चा भी की जाएगी। डॉ. मोहन यादव स्वयं भी युवाओं से बजट पर चर्चा करेंगे। मध्य प्रदेश अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान की इसमें अहम भूमिका होगी। अधिकारियों से विचार-विमर्श भी किया जा रहा है। अलग-अलग कार्यक्रम कर युवाओं से चर्चा करने की कार्ययोजना तैयार की गई है। इनमें अलग-अलग क्षेत्र में कार्यरत विषय विशेषज्ञ युवाओं को प्राथमिकता में रखा गया है।

युवाओं से जुड़े विभागों में विशेष बजट का प्रावधान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवाओं के विकास पर बार-बार जोर दे चुके हैं। इसी को देखते हुए डॉ. मोहन यादव ने युवाओं पर फोकस करते हुए बजट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। वित्त विभाग भी विभागों की ऐसी योजनाओं में विशेष बजट का प्रावधान करेगा, जिससे युवा वर्ग सीधे लाभान्वित हो सके।

चार स्तंभों पर केंद्रित सरकार की कार्ययोजना

बता दें, मध्य प्रदेश में वर्ष 2028 में विधानसभा चुनाव होना है। राज्य सरकार गरीब, अन्नदाता, युवा और नारी कल्याण के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने वर्ष 2024 को गरीब कल्याण और वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया और उससे जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी गई। वर्तमान वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

देश में पहली बार जारी होंगे टेंपल बॉन्ड

- उज्जैन-आगर मालवा के 11 मंदिरों के विकास पर खर्च होंगे 1100 करोड़

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन को नई गति देने और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को मजबूत बनाने के लिए देश में पहली बार टेंपल बॉन्ड जारी करने जा रही है। इस अभिनव वित्तीय मॉडल के जरिए उज्जैन और आगर-मालवा के 11 प्रमुख मंदिरों के विकास एवं आधुनिकीकरण पर करीब 1100 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे की अध्यक्षता में हुई राज्य स्तरीय तकनीकी समिति (एसएलटीसी) की पहली बैठक में इस परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई। बैठक में विद्युत, वित्त, नगर एवं ग्राम निवेश तथा जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। परियोजना के लिए वित्तीय व्यवस्था तीन अलग-अलग माध्यमों से की जाएगी। पहला टेंपल बॉन्ड से। 10 वर्ष की अवधि के बॉन्ड के जरिए 200 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। दूसरा अर्बन चैलेंज फंड। केंद्र की इस योजना से 275 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे। तीसरा बैंक ऋण। शेष 625 करोड़ रुपये बैंकों से ऋण के रूप में लिए जाएंगे। सरकार का दावा है कि यह देश का पहला ऐसा मॉडल होगा, जिसमें निवेशकों को मिलने वाला रिटर्न और बॉन्ड की मूल राशि का भुगतान मंदिरों को मिलने वाले दान एवं अन्य आय से किया जाएगा। टेंपल बॉन्ड जारी करने की प्रक्रिया 15 जुलाई तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के तहत उज्जैन और आगर-मालवा के प्रमुख धार्मिक स्थलों का व्यापक विकास किया जाएगा। इनमें शामिल हैं-कालभैरव मंदिर, मंगलनाथ मंदिर, सांदीपनी आश्रम, नवग्रह मंदिर, 84 महादेव मंदिर, अंगारेश्वर महादेव मंदिर, भूखी माता मंदिर, गढ़कालिका मंदिर, सिद्धवट और नलखेड़ा स्थित प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर (आगर-मालवा)।

टिकट बवाल के बीच पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की एंट्री

नरोत्तम मिश्रा के फैसले को बताया 'आदर्श उदाहरण'

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा द्वारा आशुतोष तिवारी के नाम की घोषणा के बाद मचे सियासी बवाल के बीच अब पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की एंट्री हो गई है। टिकट वितरण के बाद उपजे असंतोष और पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के हालिया बयान पर उमा भारती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्ठ (ट्विटर) पर एक भावुक और राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण पोस्ट साझा की है। उमा भारती ने नरोत्तम मिश्रा द्वारा आशुतोष तिवारी के नामांकन में शामिल होने के फैसले को राजनीति का एक आदर्श उदाहरण करार दिया है। उमा भारती ने अपनी पोस्ट में पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के प्रति गहरा स्नेह और सम्मान प्रकट करते हुए उनके रुख की जमकर सराहना की। उन्होंने लिखा- मैं नरोत्तम मिश्रा का बहुत सम्मान एवं स्नेह रखती हूं। आशुतोष तिवारी के नाम की घोषणा के बाद नरोत्तम ने स्वयं कहा कि वे आशुतोष के नामांकन में भागीदारी करेंगे। उनका यह कदम उनका बड़प्पन दर्शाता है और यह पार्टी में एक आदर्श उदाहरण है।

वृंदावन से आशुतोष को दिया 'उन्मुक्त मन से' आशीर्वाद

पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि वे इस समय धार्मिक नगरी वृंदावन में हैं। उन्होंने बताया कि टिकट फाइनल होने के बाद दतिया से भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने उन्हें फोन किया था। उमा भारती ने लिखा कि आशुतोष ने फोन कर उनसे जीत का आशीर्वाद मांगा, जिसे उन्होंने उन्मुक्त मन से सहर्ष दे दिया है।

डैमेज कंट्रोल में मिलेगी मदद

दतिया उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चाएं तेज थीं कि टिकट कटने के बाद नरोत्तम मिश्रा खेमा क्या रुख अपनाता है। लेकिन नरोत्तम मिश्रा के सकारात्मक बयान और अब उमा भारती द्वारा खुलकर आशुतोष तिवारी के समर्थन में आने से भाजपा के भीतर चल रहे असंतोष को शांत करने में बड़ी मदद मिलेगी। उमा भारती का यह बयान दतिया के कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और चुनावी डैमेज कंट्रोल के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

भ्रष्टाचार के मामलों में 25फीसद राजपत्रित अधिकारी शामिल

-लोकायुक्त की कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट से हुए चौंकाने वाले खुलासे

-रिश्वतखोरी और आय से अधिक संपत्ति के मामलों में वरिष्ठ अधिकारियों पर भी कार्रवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर लोकायुक्त संगठन की कार्रवाई और जांच रिपोर्टों में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। लोकायुक्त (स्पेशल पुलिस एस्टेब्लिशमेंट) द्वारा तैयार आंकड़ों के अनुसार, राज्य में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से जुड़े मामलों में पकड़े गए आरोपितों में लगभग 25 प्रतिशत राजपत्रित अधिकारी हैं। इन मामलों में कनिष्ठ कर्मचारियों के साथ-साथ वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी जांच के दायरे में आए हैं।

लोकायुक्त की वार्षिक रिपोर्टों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में भ्रष्टाचार के मामलों के खुलासे और कार्रवाई की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े गए सरकारी कर्मचारियों में पटवारी, लिपिक, इंजीनियर, चिकित्सा अधिकारी और विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा कई वरिष्ठ राजपत्रित अधिकारियों के खिलाफ भी भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामलों की जांच की गई है।

लोकायुक्त की विशेष टीमों ने कई सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी कर करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्ति, नकदी, सोना तथा अन्य मूल्यवान संपत्तियां बरामद की हैं। जांच में कई मामलों में आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक संपत्ति होने के प्रमाण मिलने का दावा किया गया है। ऐसे मामलों में विस्तृत वित्तीय जांच और कानूनी कार्रवाई जारी है।

हालांकि, लोकायुक्त की कार्रवाई के बावजूद भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजन की प्रक्रिया बड़ी चुनौती बनी हुई है। अधिकारियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करने के लिए संबंधित विभागों से अभियोजन स्वीकृति आवश्यक होती है, लेकिन कई मामलों में यह मंजूरी मिलने में वर्षों लग जाते हैं। इसके कारण आरोपित अधिकारियों के विरुद्ध न्यायिक प्रक्रिया लंबी खिंच जाती है और मामलों के अंतिम निपटारे में विलंब होता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए समयबद्ध अभियोजन स्वीकृति, पारदर्शी जांच प्रक्रिया और त्वरित न्यायिक कार्रवाई आवश्यक है। वहीं, लोकायुक्त संगठन का कहना है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। लोकायुक्त के ताजा आंकड़ों ने राज्य में प्रशासनिक जवाबदेही और सुशासन को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

नगर पालिका में 7.78 करोड़ रुपये के गबन मामले में एफआईआर

भोपाल। नर्मदापुरम की नगर पालिका में 7 करोड़ 78 लाख रुपये के कथित गबन का मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया है। नगर पालिका के दो कर्मचारियों पर जनता से वसूले गए टैक्स की राशि को सरकारी खाते में जमा करने के बजाय हेराफेरी कर गबन करने के गंभीर आरोप लगे हैं। नगर पालिका उपाध्यक्ष की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में नगर पालिका के सहायक राजस्व निरीक्षक (एआरआई) हरीश गोस्वामी और कंप्यूटर ऑपरेटर भुवन मेहता को आरोपी बनाया गया है। दोनों पर अपने पद का दुरुपयोग कर सरकारी राजस्व में अनियमितता और वित्तीय हेराफेरी करने के आरोप लगे हैं। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि टैक्स वसूली से संबंधित रसीदों और नगर पालिका के ऑनलाइन रिकॉर्ड में कथित रूप से कूटरचना और छेड़छाड़ की गई। आरोप है कि नागरिकों से वसूली गई करीब 7.78 करोड़ रुपये की कर राशि को सरकारी खजाने में जमा कराने के बजाय उसका गबन किया गया। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को लिखित शिकायत सौंपी थी। शिकायत के आधार पर कोतवाली पुलिस ने बीती देर रात विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस वित्तीय दस्तावेजों, टैक्स संग्रह के रिकॉर्ड और ऑनलाइन लेनदेन का मिलान कर रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे प्रकरण का विस्तृत वित्तीय ऑडिट कराया जा रहा है। जांच के दौरान यदि अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों या बाहरी व्यक्तियों की संलिप्तता के साक्ष्य मिलते हैं तो उन्हें भी जांच के दायरे में लाया जाएगा। फिलहाल दोनों आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है तथा आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं।

बरगी बांध को छोड़ प्रदेश के सभी बोट क्लबों से प्रतिबंध हटा

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून के दौरान जलाशयों में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सुरक्षा कारणों से लगाए गए प्रतिबंध को हटा लिया गया है। प्रशासन ने बरगी बांध को छोड़कर प्रदेश के सभी बोट क्लबों पर लगी रोक हटा दी है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन सहित अन्य जिलों के बोट क्लबों में नौकायन गतिविधियां फिर से शुरू हो सकेंगी। प्रत्येक बोट क्लब को मौसम की स्थिति, जलस्तर और सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा। यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य रहेगा। खराब मौसम या तेज वर्षा की स्थिति में स्थानीय प्रशासन आवश्यकता अनुसार संचालन पर रोक लगा सकेगा।

आज आएगा हाईकोर्ट का फैसला, मप्र के लाखों कर्मचारियों की धड़कने हाई

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी सरकारी विभागों में पदोन्नति प्रक्रिया शुरु कर दी है। सभी विभाग अपने अधिकारियों और कर्मचारियों की वरिष्ठता के आधार पर सूची तैयार कर रहे हैं। इनको विभागीय प्रमोशन कमेटियों के बीच रखा जा रहा है। जिससे इनकी सीआर समेत अन्य दस्तावेजों की पड़ताल कर जल्द पदोन्नत आदेश किया जा सके। उधर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रमोशन को लेकर मिशन मोड में दिख रहे हैं। उन्होंने इसकी निगरानी सीएम हाउस करने के निर्देश दिए हैं। इस बीच हाई कोर्ट में पदोन्नति को लेकर 13 जुलाई को मोहन सरकार अपना जबाव पेश करेगी। इसके बाद कोर्ट अंतिम निर्णय देगा। ऐसे में कर्मचारियों को डर है कि यदि कोर्ट फिर से रोक लगाता है, उनके प्रमोशन में भी अड़ंगा लग जाएगा।

करीब 10 साल बाद प्रदेश शुरु हुई सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सख्त रुख अपनाया है। जिन विभागों में अब तक प्रमोशन आदेश जारी नहीं हुए हैं, वहां की प्रगति पर मुख्यमंत्री कार्यालय सीधे नजर रखेगा। सभी विभागों को पदोन्नति से जुड़ी पूरी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पात्र कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति और उसका लाभ मिल सके। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस देरी को गंभीरता से लेते हुए सभी विभागीय मंत्रियों को निर्देश दिए हैं कि वे व्यक्तिगत रूप से प्रक्रिया की समीक्षा करें और किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने दें। लेकिन 11 जुलाई को शनिवार और 12 जुलाई को रविवार होने के कारण विभागों में पदोन्नति को लेकर कोई काम नहीं हुआ, जबकि 13 जुलाई सरकार अपना जबाव पेश करेगी। इसके बाद कोर्ट फैसला सुनाएगी।

कोर्ट ने रोक लगाई तो क्या प्रमोशन होगा रिवर्ट

कर्मचारी नेता उमांशकर तिवारी के अनुसार, महाधिवक्ता प्रशांत सिंह की एक चिठ्ठी के बाद प्रदेश में प्रमोशन प्रक्रिया शुरु हो गई है। उनके पत्र में उल्लेख था, कि प्रमोशन पर कोर्ट की तरफ से कोई रोक नहीं है। तिवारी का कहना है कि, जब कोई रोक नहीं थी, तो सरकार ने इतने लंबे समय तक प्रमोशन प्रक्रिया को लंबित क्यों रखा। जबकि इस बीच लाखों कर्मचारी बिना प्रमोशन के उसी पद पर रिटायर हो गए, जिनमें उनकी नियुक्ति हुई थी। तिवारी का कहना है कि महाधिवक्ता ने स्पष्ट कहा है कि, 2023 के नियमों के तहत पदोन्नति नहीं होगी। जबकि अंतिम फैसला कोर्ट को करना है। यदि मान लें कि कोर्ट पदोन्नति के प्रक्रिया में रोक लगती है, तो क्या जिनकों प्रमोशन मिल गया है, उनका प्रमोशन वापस होगा।

डेढ़ लाख कर्मचारियों को फायदा, सीएम ऑफिस से निगरानी

पदोन्नति प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय ने सीधी मानिटरिंग का फैसला किया है। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अब तक जारी किए गए और लंबित पदोन्नति आदेशों का पूरा विवरण निर्धारित आनलाइन पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करें। अगले सप्ताह मुख्यमंत्री स्वयं विभागवार समीक्षा करेंगे और यह जानेंगे कि किन विभागों में प्रक्रिया तेज है और कहां अभी भी फाइलें लंबित हैं। बता दें कि सरकार की इस पहल से प्रदेश के करीब एक से डेढ़ लाख अधिकारियों और कर्मचारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

प्रमोशन प्रक्रिया के खिलाफ कोर्ट जाने की तैयारी

सामान्य प्रशासन विभाग ने नई पदोन्नति नीति के तहत सभी विभागों को प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। सरकार इसे कानूनी राय के आधार पर लिया गया एक वैधानिक और सही फैसला बता रही है, वहीं दूसरी तरफ इस पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। सामान्य, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी कर्मचारी संस्था के प्रदेश अध्यक्ष केएस तोमर ने इस नई नीति का कड़ा विरोध किया है। सपाक्स का आरोप है कि सरकार ने इस नीति को तैयार करते समय हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों की पूरी तरह अनदेखी की है। संगठन ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि इस फैसले को वापस नहीं लिया गया, तो वे इसके खिलाफ अदालत का रुख करेंगे और साथ ही पूरे प्रदेश में बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे।

कंप्यूटर ऑपरेटरों का शोषण बंद कर नियमितीकरण करें सरकार

- 53 विभागों में कार्यरत ऑपरेटरों की समस्याएं उठाईं

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने प्रदेश के शासकीय एवं अर्धशासकीय विभागों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों के शोषण का आरोप लगाते हुए उनके नियमितीकरण और योग्यता के अनुरूप वेतनमान देने की मांग की है। मंच ने इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र भेजकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि प्रदेश के 53 शासकीय विभागों तथा निगम-मंडलों में बड़ी संख्या में कंप्यूटर ऑपरेटर कार्यरत हैं, लेकिन वर्षों की सेवा के बावजूद उन्हें नियमित नहीं किया गया है और न ही उनकी योग्यता एवं कार्य के अनुरूप वेतन दिया जा रहा है। इससे कर्मचारियों में असंतोष का माहौल है।

उन्होंने कहा कि कई कंप्यूटर ऑपरेटर 10 वर्ष या उससे अधिक समय से सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें नियमित वेतनमान और स्थायी सेवा का लाभ नहीं मिल रहा। जबकि ये कर्मचारी सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और उन्हें आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अशोक पांडे का आरोप है कि नौकरशाही कंप्यूटर ऑपरेटरों के हित में कोई ठोस प्रस्ताव तैयार कर सरकार को नहीं भेज रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि कंप्यूटर ऑपरेटरों का शोषण बंद कर उन्हें नियमित किया जाए तथा उनकी योग्यता और कार्य के अनुरूप वेतनमान प्रदान किया जाए, ताकि उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य मिल सके।

14 जुलाई से शुरु होगी भारत और इंग्लैंड के बीच एकदिवसीय सीरीज

रोहित और विराट खेलते दिखेंगे

लंदन। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में हार के बाद अब 14 जुलाई से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए उतरेगी। एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा भी खेलते हुए दिखेंगे। श्रेयस अय्यर की कप्तान में भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब शुभमन का लक्ष्य एकदिवसीय सीरीज में इंग्लैंड को हराकर भारतीय टीम पर उठ रहे सवालों के जबाव देना रहेगा।

भारतीय टीम की नजरें एकदिवसीय सीरीज में बड़ी जीत दर्ज करना रहेगगा। तीन मैचों की ये सीरीज 14 जुलाई से शुरु होगी। इसको लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। इस सीरीज में दिग्गज बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली का लक्ष्य बेतर प्रदर्शन करना रहेगा।

इस एकदिवसीय

एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ-साथ जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, कुलदीप यादव जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी अभ्यास सत्रों में हिस्सा ले रहे हैं। टीम के खिलाड़ी पहले एकदिवसीय के लिए बर्मिंघम पहुंच चुके हैं और 11 जुलाई को उन्होंने जमकर अभ्यास भी किया। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 14 जुलाई 2026 को एजबेस्टन, बर्मिंघम में भारतीय समय अनुसार शाम 3:30 बजे से खेला जाएगा। वहीं दूसरा एकदिवसीय मैच 16 जुलाई 2026 को सोफिया गार्डन्स, कार्डिफ में शाम 5:30 बजे (डे-नाइट) शुरू होगा। दौरे और सीरीज का तीसरा मैच लॉर्ड्स में 19 जुलाई 2026 को दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा।

वैभव के लिए अच्छा नहीं रहा इंग्लैंड दौरा

लंदन। 15 साल के उभरते हुए भारतीय टीम के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए इंग्लैंड दौरा अच्छा नहीं रहा। इसमें वैभव एक भी मैच में अधिक रन नहीं बना पाये। वह दूसरे मैच में 14 ,तीसरे में 13 और चौथे में 15 रन ही बना पाये। इससे उन्हें पांचवे और अंतिम टी20 के लिए शामिल नहीं किया गया। वैभव को जब पांचवें टी20 मुकाबले में जगह नहीं मिली तो वह निराशा नजर आये। वहीं मैच में भारतीय टीम की हार के बाद वह अपने को रोक नहीं पाये और रोने लगे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है।

इंग्लैंड दौरा भारतीय टीम के लिए बेहद खरा रहा। टीम को पांच मैचों की सीरीज में 4-0 की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा, वहीं एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया।

इस मैच में मेजबान टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने 131 रनों की आक्रामाक पारी खेली। वहीं, कप्तान हैरी ब्रूक ने केवल 45 गेंदों में नाबाद 95 रन बनाकर इंग्लैंड को 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 257 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। इस पहाड़ जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर केवल 201 रन ही बना सकी और 56 रनों से मुकाबला हार गयी। इस सीरीज के दूसरे मैच से वैभव ने अपना अंतरराष्टीय डेब्यू किया था।

अभिषेक ने बनाया अनूठा रिकार्ड

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टी20 क्रिकेट मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने उतरते ही एक ऐसा अनोखा रिकार्ड बनाया है। जिससे उनका नाम क्रिकेट इतिहास में दर्ज हो गया है। अभिषेक टी20 क्रिकेट में बिना किसी अन्य प्रारूप (जैसे एकदिवसीय या टेस्ट) में डेब्यू किए सबसे ज्यादा अंतरराष्टीय मैच खेलने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन गये हैं। हासिल किया। यह अभिषेक के करियर का 53वां टी20 अंतरराष्टीय मैच था। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के सैमुअल बद्री के नाम था, जिन्होंने किसी और प्रारुप में खेले बिना 52 टी20 मुकाबले खेले थे।

अभिषेक ने अभी तक भारत के लिए एकदिवसीय या टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। हालांकि, टी20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। 53 मैचों में उन्होंने 32.36 की औसत और 190.36 के तूफानी स्ट्राइक रेट से कुल 1618 रन बनाए हैं, जिसमें दो शानदार शतक भी शामिल हैं। उनकी बेहतरीन फॉर्म के चलते वह आईसीसी टी20 रैंकिंग में भी शीर्ष-2 बल्लेबाजों में शामिल हैं, जो उनकी प्रतिभा और लगातार प्रदर्शन का प्रमाण है। अभिषेक का यह रिकॉर्ड उन खास खिलाड़ियों की सूची में उन्हें शीर्ष पर रखता है जिन्होंने केवल टी20 अंतरराष्टीय में ही अपनी पहचान बनाई है। उनके बाद सैमुअल बद्री (52 मैच), जिम्बाब्वे के ताशिंगा मुसेकिवा (41), श्रीलंका के नुवान तुषारा (30) और भारत के ही हर्षल पटेल (25) जैसे खिलाड़ी इस सूची में शामिल हैं, जिन्होंने अन्य प्रारूपों में डेब्यू किए बिना सबसे अधिक टी20 मैच खेले हैं।

कार्टी और होप के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

सीरीज में 1-0 की बढ़त मिली

जमैका। वेस्टइंडीज ने पांच एकदिवसीय मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड को सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है

इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते 267 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 268 रनों के लक्ष्य को लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने केसी कार्टी और कप्तान शाई होप के तेजी से बनाये अर्धशतकों की सहायता से 48.5 ओवरों में ही तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर मुकाबला जीत लिया।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही पर , कार्टी और होप ने बीच के ओवरों में तेजी से खेलते हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के गेंदबाजों के सभी प्रयास विफल कर दिये। केसी कार्टी ने 112 गेंदों पर 10 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 95 रन बनाए जबकि होप ने 92 गेंदों पर 4 चौकों और 4 छक्कों की सहायता से नाबाद 87 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। अकीम ऑगस्ट ने 38, शेरफेन रदरफोर्ड ने 22 और जॉन कैंपबेल ने 11 रन बनाये।

वहीं इससे पहले मेजबान टीम ने टॉस जीतकर कीवियों को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित 49.5 ओवर में 267 रन ही बना पायी। न्यूजीलैंड की ओर से डेरिल मिचेल ने 73 गेंदों में 65 रन जबकि विल यंग ने 49 रन बनाये। वह पूरे समय मेजबान गेंदबाजों के सामने दबाव में रही। अल्जारी जोसेफ ने चार विकेट लिए जबकि विटेल लॉज ने तीन विकेट लिए। वहीं गुडाकेस मोती को दो और खारी पियरे को केवल एक विकेट मिला। मैच में कीवी गेंदबाजी लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे।जेडेन लेनॉक्स, जैकब डफी और माइकल ब्रेसवेल एक-एक विकेट ही ले पाये।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वरुण की जगह पर बिश्नोई शामिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के इस माह के अंत में होने वाले जिम्बाब्वे दौरे के लिए टीम में बदलाव किया गया है। भारतीय टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। अनुभवी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के चोटिल होने के कारण उनकी जगह रवि बिश्नोई को शामिल किया गय है। वरुण इंग्लैंड के खिलाफ हुई टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल थे। उस सीरीज में उन्हें तीन मैचों के लिए चुना गया था, हालांकि, बारिश के कारण पहला मैच रद्द होने की वजह से वे केवल दो मैचों में ही गेंदबाजी कर पाए थे।

बिश्नोई की टीम में वापसी से उन्हें एक बार फिर अपने को साबित करने का अवसर मिला है। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए शुरुआती टीम में उन्हें शामिल नहीं किया गया था पर वरुण की चोट से उन्हें वापसी का अवसर मिल गय है। बिश्नोई इंग्लैंड दौरे पर भी भारतीय स्क्वाड का हिस्सा थे, जिससे यह संकेत मिलता है कि चयनकर्ता उनकी प्रतिभा और भविष्य की संभावनाओं को लेकर आश्वस्त हैं, भले ही उनका प्रदर्शन हाल में उम्मीद के अनुसार न रहा हो।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। वहीं दूसरे टी20 मुकाबले में, बिश्नोई ने अपने चार ओवर के स्पेल में 60 रन लुटा दिए थे, जो टीम इंडिया की हार का एक बड़ा कारण बना था। इस प्रदर्शन के बाद, उन्हें सीरीज के बाकी बचे तीन मैचों के लिए अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया था। अब जिम्बाब्वे सीरीज में उन्हें एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने को फिर से साबित करने का एक और सुनहरा अवसर मिला है। टीम और प्रशंसकों को उनसे उम्मीद होगी कि वह अपने प्रदर्शन से आलोचकों को जवाब दें और अपनी स्पिन गेंदबाजी से टीम को मजबूती प्रदान करें।

भारतीय टीम का जिम्बाब्वे दौरा इस महीने के आखिर में शुरू होगा। दोनों टीमों के बीच सीरीज का पहला मैच 23 जुलाई को हरारे में खेला जाएगा. सीरीज का दूसरा मुकाबला 25 और तीसरा 26 जुलाई को हरारे में ही खेला जाएगा।

टीम इस प्रकार है

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उपकप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)!

फीफा विश्व कप 2026 में अब सेमीफाइनल से फाइनल तक के रोमांचक मुकाबलों का इंतजार

अटलांटा । फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 टूर्नामेंट अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और दुनिया की चार दिग्गज फुटबॉल टीमें विश्व चैंपियन बनने की दौड़ में बची हैं। पहला सेमीफाइनल भारतीय समयानुसार बुधवार, 15 जुलाई को रात 12:30 बजे फ्रांस और स्पेन के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार, 16 जुलाई को रात 12:30 बजे इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच होगा। दोनों मुकाबलों के विजेता फाइनल में पहुंचेंगे, जबकि हारने वाली टीमें तीसरे स्थान के लिए प्ले-ऑफ में आमने-सामने होंगी। विश्व कप का कार्यक्रम फीफा द्वारा जारी आधिकारिक नॉकआउट शेड्यूल के अनुसार तय किया गया है।

फुटबॉल प्रशंसकों की सबसे अधिक नजर पहले सेमीफाइनल पर रहेगी, जहां मौजूदा यूरोपीय फुटबॉल की दो मजबूत टीमें फ्रांस और स्पेन आमने-सामने होंगी। फ्रांस ने पूरे टूर्नामेंट में संतुलित और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया है, जबकि स्पेन ने अपनी पारंपरिक पासिंग शैली और गेंद पर नियंत्रण के दम पर अंतिम चार में जगह बनाई है। दोनों टीमों के बीच मुकाबला रणनीति, गति और अनुभव की कड़ी परीक्षा माना जा रहा है।

दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच विश्व फुटबॉल की सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्विताओं में से एक देखने को मिलेगी। इंग्लैंड ने क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे को हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया, जबकि गत चैंपियन अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को मात देकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। दोनों टीमों के पास मैच का रुख बदलने वाले कई स्टार खिलाड़ी मौजूद हैं, जिससे यह मुकाबला भी बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। दोनों सेमीफाइनल में हारने वाली टीमें रविवार, 19 जुलाई को भारतीय समयानुसार सुबह 2:30 बजे तीसरे स्थान के लिए प्ले-ऑफ मुकाबला खेलेंगी। इसके बाद सोमवार, 20 जुलाई को रात 12:30 बजे विश्व कप 2026 का फाइनल खेला जाएगा, जिसमें दोनों सेमीफाइनल की विजेता टीमें आमने-सामने होंगी। करोड़ों फुटबॉल प्रशंसकों की नजरें इस खिताबी मुकाबले पर टिकी रहेंगी, क्योंकि यहीं से नए विश्व चैंपियन का फैसला होगा।

फुटबॉल विशेषज्ञों और पूर्व खिलाड़ियों की राय में इस बार खिताबी मुकाबला फ्रांस और अर्जेंटीना के बीच होने की प्रबल संभावना है। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है और अनुभव के साथ-साथ मजबूत आक्रमण तथा संतुलित रक्षा पंक्ति का प्रदर्शन किया है। हालांकि स्पेन और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमें भी उलटफेर करने में सक्षम हैं, इसलिए सेमीफाइनल के नतीजे पहले से तय मानना जल्दबाजी होगी। इसके बावजूद मौजूदा फॉर्म को देखते हुए फ्रांस और अर्जेंटीना को फाइनल का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है, जिससे एक बार फिर विश्व फुटबॉल के दो दिग्गजों के बीच यादगार खिताबी मुकाबला देखने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर फीफा विश्वकप के सेमीफाइनल में जगह बनायी

कांसस सिटी । अर्जेंटीना ने यहां खेले गये फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस मैच में हालांकि टीम के स्टार खिलाड़ी और कप्तान लियोनल मेसी एक भी गोल नहीं कर पाये। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही अर्जेंटीना की टीम रिकॉर्ड सातवीं बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा है। वहीं यह लगातार चौथी बार है जब टीम ने अंतिम-4 में प्रवेश किया है। अब 15 जुलाई को सेमीफाइनल में उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

इस मैच में प्रशंसकों को मेसी से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी पर वह फीके रहे। जब अर्जेंटीना की टीम मैदान पर उतरी, तो प्रशंसक के बीच मेसी, मेसी का नाम गूंज रहा था पर वह असफल रहे । टीम को अन्य खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन से जीत मिली। मैच के पहले हाफ में अर्जेंटीना ने अच्छी शुरुआत की और 10वें मिनट में ही मेसी के क्रॉस पर एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

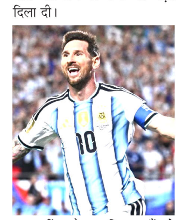

वहीं इसके बाद स्विट्जरलैंड ने अच्छी वापसी करते हुए दूसरे हाफ में डैन न्डोये के 67वें मिनट में किए गए गोल से स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। तय समय तक दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी पर रहीं। इससे मुकाबला अतिरिक्त समय में पहुंच गया। इसमें 15 मिनट के पहले अतिरिक्त समय में दोनो ही टीमों ने गोल के प्रयास किये पर असफल रहीं। वहीं दूसरे अतिरिक्त समय में अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी। 112वें मिनट में जूलियन अल्वारेज ने एक गोल करके अर्जेंटीना को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद मैच खत्म होने से कुछ क्षण पहले ही 120वें मिनट में लौटारो मार्टिनेज ने एक और गोल दागकर अपनी टीम को 3-। से आगे कर स्विट्जरलैंड की जीत के सपने को तोड़ दिया। इस जीत से ये साफ हो गया कि टीम जीत के लिए मेसी पर ही निर्भर नहीं है। उसके अन्य खिलाड़ी भी काफी अच्छे हैं जो एकजुट होकर टीम को जीत दिला सकते हैं। अब अर्जेंटीना का मुकाबला सेमीफाइनल में इंग्लैंड से होगा।

- क्रिकेट इतिहास का अनोखा किस्सा

लाइव मैच के दौरान अंपायर ने काटे सुनील गावस्कर के बाल

नई दिल्ली। क्रिकेट के इतिहास में कई ऐसे रोचक किस्से दर्ज हैं, जिन्हें आज भी खिलाड़ी और प्रशंसक बड़े चाव से याद करते हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प वाकया भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर से जुड़ा है। अपनी शानदार तकनीक, धैर्य और एकाग्रता के लिए प्रसिद्ध गावस्कर के साथ एक टेस्ट मैच के दौरान ऐसी स्थिति बन गई कि उन्हें बीच मैदान पर अंपायर से अपने बाल कटवाने पड़े। यह घटना क्रिकेट इतिहास की सबसे अनोखी और यादगार घटनाओं में गिनी जाती है। यह किस्सा वर्ष 1974 में भारत के इंग्लैंड दौरे का है। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच खेला जा रहा था। उस समय सुनील गावस्कर अपेक्षाकृत लंबे बाल रखते थे। मैच के दौरान तेज हवा चल रही थी, जिसके कारण उनके सामने के बाल बार-बार आंखों पर आ रहे थे। बल्लेबाजी करते समय इससे उन्हें गेंद को ठीक से देखने और उसकी दिशा का अनुमान लगाने में परेशानी हो रही थी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों का सामना करते हुए एक छोटी सी चूक भी विकेट गंवाने का कारण बन सकती थी।

स्थिति को देखते हुए गावस्कर ने मैदान पर मौजूद अंपायर डिकी बर्ड से मदद मांगी। उन्होंने बताया कि बाल उनकी बल्लेबाजी में बाधा बन रहे हैं और यदि इन्हें थोड़ा छोटा कर दिया जाए तो उन्हें राहत मिलेगी। शुरुआत में यह अनुरोध सुनकर डिकी बर्ड भी हैरान रह गए, लेकिन संयोग से उनके पास एक छोटी कैंची मौजूद थी, जिसका उपयोग वे सामान्यत: गेंद की सीम या निकले हुए धागे को काटने के लिए करते थे। उन्होंने उसी कैंची से मैदान पर ही गावस्कर के सामने के बाल हल्के-से ट्रिम कर दिए। अंपायर द्वारा लाइव मैच के दौरान खिलाड़ी के बाल काटने का यह दृश्य खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए बेहद मनोरंजक बन गया। मैदान पर मौजूद सभी लोग मुस्कुराने लगे और माहौल हल्का हो गया। बाल कटने के बाद गावस्कर ने राहत महसूस की और बिना किसी परेशानी के अपनी बल्लेबाजी जारी रखी। यह घटना आज भी क्रिकेट के सबसे रोचक प्रसंगों में शामिल मानी जाती है।

सुनील गावस्कर का क्रिकेट करियर भी उतना ही शानदार रहा। उन्होंने वर्ष 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और अपनी पहली ही श्रृंखला में 154.80 की औसत से रिकॉर्ड 774 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने चार शतक और तीन अर्धशतक लगाए। किसी भी बल्लेबाज द्वारा अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला में बनाए गए सर्वाधिक रन का यह रिकॉर्ड आज भी कायम है। हेलमेट के बिना दुनिया के सबसे तेज गेंदबाजों का सामना करते हुए किया गया उनका यह प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे महान उपलब्धियों में गिना जाता है। गावस्कर ने न केवल अपने रनों से भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई, बल्कि विदेशी परिस्थितियों में भारतीय क्रिकेट को नई पहचान और आत्मविश्वास भी प्रदान किया।

क्रिकेट के इन 5 हीरो की दास्तां आपको देगी हौसला

नई दिल्ली । 22 गज की वह पिच, जहां 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आती गेंदें और मैदान में मौजूद हजारों दर्शकों का शोर अच्छे-अच्छों के पैर डिगा देता है, वहां सिर्फ हुनर नहीं, लोहे जैसी इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। जब किस्मत किसी खिलाड़ी से उसकी शारीरिक क्षमता का एक हिस्सा छीन लेती है, तो दुनिया मान लेती है कि सफर खत्म हो गया। लेकिन कुछ जुनूनी ऐसे होते हैं जो किस्मत के लिखे को अपने हौसले से बदल देते हैं। आज हम बता रहे है क्रिकेट इतिहास के उन 5 जांबाजों की दास्तां, जिन्होंने अपनी अपंगता और शारीरिक चुनौतियों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और खेल की दुनिया में खूब नाम कमाए।

साल 1961 में इंग्लैंड में एक भयानक कार हादसे में 20 साल के नौजवान मंसूर अली खान पटौदी ने अपनी दाईं आंख की रोशनी हमेशा के लिए खो दी। डॉक्टरों ने कहा कि अब वह कभी ढंग से देख नहीं पाएगा, क्रिकेट खेलना तो दूर की बात है। लेकिन जिन्हें दुनिया टाइगर पटौदी के नाम से जानती थी, उस नवाब पटौदी ने हार नहीं मानी। उन्होंने एक आंख से ही गेंद की लेंथ को भांपने का अभ्यास किया। जब वह मैदान पर उतरते, तो उन्हें एक की जगह दो गेंदें नजर आती थीं, लेकिन अपने कड़े अभ्यास से उन्होंने सही गेंद को हिट करना सीख लिया। हादसे के कुछ ही महीनों बाद उन्होंने न सिर्फ भारतीय टीम में वापसी की, बल्कि महज 21 साल की उम्र में भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे युवा कप्तान भी बने। इतना ही नहीं, यह उनकी जांबाज कप्तानी का ही कमाल था कि साल 1968 में भारत ने विदेश (न्यूजीलैंड) में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतकर इतिहास रचा था। जब भागवत चंद्रशेखर बचपन में पोलियो के शिकार हुए, तो उनका दायां हाथ कमजोर और लकवाग्रस्त हो गया। किसी भी आम इंसान के लिए यह एक बहुत बड़ा झटका होता, खासकर उसके लिए जो खिलाड़ी बनना चाहता हो। लेकिन चंद्रशेखर ने अपनी इस कमजोरी को ही दुनिया का सबसे खतरनाक हथियार बना लिया। उन्होंने अपने पतले और पोलियोग्रस्त दाएं हाथ से लेग स्पिन गेंदबाजी करना शुरू किया। उनका यह हाथ सामान्य से ज्यादा लचीला हो गया था, जिससे वह गेंद को अप्रत्याशित गति और बाउंस दे पाते थे। बल्लेबाज समझ ही नहीं पाते थे कि गेंद कब स्पिन होगी और कब तेज आएगी। उन्होंने भारत के लिए 58 टेस्ट मैच खेले और विपक्षी टीमों के पसीने छुड़ाते हुए 242 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने साबित किया कि अगर हौसला बुलंद हो, तो शरीर की कमजोरी भी आपकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

क्रिकेट में तकनीक और दोनों हाथों का संतुलन सबसे अहम माना जाता है। लेकिन इंग्लैंड के महान बल्लेबाज सर लेन हटन की कहानी हैरान करने वाली है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक सैन्य प्रशिक्षण में वह गंभीर रूप से चोटिल हो गए और उनके हाथ का ऑपरेशन करना पड़ा, जिसके बाद उनका बायां हाथ उनके दाएं हाथ से करीब 2 इंच छोटा हो गया। एक बल्लेबाज के लिए यह करियर खत्म होने जैसा था, लेकिन हटन ने हार मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी की तकनीक को बदला, ग्रिप में बदलाव किया और दोबारा मैदान पर उतरे। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 79 टेस्ट मैच खेले और 19 सेंचुरीज के साथ 6,971 रन बनाए। उनका यह जज्बा बताता है कि मैदान पर कद हाथों की लंबाई से नहीं, इरादों की ऊंचाई से नापा जाता है।

महज 13 साल की उम्र में एक दर्दनाक फोर्कलिफ्ट एक्सीडेंट ने न्यूजीलैंड के मार्टिन गप्टिल के बाएं पैर के पंजे की तीन उंगलियां छीन ली थीं। उस वक्त शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह लड़का कभी दौड़ भी पाएगा। लेकिन गप्टिल के पैर में भले ही उंगलियां न हों, उनके सपनों में गजब की उड़ान थी। गप्टिल ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए जूते पहने और मैदान पर उतर पड़े। वह न सिर्फ न्यूजीलैंड के सबसे विस्फोटक ओपनर बने, बल्कि दुनिया के सबसे शानदार फील्डर्स में से एक कहलाए। वनडे क्रिकेट में 237 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलने वाले गप्टिल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सालों तक न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया। आज भी दुनिया भर की टी20 लीग में उनकी बल्लेबाजी देखकर कोई अंदाजा नहीं लगा सकता कि इस खिलाड़ी के पैर में तीन अंगुलियां नहीं हैं।

शारीरिक चोटों से लड़ना एक बात है, लेकिन एक ऐसी बीमारी से लड़ना जो सीधे आपके दिमाग पर हमला करती हो, बेहद खौफनाक है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान टोनी ग्रेग एपिलेप्सी यानी मिर्गी की बीमारी से पीड़ित थे। उन्हें अक्सर गंभीर दौरे पड़ते थे, जिससे उनका शरीर बेकाबू हो जाता था। इस दिमागी बीमारी के साये में भी टोनी ग्रेग ने हार नहीं मानी। वह मैदान पर उतरते रहे, रन बनाते रहे और विकेट चटकाते रहे। उन्होंने न सिर्फ इंग्लैंड के लिए 58 टेस्ट मैच खेले, बल्कि टीम की कप्तानी भी की। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 8 शानदार शतक और 141 विकेट दर्ज हैं। बाद में वह दुनिया के सबसे लोकप्रिय कमेंटेटर भी बने। इन सभी खिलाड़ियों ने साबित किया कि विपरीत परिस्थितियों में भी अगर हौसला और लगन हो, तो कुछ भी असंभव नहीं है।

देश का पहला रिटेल कंजम्प्शन सर्वे शुरू करने पर विचार कर रही है केंद्र सरकार

किराने से लेकर कपड़ों तक, अब हर खरीदारी का हिसाब रखेगी सरकार!

नई दिल्ली। देश में लोग किस सामान पर सबसे ज्यादा खर्च करते हैं, कौन-सी चीजें सबसे अधिक खरीदी जाती हैं और अलग-अलग राज्यों में उपभोक्ताओं की खरीदारी की आदतें कैसी हैं, इसका सटीक रिकॉर्ड अब सरकार के पास हो सकता है। केंद्र सरकार देश का पहला रिटेल कंजम्प्शन सर्वे शुरू करने पर विचार कर रही है। इस सर्वे का मकसद देशभर में उपभोक्ताओं के खरीदारी के पैटर्न को समझना और रिटेल बाजार से जुड़ा विस्तृत डेटा जुटाना है।

जानकारी के मुताबिक, इस सर्वे को सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय कराएगा। हालांकि, इसे कब शुरू किया जाएगा, इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। मंत्रालय फिलहाल इसके दायरे और समय-सीमा पर काम कर रहा है। प्रस्तावित सर्वे में नेशनल इंडस्ट्रियल क्लासिफिकेशन के तहत आने वाले लगभग सभी तरह के रिटेल कारोबार शामिल होंगे। यानी किराना स्टोर, सुपरमार्केट, बर्तन की दुकान, मशीनरी स्टोर, मेडिकल स्टोर, कपड़ों की दुकान, इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम

और अन्य खुदरा कारोबार से जुड़े प्रतिष्ठानों का डेटा जुटाया जाएगा। इस सर्वे में टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं जैसे टीवी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन के साथ-साथ रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुओं जैसे खाद्यान्न, दवाइयां और कपड़ों की बिक्री का भी रिकॉर्ड रखा जाएगा। सरकार का उद्देश्य यह जानना है कि अलग-अलग राज्यों और शहरों में किस तरह की वस्तुओं की मांग सबसे ज्यादा है।

मौजूदा सर्वे से कैसे होगा अलग?

यह नया सर्वे मौजूदा हाउसहोल्ड कंजम्प्शन एक्सपेंडिचर सर्वे से अलग होगा। हाउसहोल्ड कंजम्प्शन एक्सपेंडिचर सर्वे में यह देखा जाता है कि किसी परिवार ने एक निश्चित अवधि में कितना सामान इस्तेमाल किया। जबकि रिटेल कंजम्प्शन सर्वे इस बात का रिकॉर्ड रखेगा कि दुकानों से वास्तव में कितना सामान खरीदा गया।मान लीजिए किसी परिवार ने एक किलो चावल खरीदा, लेकिन महीने भर में केवल 500 ग्राम ही इस्तेमाल किया। हाउसहोल्ड कंजम्प्शन एक्सपेंडिचर सर्वे में 500 ग्राम की खपत दर्ज होगी, जबकि नए रिटेल सर्वे में दुकानदार द्वारा बेचा गया पूरा एक किलो चावल रिकॉर्ड किया जाएगा। इससे बाजार में वास्तविक मांग और बिक्री का ज्यादा सटीक अनुमान लगाया जा सकेगा।

डिजिटल भुगतान के आंकड़े दे रहे मजबूत संकेत

देश में डिजिटल भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल से भी उपभोक्ता खर्च का रुझान साफ दिखाई देता है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, जून महीने में किराना स्टोर और सुपरमार्केट में करीब 79,705 करोड़ रुपये के डिजिटल लेनदेन हुए। इसी अवधि में मेडिकल स्टोर और फार्मेसी में 12,428.8 करोड़ रुपये, पुरुष और महिलाओं के कपड़ों की दुकानों में 11,792.9 करोड़ रुपये, जबकि फैमिली क्लोदिंग स्टोर में 7,059.8 करोड़ रुपये के डिजिटल ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए। ये आंकड़े बताते हैं कि देश में खुदरा बाजार में उपभोक्ता खर्च लगातार मजबूत बना हुआ है।

नीति बनाने में मिलेगी मदद

विशेषज्ञों का मानना है कि इस सर्वे से सरकार को उपभोक्ता मांग, महंगाई, उत्पादन और सप्लाई चेन से जुड़े फैसले लेने में काफी मदद मिलेगी। साथ ही, उद्योग जगत और कारोबारियों को भी यह समझने में आसानी होगी कि किन उत्पादों की मांग बढ़ रही है और किन क्षेत्रों में कारोबार के नए अवसर मौजूद हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय का लक्ष्य सर्वे से मिले आंकड़ों को सरकारी रिकॉर्ड, प्रशासनिक डेटा और नई तकनीकों के साथ जोडक़र ज्यादा सटीक और उपयोगी आधिकारिक आंकड़े तैयार करना है। इससे सरकार भविष्य की आर्थिक नीतियां और कल्याणकारी योजनाएं अधिक प्रभावी ढंग से बना सकेगी।

होर्मुज से गुजर रहा था गैलेक्सी जहाज तभी ईरान ने किया हमला- अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध ने अब पूरी दुनिया के साथ-साथ भारत की भी चिंता बढ़ा दी है। इस महायुद्ध का सीधा असर अब भारतीयों पर भी देखने को मिल रहा है। होर्मुज में ईरान के हमले का शिकार बने साइप्रस देश के झंडे वाले व्यापारिक कंटेनर जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर भारतीय चालक दल भी सवार था। भारत सरकार ने इस घटना को बेहद चिंताजनक बताया है और पुष्टि की है कि जहाज पर मौजूद भारत के 10 क्रू सदस्यों को ओमान सरकार ने सुरक्षित बचा लिया है, जबकि एक भारतीय अब भी लापता है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक जब जीएफएस गैलेक्सी जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहा था, तभी ईरान ने उस पर हमला कर दिया। इस हमले की वजह से जहाज के इंजन रूम को बहुत भारी नुकसान पहुंचा है। हमले के तुरंत बाद राहत और बचाव काम शुरू करके चालक दल के कई सदस्यों को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन एक भारतीय क्रू मेंबर का अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। होर्मुज पूरी दुनिया के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक रास्तों में से एक है। दुनिया भर में सप्लाई होने वाले कच्चे तेल और गैस का एक बहुत बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। यही वजह है कि इस इलाके में होने वाला कोई भी सैन्य तनाव न केवल इस क्षेत्र को बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और ईंधनों की सप्लाई को भारी नुकसान पहुंचा सकता है।

इस बीच, अमेरिका ने ईरान पर आज तीसरे दौर की सैन्य कार्रवाई पूरी की, लेकिन ईरान ने भी पीछे हटने से साफ मना कर दिया है। ईरान लगातार इन हमलों का जवाब दे रहा है और उसने ओमान, कतर व बहरीन जैसे खाड़ी देशों में बने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। बढ़ते तनाव के बीच, ईरान की सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने ओमान के दुकम बंदरगाह पर स्थित अमेरिकी विमानवाहक जहाजों की मदद करने वाले और ईंधन भरने वाले प्लेटफार्म पर भारी हमला किया है। ईरान का दावा है कि यह हमला अमेरिकी आक्रामकता के जवाब में की गई उसकी तीसरे चरण की कार्रवाई है।

बीजेपी नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर सरकार को गिराने की कोशिश कर रही- उमर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर उनकी सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है। उमर अब्दुल्ला ने दावा किया कि उनकी पार्टी के विधायकों को पाला बदलने के लिए 20 से 30 करोड़ रुपए तक की पेशकश की गई है।

श्रीनगर के हजरतबल में अपनी दादी बेगम अकबर जोहरा की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा उनके विधायकों को खरीदने के लिए धनबल का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पैसे और मंत्री पद का लालच काम नहीं आया, तो भाजपा बंद दरवाजों के

पीछे विधायकों से कह रही है कि वे उनके साथ आ जाएं और वे उन्हें राज्य का दर्जा दिला देंगे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक विशिष्ट घटना का जिक्र करते हुए दावा किया कि जम्मू क्षेत्र के नेशनल कांफ्रेंस के एक विधायक ने खुद उन्हें इसकी जानकारी दी। विधायक के अनुसार, भाजपा के एक पदाधिकारी और उच्चतम न्यायालय के एक वकील ने उनसे समर्थन मांगा और इसके बदले में 20 से 30 करोड़ रुपये, एक मंत्री पद और राज्य का दर्जा देने का वादा किया।

अपनी पार्टी के सहयोगियों और विधायकों पर पूरा भरोसा जताते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस का कोई भी विधायक खुद को नहीं बेचेगा। उन्होंने कहा कि एक भी ऐसा विधायक नहीं है जो 20 करोड़ या 100 करोड़ रुपये के लिए भी अपनी ईमानदारी बेच दे, क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें अल्लाह को जवाब देना है। उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वे पिछले दरवाजे से सत्ता हासिल करने की कोशिश न करें।

इस सम्मेलन के बाद, नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने भी अपनी पार्टी को तोड़ने की कोशिशों की बात स्वीकार की और कहा कि ऐसी कोशिशें अतीत में भी की जा चुकी हैं। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इन सब बातों से निराश न हों।

चंबल गार्डन बनेगा राजस्थान का प्रमुख पर्यटन केंद्र

जयपुर । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने चंबल गार्डन एवं किशोरपुरा मुक्तिधाम के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास करते हुए कहा कि चंबल गार्डन हाड़ौती की विरासत और कोटा की पहचान है। लगभग पाँच दशक पहले विकसित इस ऐतिहासिक स्थल को अब आधुनिक सुविधाओं के साथ नया स्वरूप दिया जाएगा, ताकि यह राजस्थान और देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना सके। चंबल नदी का प्राकृतिक सौंदर्य, निकट स्थित भगवान शिव का प्राचीन धार्मिक स्थल भीतरिया कुंड और आधुनिक सुविधाएं मिलकर इसे पर्यटन का नया आकर्षण बनाएंगी।

उन्होंने कहा कि दो वर्ष बाद यह गार्डन केवल कोटा ही नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल होगा।बिरला ने कहा कि कोटा के समग्र विकास का जो सपना हमने देखा था, वह अब तेजी से धरातल पर साकार हो रहा है। आने वाले वर्षों में हमारा कोटा शिक्षा के साथ-साथ खेल, स्वास्थ्य, पर्यटन, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भी देश के अग्रणी शहरों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा। जिला स्तर पर चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार, नेचुरल हेल्थ सिटी, योग एवं आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को भी विकसित किया जा रहा है। ट्रिपल आईटी का विस्तार, पशु चिकित्सा महाविद्यालय, कृषि उत्पादों के लिए प्रोसेसिंग प्लांट तथा खेल अधोसंरचना के विकास की योजनाएं क्षेत्र के युवाओं और किसानों के लिए नए अवसर सृजित करेंगी।बिरला ने कहा कि आने वाले वर्षों में कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र प्रदेश के सबसे बेहतर कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में शामिल होगा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, अटल एक्सप्रेसवे, भोपाल मार्ग तथा अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार से क्षेत्र को नई गति मिलेगी।

स्टेटहुड पर सीएम उमर की हुंकार, भाजपा पर लगाया बैक डोर पॉलिटिक्स का आरोप

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी देशभर में राजनीतिक दलों को कमजोर करने और सत्ता हासिल करने के लिए बैक डोर पॉलिटिक्स कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के अपने वादे को पूरा नहीं किया है। जम्मू में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा नेताओं का यह कहना भरोसे के लायक नहीं है कि वे नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कई राज्यों में राजनीतिक दलों को तोडऩे का काम कर चुकी है। उमर अब्दुल्ला ने ऐलान किया कि जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की बहाली की मांग को लेकर 20 जुलाई से दिल्ली में प्रदर्शन का नया चरण शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को काफी समय दिया गया और करीब दो साल तक बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिश की गई, लेकिन अब पार्टी नई रणनीति के साथ आगे बढ़ेगी। अगर अपने ही देश की राजधानी में अपनी मांग नहीं रखेंगे तो फिर कहां जाएंगे? उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस केवल केंद्र सरकार से किए गए वादों को पूरा करने की मांग कर रही है।

उमर अब्दुल्ला ने महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और पंजाब का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने विपक्षी दलों को कमजोर करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि जहां भाजपा को सीधे रास्ते से सत्ता नहीं मिलती, वहां वह पीछे के रास्ते से सत्ता में आने की कोशिश करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर को पूरी तरह राजभवन से ही चलाना था तो फिर विधानसभा चुनाव कराने का क्या मतलब था। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने चुनावी प्रक्रिया और केंद्र सरकार, संसद तथा सुप्रीम कोर्ट के आश्वासनों पर भरोसा किया था कि चुनाव के बाद राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रही देरी से लोगों का भरोसा कमजोर हो रहा है और नेशनल कॉन्फ्रेंस लोकतांत्रिक तरीके से अपनी लड़ाई जारी रखेगी। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने भी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव के बाद 18 महीने बीत चुके हैं, लेकिन राज्य का दर्जा अब तक बहाल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस अपनी जिम्मेदारी निभा रही है, जबकि भाजपा लगातार बहाने बना रही है। उन्होंने मांग की कि भाजपा स्पष्ट करे कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा कब वापस दिया जाएगा।

ओमान तट पर व्यावसायिक जहाज पर हुए ईरानी हमले का भारत ने किया विरोध

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ओमान के तट के पास व्यावसायिक जहाज पर हुए कथित ईरानी हमले का भारत ने कड़ा विरोध किया है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि जहाज पर मौजूद 11 भारतीय नागरिकों में से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नाविक लापता है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक ओमान स्थित भारतीय दूतावास पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रहा है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। सरकार ने कहा कि लापता भारतीय नागरिक का पता लगाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। बयान में कहा गया है कि हम ओमान के तट के पास व्यावसायिक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारा दूतावास ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है और बचाव अभियान पर करीबी नजर रखे हुए है। भारत ने बचाव अभियान में सहयोग के लिए ओमान सरकार और स्थानीय अधिकारियों का आभार माना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय मिशन प्रभावित नाविकों और उनके परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब होर्मुज और ओमान के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में सैन्य तनाव लगातार बढ़ रहा है। बतादें हाल के दिनों में व्यापारिक जहाजों पर हमलों की घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना वैश्विक समुदाय की साझा जिम्मेदारी है और निर्दोष नागरिकों और व्यापारिक जहाजों पर हमले किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जा सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने में हमारे सब्र को कमजोरी नहीं समझें- सीएम उमर

जम्मू,। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने के मामले में उनके सब्र को उनकी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। हजरतबल में अपने दादा-दादी की मजार पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से पूछा कि आखिर वह उपयुक्त समय कब आएगा और इसकी स्थिति कब स्पष्ट होगी।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने केंद्र की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि केंद्र सरकार लद्दाख के लोगों से बातचीत करने के लिए तैयार है, तो फिर जम्मू-कश्मीर के लोगों से बातचीत करने में क्या परेशानी है। अपनी दादी को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने उनसे हमेशा धैर्य रखने की सीख ली है, लेकिन धैर्य रखने का मतलब चुप रहना या अपने अधिकारों के लिए आवाज न उठाना नहीं होता। उन्होंने साफ किया कि सब्र ही उनकी ताकत है और यही कामयाबी का जरिया बनेगा।

सीएम उमर ने केंद्र सरकार से आत्ममंथन करने को कहा कि सत्ता में आए डेढ़ साल से ज्यादा का समय बीतने के बाद भी जम्मू-कश्मीर की सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस को जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को विरोध प्रदर्शन करने की जरूरत क्यों पड़ी।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक भविष्य और प्रतिष्ठा को दांव पर लगाकर हमेशा हिंसा के बजाय बातचीत का रास्ता चुना, जबकि उन्हें पता था कि यह फैसला उनके राजनीतिक करियर के लिए काफी जोखिम भरा हो सकता है। इस दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भी केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने 24 जून 2021 को पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक को याद दिलाया, जिसमें पीएम मोदी ने दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के बीच विश्वास की कमी को दूर करने की बात कही थी। फारूक अब्दुल्ला ने सवाल किया कि क्या वाकई वह दूरी कम हो सकी है? उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों का भी आत्मसम्मान है, वे भारत के ताज हैं, पैर के जूते नहीं।

फारूक अब्दुल्ला ने बीजेपी नीत केंद्र सरकार पर एलजी के जरिए राज्य की शासन-व्यवस्था को नियंत्रित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर राजभवन के जरिए ही लोगों को परेशान करना था, नौकरियों से निकालना था और बुलडोजर चलवाना था, तो फिर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे क्यों बढ़ाया। उमर अब्दुल्ला ने भी इस बात का समर्थन करते हुए कहा कि केंद्र को पहले ही बता देना चाहिए था कि वे सरकार के हाथ पीछे बांधकर काम कराएंगे और ऐसे अधिकारी देंगे जो फैसलों को लागू नहीं करेंगे।

महाकाल मंदिर की संपत्ति का खुलासा, 472 करोड़ की एफडी और 90 एकड़ भूमि

उज्जैन । उज्जैन स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की संपत्ति और आय-व्यय का विवरण सार्वजनिक होने के बाद मंदिर की आर्थिक स्थिति की तस्वीर सामने आई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार मंदिर समिति के पास लगभग 472 करोड़ रुपये की सावधि जमा (एफडी) है. मंदिर के नाम पर करीब 90 एकड़ भूमि दर्ज है। मंदिर की वार्षिक आय लगभग 142 करोड़ रुपये है. वार्षिक व्यय करीब 135 करोड़ रुपये बताया गया है। आय का प्रमुख स्रोत श्रद्धालुओं के चढ़ावे, दान, पूजन-अर्चन, दर्शन व्यवस्था तथा अन्य धार्मिक सेवाएं हैं। व्यय में मंदिर के संचालन, कर्मचारियों के वेतन, सुरक्षा व्यवस्था, धार्मिक आयोजन, रखरखाव और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर राशि खर्च की जाती है। मंदिर के खजाने में लगभग 592 किलोग्राम चांदी तथा करीब 1.5 किलोग्राम सोना सुरक्षित है। यह विवरण महाकाल मंदिर की मजबूत आर्थिक स्थिति और धार्मिक आस्था के साथ जुड़े विशाल संसाधनों को दर्शाता है।

लेखा-जोखा

एफडी (सावधि जमा)= 472 करोड़ रुपये
भूमि= लगभग 90 एकड़
वार्षिक आय= लगभग 142 करोड़ रुपये
वार्षिक व्यय= लगभग 135 करोड़ रुपये
चांदी= 592 किलोग्राम
सोना= लगभग 1.5 किलोग्राम

राममंदिर चढ़ावा चोरी : चंपत राय निर्दोष हैं उनके साथ छल किया गया - कमलनयन दास

जेल में बंद आठ आरोपियों की दिनचर्या बदली, कोई मौन तो कोई पूजा में हुआ मगन

अयोध्या,(ईएमएस)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास ने चंपत राय को निर्दोष बताया है। उन्होंने दावा किया कि चंपत राय के साथ छल किया गया है। महंत कमलनयन दास ने कहा कि चंपत राय ने राष्ट्र, समाज और राम जन्मभूमि के लिए अपने सारे जीवन का बलिदान किया है। उनमें आज तक कोई कमी नहीं आई है। एक बयान में महंत कमलनयन दास ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ सब प्रकार से ईमानदार हैं। उन पर हमें पूरा विश्वास है, भरोसा है। इस मामले में निष्पक्ष फैसला होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि यह घटना कलंक है और इसकी पुनरावृति नहीं होनी चाहिए। कमलनयन दास ने कहा कि यह बिल्कुल सही बात है। दोबारा ऐसी घटना कतई नहीं होगी। चंपत राय का इसमें कोई दोष नहीं है। उन पर कोई आरोप नहीं है। वह बस विश्वास में पड़ गए। उनके साथ छल किया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक राम मंदिर दान चोरी के चार आरोपियों की कस्टडी रिमांड पूरी होने के बाद चढ़ावा चोरी में बंद आठ आरोपियों की दिनचर्या और बर्ताव दोनों ही बदल गए हैं। रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू ने मौन धारण कर लिया है तो सुभाष श्रीवास्तव सुबह चार बजे उठकर पूजा करने लगता है। सभी अब अपने कृत्य पर पछता रहे हैं। उन्हें सख्त कार्रवाई के अलावा सामाजिक बहिष्कार का डर सता रहा है। मामले में अब तक जिन दो आरोपियों रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और सुभाष श्रीवास्तव की भूमिका प्रमुख मानी जा रही है, वे भी अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावशाली माने जाते थे। टिन्नू का मंदिर की व्यवस्थाओं पर अच्छा प्रभाव था, जबकि बैंक से सेवानिवृत्ति के बाद सुभाष श्रीवास्तव संघ से जुड़े और बाद में राममंदिर में गणना प्रभारी के रूप में काम करने लगे थे।

बता दें कस्टडी रिमांड में पहले अविनाश से पूछताछ फिर अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पाण्डेय से मिले इनपुट, डिजिटल साक्ष्य और बरामदगियों ने जांच को मजबूत आधार दिया।

बिहार में राहुल गांधी का छात्रों से संवाद कार्यक्रम टला, अब देहरादून में होगा 17 जुलाई को होगा छात्र संवाद कार्यक्रम छात्रों की गूंज

पटना। कांग्रेस पार्टी ने नीट पेपर लीक और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे जैसे छात्रों से जुड़े गंभीर मुद्दों पर आक्रामक रुख अपनाते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के छात्र संवाद कार्यक्रम छात्रों की गूंज की शुरुआत की, लेकिन बिहार कांग्रेस की अंदरूनी कलह के चलते पटना में होने वाले कार्यक्रम को टाल दिया गया है। अब पटना की जगह ये कार्यक्रम देहरादून में करने का फैसला लिया गया है।

दरअसल, राहुल गांधी के छात्रों से संवाद कार्यक्रम की शुरुआत प्रयागराज में 10 जुलाई को होनी थी, लेकिन उनकी विदेश यात्रा बढ़ाए जाने के कारण कार्यक्रम को टाल दिया गया था। अब उनके 12 को दौरे से लौटने की बात कही। इसी तरह पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बिहार यूनिट में बढ़ती गुटबाजी और आंतरिक कलह के कारण 15 जुलाई को पटना में छात्रों के साथ होने वाले कार्यक्रम को भी टाल दिया गया है। अब ये कार्यक्रम 17 जुलाई को देहरादून में होगा और इसकी तैयारियां शुरु हो गगई हैं।

सूत्रों ने बताया कि पटना के कार्यक्रम को टालने का फैसला बिहार प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व की एक हालिया बैठक के बाद लिया गया। बैठक में राज्य प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष शामिल हुए थे, जहां प्रतिद्वंदी गुटों के बीच के मतभेद खुलकर सामने आ गए। सांगठनिक दरार को बढ़ता देख पार्टी नेतृत्व ने आयोजन को आगे बढ़ाना का फैसला लिया। कांग्रेस इस मुहिम की साख को बनाए रखने के लिए देहरादून में

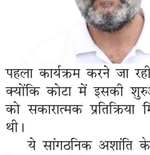

पहला कार्यक्रम करने जा रही है, क्योंकि कोटा में इसकी शुरुआत को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।

ये सांगठनिक अशांति केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य कांग्रेस इकाइयों में भी असंतोष के संकेत मिल रहे हैं। पंजाब में प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और चरणजीत सिंह चन्नी व सुखजिंदर सिंह रंधावा के बीच सार्वजनिक खींचतान जारी है, जिसे सुलझाने के लिए एआईसीसी महासचिव और राज्य प्रभारी भूपेश बघेल कोशिश कर रहे हैं। वहीं, गोवा में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से अमित पाटकर को हटाकर गिरीश चोडंकर को लाने से पाटकर के खेमे में नाराजगी पैदा हो गई है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के समर्थकों ने नेतृत्व परिवर्तन पर निराशा जताई है और दावा किया है कि उनके संगठनात्मक प्रयासों के बावजूद बिना किसी पूर्व परामर्श के यह बदलाव किया गया।

उधर कांग्रेस नेतृत्व कोटा से शुरू किए 'स्टूडेंट्स वॉइस' कार्यक्रम को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद इसे जारी रखना चाहता है। पार्टी सूत्रों का मानना है कि पहले कार्यक्रम को देहरादून ले जाने का मकसद ये तय करना है कि बिहार में संगठनात्मक विवादों के कारण ये अभियान प्रभावित न हो। दूसरी तरफ राहुल गांधी के प्रस्तावित बिहार दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए, बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने तंज कसा है। उन्होंने कई राज्यों में पार्टी को मिली चुनावी हार का हवाला देते हुए कहा कि राहुल गांधी, जहां भी जाते हैं। वहां कांग्रेस का पतन होता है। बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बीजेपी नेता अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश करने का आरोप लगाया और तर्क दिया कि आगामी चुनावों से पहले ऐसी टिप्पणियां राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं।

गोंदिया रोड पर दर्दनाक हादसा

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, युवक की मौत ससुर घायल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत गोंदिया रोड पर शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई।जबकि उसका ससुर घायल हो गया। यह दुर्घटना उस समय हुई जब दोनों ससुर दामाद ग्राम धड़ी से अपने घर सरेखा लौट रहे थे। रास्ते में रोड किनारे खड़े ट्रक के पीछे उनकी मोटरसाइकिल जा टकराई। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक ने उपचार के लिए गोंदिया ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।मृतक आकेश धूपे पिता राधेश्याम धूपे 26 वर्ष वार्ड क्रमांक 5 सरेखा, बालाघाट निवासी बताया गया है है। जिला अस्पताल पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

एक साल पहले हुई थी शादी-पीछे छूटी पत्नी और मासूम बेटी

प्राप्त जानकारी के अनुसार आकेश धूपे खेती मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। जिसका एक बड़ा भाई है। वर्ष 2024 में आकेश का विवाह ग्राम सरेखा निवासी दीनाराम मातरे की पुत्री ज्योति से सामाजिक रीति-रिवाज के साथ हुआ था। दंपति की एक वर्ष की बेटी है। बताया गया कि 11 जुलाई की शाम आकेश अपनी मौसी सास मीराबाई जामरे के साथ मोटरसाइकिल से ग्राम धड़ी स्थित अपने मामा ससुर के घर गया था। वहीं उसका ससुर दीनाराम मातरे भी अपने साढू भाई हेमराज मानेश्वर के साथ धड़ी पहुंचे थे।रात्रि लगभग 8 बजे सभी ने भोजन किया। इसके बाद आकेश अपने ससुर दीनाराम को लेकर मोटरसाइकिल से सरेखा के लिए रवाना हुआ। मोटरसाइकिल आकेश चला रहा था।

खड़े ट्रक के पीछे जा घुसी मोटरसाइकिल

रात्रि करीब 9:30 बजे गोंदिया रोड पर स्थित ग्राम नवेगांव ग्रामीण थाना के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे उनकी मोटरसाइकिल तेज गति से जा टकराई। हादसे में आकेश के सिर, सीने और पेट में गंभीर चोटें आईं और वह मौके पर ही बेहोश हो गया। वहीं दीनाराम मातरे के सीने में भी चोटें आईं। बताया गया है कि ट्रक के पीछे इंडिकेटर या पार्किंग लाइट नहीं जल रही थी। अंधेरा होने के कारण आकेश को सड़क किनारे खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया और मोटरसाइकिल सीधे ट्रक से टकरा गई।

गोंदिया ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम

दुर्घटना के बाद दीनाराम ने परिजनों को फोन कर सूचना दी। घायल आकेश को पहले जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।इसके बाद परिजन उसे बालाघाट के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन वहां के डॉक्टरों ने आकेश को गोंदिया ले जाने की सलाह दी । आकेश को एंबुलेंस से गोंदिया ले जाते समय रास्ते में ही उसने ने दम तोड़ दिया। इसके बाद शव को पुन: जिला अस्पताल लाया गया।जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच

जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए। 12 जुलाई की सुबह प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे एवं आरक्षक मुकेश मानेश्वर ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। जिला अस्पताल पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम जांच एवं कार्रवाई के लिए ग्रामीण थाना नवेगांव भेज दी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बैनगंगा पुल के पास मजदूरों से भरी पिकअप पलटी

आधा दर्जन महिला मजदूर घायल, दो महिला की हालत गंभीर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के रामपायली थाना क्षेत्र में रविवार सुबह मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पूनी से बटरमारा मार्ग पर बैनगंगा नदी पुल के समीप तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे ढलान में पलट गई। हादसे में आधा दर्जन महिला मजदूर घायल हो गईं। सभी घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो महिलाओं की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है।

रोपाई कार्य के लिए जा रही थीं महिला मजदूर

प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषि कार्य के मौसम में रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगरमाली एवं बिटोड़ी की महिला मजदूर प्रतिदिन किरनापुर क्षेत्र के ग्राम धड़ी नेवरगांव में धान की रोपाई करने जाती हैं। 12 जुलाई की सुबह करीब 8:30 बजे करीब डेढ़ दर्जन महिला मजदूर एक पिकअप वाहन में सवार होकर रोपाई कार्य के लिए धड़ी-नेवरगांव जा रही थीं।

तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह

ग्राम पूनी से आगे बैनगंगा नदी पुल के पहले मोड़ पर तेज गति से दौड़ रही पिकअप अचानक चालक का संतुलन बिगड़ने से अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे ढलान में पलट गई। वाहन पलटते ही कई महिला मजदूर पिकअप से बाहर जा गिरीं, जबकि कुछ वाहन के नीचे और अंदर दब गईं। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई।

ग्रामीणों ने चलाया राहत एवं बचाव अभियान

हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर तत्काल मौके पर पहुंचे और घायलों को वाहन से बाहर निकालने में जुट गए। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार शुरू किया गया।

दो महिलाओं को किया गया हायर सेंटर रेफर

जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल सुनीता गजभिए, पति मुकेश गजभिए तथा सविता लिल्हारे पति बैगा लिल्हारे दोनों ग्राम डोंगरमाली निवासी की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया। दोनों का उपचार गोंदिया के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। वहीं एक अन्य घायल महिला को भी बालाघाट के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल महिलाएं

अन्य घायल महिला अनिता पति शिशुपाल माहुले (28),हिरमता पति मुकेश लिल्हारे (35), कांता पति महेश मेश्राम (48), परमिला पति सुकलाल मेश्राम (58), उर्मिला पति रामभरोस लिल्हारे (62), कमलाबाई पति लक्ष्मण लिल्हारे (55), ममता पति मन्नूलाल लिल्हारे (56), देवेश्वरी पति तीरथलाल लिल्हारे (40) सभी निवासी डोंगरमाली एवं फूलवंता पति पंचम नगपुरे (40), हिवानी पिता धनलाल नगपुरे (18), कलावती पति भेजलाल नगपुरे (38), संतोषी पति बसोकलाल नगपुरे (19), पलक पिता शोभेलाल नगपुरे (19) सभी निवासी बिटोड़ी व रेखा पति विष्णु उपवंशी (28) निवासी नवेगांव शामिल है।

हादसे की जांच में जुटी पुलिस

दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वाहन की तेज रफ्तार हादसे का प्रमुख कारण मानी जा रही है। पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

लामता रोड पर बड़ा हादसा

टिटवा के पास अनियंत्रित होकर पलटी यात्री बस

आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के लामता रोड पर ग्राम टिटवा के पास रविवार को दोपहर एक यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों में चार यात्रियों को 108 एंबुलेंस और डायल112 की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। जबकि अन्य घायलों को मामूली चोटें आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालाघाट से परसवाड़ा के लिए चलने वाली यात्री बस 12 जुलाई को दोपहर करीब 2 बजे बालाघाट से रवाना हुई थी। बताया जा रहा है कि ग्राम मगरदर्रा तक पहुंचने से पहले बस दो बार पंचर हो गई थी।जिसके कारण बस काफी देर तक रुकी रही। समय की भरपाई करने के लिए चालक ने बस की रफ्तार तेज कर दी।मगरदर्रा घाट पार करने के बाद ग्राम टिटवा के पास चालक ने बस से नियंत्रण खो बैठा और तेज रफ्तार बस सड़क किनारे पलट गई। हादसे के समय बस में करीब डेढ़ दर्जन से अधिक यात्री सवार थे। दुर्घटना होते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और स्थानीय ग्रामीण तत्काल मदद के लिए मौके पर पहुंचे। हादसे में घायल यात्रियों में रेवतीबाई बघेल पत्नी चैनलाल बघेल 46 वर्ष निवासी ग्राम कुरेंडा, हरिसिंह टेकाम पिता श्याम प्रसाद टेकाम 45 वर्ष निवासी ग्राम जलगांव, शिवानी बघेल पिता ठुन्नूलाल बघेल 22 वर्ष निवासी ग्राम बघोली तथा जागृति उइके पिता मुन्नीलाल उइके 22 वर्ष निवासी ग्राम बघोली थाना परसवाड़ा शामिल हैं। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस और डायल 112 की सहायता से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया। जहां उनका उपचार जारी है। सभी को मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। दुर्घटना में घायल अन्य यात्रियों को हल्की चोटें आने के कारण दूसरी बस से उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। कई यात्रियों ने अपने स्तर पर निजी चिकित्सकों से उपचार कराया।जिला अस्पताल पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज कर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई के लिए संबंधित लामता थाना भेज दी है।

आवश्यकता है
क्वार्क में पेज सेटिंग हेतु
कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-बालाघाट एक्सप्रेस
पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट